

## राजस्थानी साहित्यकार परिचय-कोस [राजस्थानी मासा, साहित्य घर संस्कृति रा क्षेत्रा में काम करिएवां साहित्यकारों घर वारी रचनावां बावत जाएकारी!

संपारक : रावत सारस्वत

राजस्थानी माषा साहित्य संगम (ऋकादमी) श्रीकारेर



## प्रकाशकीय

रात्रस्थानी माना र बाहिद्रकारों से एक गरियनकोल द्वारण रो निर्णूण तो रात्रस्थान साहित्य सफारती (संतम), उदयपुर, मान मूं बोक्छा बराता रेली लोगो है। एक इस अराज वज्जा माना के इंग्लं प्रभा रो निरमाण घर अभावण माने बरकते गयो । तः रसे सास कर, 'राजक्यानी भागा साहित्य संतम (मकारथी)' रो काम बोक्योर में सक हुयो, कार्यविधित इस वर्ष रो उपयोगिया ने माकतो निर्णूत विवारों के इस में बेगो है खुरायों जावें मर इस रो कार्य भी राजत सारस्व, सरिव, राजस्थान सामा स्थार बसा, व्यक्तर ने गूंची वार्ष ।

पाएँ हरत री बात है के और सारकाजी, हाप में बखत कम रेवण रे जपराल मो मोकडों मेनत करने हुए कोग में स्थार कर दिनों जिसे मान रे हामों में है। कोश रा परिचय भेड़ा करता हो काम मनत-बखत पर हुवला रे कारण केंद्र भाव दूरवार है। उन्हों में किलों दूरी भीभी में नेका कर खावानण भी भीरा करीजती। केर भी मा निस्तित है के रूस व्यव पूर्व मेक सार्थ सरवी हूं मनराण मानवा प्राण्डों रे सार पानसानी साहित्य घर साहित्यकारों मू जाएकारी पानवा साडों रे सार राजसानी साहित्य घर साहित्यकारों मू जाएकारी पानवा साडों रे सानर काम पाने कोरी हरायों है।

के साहित्यकार संपु इस पुस्तक में भेता मी हुयोड़ा मांचा री पूरी जाएकारी भर हुता मुक्तव 'राजस्थानी माचा साहित्य संगत (सकादमी)' रे कार्योत्तव में श्रेजस री किरण करती तो वां पूंमीको आध्यां जरूर कावदी जठावस पी चेस्टा करीजनी।

> थो लाल न. कोशी सानव सन्त्री

राजस्थानी भाषा सःहित्य संगम (अकादमी) बीकानेर



## पोथी बाबत

राजस्थान रा साहित्यकारां रो परिचय-कीश निकाळले री बात बरतां मूं 'राजस्थान साहित्य मकारमी, उदयपुर' रा कागरी में उळकी रेगी। भीती बातां री चरपा में मी था'र रेश बात री खुबी होणी पार्च के 'राजस्थानी माया साहित्य संग्व (बातसी), बीकानेर रेश काम ने बार पाइली री थानी घर बली रो मो नतीओ है के भी ग्रन्थ सापरा हाथों में है।

याप रा हुलेक गांवा यावत जाएकारी वदणपुर से सकारमी दे दणतर कार्ग मूं जेडी करोजी है। यह भाग से मोळाएण उदणपुर सहारांग मंत्री हो एक छी मुं करत गांवा से एक धीर कहीरत्व वणांत्र परित्य महारे कने मववाया। राज्याचारी या साहित्यकारों से मा सावा महत्यांनी देवी के जर-बर हुलारा भी मां मुं विश्वय मोत्या हो में निमा नाराजनी दिलाये केवणे से किया किसा भी। केर भी सनेक साहित्यकारों सा विश्वय हुण गोंथी में केळा जी हो सवया जिए से साहती होते। बांसा विश्वय मंत्रयां केळा ली करवा वा सर्वे हुए, त्या काम में तत्तातार होत्रण साहते देशी सार व्यावणा नेवानों सा परित्य दुराणा पढ़वा देवां सो कोस पुरास सातर सी तत तय हुई। एस भारते निस्ता मार विसानिक्सा परित्य मिल पत्ता कोर्से एक सीर्ये सर्वे में हैं निसार पर विसानिक्सा परित्य मिल

परिवय-कोशा रे मानीबर्ड वरीके बूं वे ब्रा पोपी सगाईबती हो सारा रा सारा परिषय 20-30 पानों के बा बाता । हुए बाहर्न एक पाने पर दो परिषय स्वार्य से तरीके प्रपत्ताची घर हुर सेसक रे परिषय में बाएकारी रा विशेषानी सार-बार प्रपत्ता पढ़ या । वे दिना विशेषां रे आखारी मांच सारीब्दों हो साहार पानी होंटो हो कहे हो।

प्रकारमी कानी सू जिंका परिकर-पन मरवार मंगवाया गया को में राजस्थानी घर हिन्दी री रचनावों से कोई भेद कोनी राक्यों गयो। इस कारस सनेक जगावों पर मो सरम रेवों के कनासी योथी या रचना राजस्थानी वें है या हिन्दी में । जर्ट-जर्ट म्हारी निजी जाएकारी ही, उस मुजब लिल दियो, पस धनेक बार म्हारी मजबूरी सूंगळितयां भी रैयी हुवै, इसी संभावना है ।

म्हारो विचार है के ज्यां सावियां रा परिचय हुए दोषी में भी जा सहया सां मुं तुर्त व्याफ़्तरो भी माताई जार्च घर एक स्वारो भी भी में ह्यापरी वार्ष । स्वारं मंत्रा कु हाल एक सी मूं अपर लेकक भीर है ज्यारा परिचय प्रध्या जाएगा सार्थी इसा सुर्द्रमोड़ा मांबां री एक टीप रहण सीनी र तारं देक्य रो विच्यार हो, पण व्य मूं कोई लास बिद्धि मीं होती देल सो विचार टाक दियो । वां साथियां ने स्वारं परिचय पत्र भेजरें जाएकारी भीको करए। री सेहा करीजली । केर भी कोई साधी उच्च कागद रो बाद देक्यां विजा भी जाएकारी भेजली री किया करें तो पणे हरस री बाद हवें । जाएकारी रा शिरोवां नीचें मजब होगा चारिके---

1—नांव 2. सिला 3. जनम-तिथि घर त्यान 4. मोहूदा काम-पत्यों 5. छ्यांदे राजस्थानी पोषियां (बांद एक्क्यू रो सरह निवस, प्रमासक, मील-पत्रस्थानी पोषियां सुं मताव राजस्थानी पारियां सुं मताव राजस्थानी प्रार्थित राजस्थानी प्रस्ता होता स्थापी राजस्थान (अपन्य राजस्थानी प्रमास प्रमास प्रम प्रमास प्

'ने मां सिरीनांनां मूं परवार भी कोई जालकारी देवली जरूरी हुवै हो। उल बाबत सफाद जरूर भिजवावल रो किया करें।

, कोछ र संपादन में पूरी जेवला करी है के बिना कोई जात री निदानतुति रें कोरी लाएकारी मात्र दी नार्थ। जर्ड-जर्ड कोई बात सरकाम्य है उन्हें नार्यों के लिखती है। पन्न कुल पड़ना क्यार्थ में किसी के दिने हैं। केर भी, जाएने सरकार्य कीर्यों के स्वाप्त केरियों कीर्यों केरियों केर द्रण परिषय-कोस भूं एक बड़ो कायदो घो भी होशी के राजस्थानी में कीय रासणिया विद्वान घासानी चूं लोगो सूं लिला-पढ़ी कर सकसी घर साहित्यकारो मैं भी प्रापसरी में परिचय करण री सुविधा मिलसी।

राजस्थानी मापा साहित्य संतम (पकादमी), बीकानेर मापरी बराजा है पोड़े से परंत में हैं, पछी दिक्कों रें रहता पका, मो कोस पर हुनी कह तो से परंत में हैं, पछी दिक्कों रें रहता पछी में हैं के एवं पार्टी देरी में संतम पा सरस्यों निख जरात्वा मुं बरास्त करी, या मी साहित्यों है।

रावत सारस्वत चंपाटक नांव : सगरसन्द नाहरा

मिलाः : साम्रारसः भासा-सान

जनम-तिथि धर स्पात : चैत वदी 4 संवत् 1967 वि., बीकानेर

भीजवी काम-मन्यो । व्यापार, साहित्य-साधना

स्त्योशे वोचियां : समार्ग्यार, राजस्यानी साहित्य की वोरवपूर्ण परंपरा, यथपान निजनस्वारी जिनस्तिरी, कृतस्तरि आय, नीकानेर

र्जन-सेस संबह; सपादन कर्योड़ा दूज मनेक मीर प्रंप है पत्र-पत्रिकार्यों में ख्योड़ी रचनार्थी: कोई टीनसी मेड़ी पत्र-पत्रिकार्यों में करीय

वीत हवार देख छ्या है

दूनी सुक्ताची : जैन द्रतिहास राज, विद्योगानावार्य पर विद्यालारिय से सम्मातंत्र व्याधिया संस्थाची यर सम्मेतनो में दिरीजी—कणकता दिक्कितालक, साहित्य-संद्यान, व्यवसुर धर सम्प्रदेश साहत-साहित्य दिवासी भागता दिवा—सादूक राजस्थानी रितार्थ द्रव्यीक्ष्य, बीकानेर सा विदेशक रथा—समय जैन स्वयालन नांत्र सुंभीटो नीमीतानी धर स्वकारानुसंस्थान चलाई—देश सा धनेक पत्रो दे संशावक-संदक्ष स

सदीव रो ठिकालो : नाहटां रो मुबाड़, (बीकानेर-राज.)

मौजूदा ठिकाणो : मूपर मुजब

পাৰ: অভীক্ষিত 'ৰ্ঘ্

सिला : स्नातक, फिजिकस एज्यूकेसन रो डिप्लोमा

क्षतम-तिथि घर स्थान : 24 फरवरी सन् 1947 ई॰, राशी यांव (नागीर-राज॰) भीडूना काम-वन्थी : प्रम्यापकी

पत्र पत्रिकालों में छप्योड़ी रचनावी: राजस्थान रो पत्रिकाला में कविता, कहासी निवंद साद।

सथीव रो ठिकासो : मु. यो. रासीमांव (छोटी साटू-नामीर राज.) सोबुदा ठिकामो : मूपर मुजन नांव : मन्ताराम 'सुदामा'

सिक्षाः एम. ए.

जनम-तिथि घर स्थान : माह बदी 9 संबत् 1980 वि., बीकानेर

मौजूबा काम-धन्यो : ग्रन्यापकी

छप्योड़ी पोषियां । मैकती कावा मुळकती घरती (उपन्यास-1966), पिरोळ में कुत्ती व्याई (कवितावां-१९६९) ब्रांधे में ब्रांच्यां (कहारिपां)

धत्र-पत्रिकार्यों में क्ष्य्योड़ो रचनार्था: राजस्थान-भारती, बातायन झाद पत्री में रचनार्वा छपी

सदीव रो ठिकाणो : सदयरामसर (बीकानेर-राज-)

मौजूदा ठिकाणो : यूपर मुजव

भौजुदा टिकाली: सुपर मुजब

शंव : सवीरवंद योजा विका : बी.ए., एम.एन.बी. वनमन्त्रिय बर स्थान : 29 विकायर वन् 1934 ई., मोडियो (फनोरी-वोयपुर) मोजूस काम-वायो : पत्रकारिता पर केवन बरुद्धारी एमतायो : राजस्वाती चीच-कथा माळा मान 1-3 दुन्नी कामकारी : श्रियो में कहाणियां घर सावस्थायो री सएस्पी एसनावां

सदीव रो टिकाली : जवासा साप्ताहिक, उच्च म्यायासय मार्ग, जीवपुर

नांव : सम्बूल ब्यावारको मानव बीकानेरी' विक्ता : बी.यू; बी.यूक, बी.यी. एड. जनम-तिथ घर क्याव : 23 दिवान्यर सन् 1928 ई., बीकानेर (राज.) भीजूरा क्याय-पायो : स्थायकी स्थायको : प्राच्यानी गीठ हुनी सुजनावो : उपाय्या, वाहिरत-वायना केन्द्र, मनुदा (स्वयेप) सरीव पो दिकालो : महाजन हाउव ई कमें, कोरियां पो मोहल्लो, यीकानेर

भौजुदा ठिकाली: मनुदेशक, राजकीय एस.टी.सी. स्कुल, मसुदा (मजमेर राज.)

शीव : यमोलक्ष्य वाधिक् भिता : यम. ए. हो. एम. बनय-तित यम स्थान : 10 नवद तन् 1933 ई., दिवाप् (फूंफणू-राजः) भौजूत काम-पायो : यथापकी वम-पितावां में स्थापित स्थापको : वस्ता, पहकाएो, शादेवर यादि वजा में देता-वित्र, बहाएयो यस क्षय सारोव से डिकाएो : नामजो देसंदर करें, दिवाप् (फूंफणू-राजः) भौजूमा डिकालो : प्रमानास्थारक, सन्व उ० प्रा० दिवास्था, बृद्दी यजीज्यह (फूंफणू-राजः) नांव : धम्बासास भावसार 'भावुक'

सिसा : वी. ए.

जनम-तिषि धर स्थान : 24 मार्च सन् 1939 ई. उदवपुर (राज.)

मौजूदा काम-घन्धो : पत्र-प्रकासण्, ग्रध्यापकी

सप्योड़ी पोषियां : दो टावर (1964)

इल्योड़ो पोषियों : वो टावर (1964) पत्र-पत्रिकार्वा में छत्योड़ो रचनार्वा : मधुमती, मोळमो, मर दुजा दैनिक मर

पत्र-पात्रकावा म छप्पाड़ा रचनावा: मधुमता, माळमा, मर दूता द साप्ताहिक पत्रां मे फुटकर रचनावां

मण्डमी रचनावां : दारू रो प्याली (पदा)

दूनी वाणकारी: 'लेखन संस्थान', 'उदयपुर कवि सम्मेलन एवं मुतावरा समिति',
'उदयपुर पत्रकार संघ' रा पदाधिकारी—हिन्दी ने कई झएखरी
पत्र-मत रो भीवियां

सक्षीय रो ठिकास्पो: 602/10 हाथीपोळ प्रंदर, उदयपुर (राजस्थान) भौजदा ठिकासो : प्रदर मुख्य

-

नांव :धंयू शर्मा सिक्षा : एम.ए., सा. रहन

क्षतम-तिथि द्वर स्थान : 5 नवस्थर सन 1934 ई. फ्रंभरण (राज्.)

मौजूदा काय-धन्धोः भव्यापकी

माहूदाकारकार्याः वच्याना द्यव्योड्रो पोर्डियाः विच्यु सहस्रनाम (1966) म्हामारत सतसई (1966) योत् इजारो (1971)

क्यार (२००४) वत्र-पत्रिकार्या में छप्पोड़ी रचनार्थाः 'मोळमो, मे बाल्मीकि रामायला रै प्रतुवार रामस

रा संस दुको मुख्यावां : साडेसर, म्हारो देव, मरवर, नैशासी ---पत्र पत्रिकावां रो संपादन

सरीव रो टिकाफो : भू भागू (राजः) मौजुरा टिकाफो : 1, वागीगित्रपाट स्ट्रीट कलकसा-3 नांव : प्रश्रुंनलाल कुमुद

सिक्षा : साहित्यरात्न, गास्त्री

सनम-तिथि धर स्थान : 1 जुलाई सन् 1926 ई., ठाकरड़ा (हंगरपुर-राज.)

भौजूदा काम-धन्धो : झध्यापकी

पत्र-पत्रिकावों में छप्पोड़ी रचनावों: 'वागड़ी साहित्य की नायिका' (वाग्वर, 1968) महाछवी रचनावों: वागड़ वार्षियृति (वागड़ी व्याकरण) वागडी सबदकीस.

अवानी नी भलक (वागड़ी पद्य) दुवी जाणकारी: हिन्दी में 'उपा' नांव री काव्य छथ्योड़ी

सबीव रो ठिकाणो : पांत-पोस्ट टाकरड़ा (हुंगरपुर राज-) भोजूबा ठिकाणो : मध्यापक, राजकीय जन्म प्राथमिक विद्यालय, बरवा (हुंगरपुर राज-)

भाव : सश्यितीकुमार विभीड़ा 'कुमार'

विका : एम.ए., सा. रत्न

अनम विधि घर स्थान : 6 मार्च सन् 1930 ई; विजीळिया (मीलवाडा-राजः)

भीजवा काम-मन्यो : मध्यापकी

धल् छ्यो रचनावां : दो डग एक मग (कविता सग्रं)

दूधी सूचनावां : हिन्दी में वहारों, कविता, में कांकी घर धालोचना रा स्थार पोवियां स्थार है। पत्र-पत्रिकावां में छपी घर धालासवारों मूं भी रचनावां प्रमारित

सबीव री ठिकारणे : कुमार साहित्य सदन, विवोक्तियां (बीलवाड़ा-राज.) बीहुबा ठिकारणे : वरिष्ट सध्यायक, राज. उच्च. मा. वि. भीलवाड़ा (राज.) नाव : प्रक्षयसिंह रस्तू

सिक्ता: साहित्यभूषरण, सा. रत्न, कविरत्न

जनम-तिथि घर स्थान : 24 दिसबर सन् 1910 ई०, जिला घलवर

मौजूदा काम-धन्धो : राजसेवा रा पेंसनर

खप्योड़ी योथियां: शक्षय जय-स्मृति (1937), श्रक्षय किसोर-स्मृति

पत्र-पत्रिकार्थामें छप्योड़ी रचनार्थाः कल्यास धाद पत्रां में. ग्रर संग्र-प्रंगः में रचनार्था छपी

दूजी सूचनावां :--- अलवर रियासत रा राजावां धर प्रनेक संस्थावां सूं सनमान प्राप्त-भाकासवाणी सूं प्रनेक बार रचनावां प्रसारित

श्रंव : धाग्याचन्व भंडारी

सिला । एम.ए. (हिन्दी-मंग्रेजी), पीएच.डी.

सनम-तिथि सर स्थान : 17 मार्च सन् 1921 ई., जोधपुर (राज.) सोजुदा काम-मन्यो : सीनियर टी.टी.ई. उत्तर रेलवे, जोधपुर

ह्य्योड़ी योचियां : वन्तापाय (नाटक 1962) देस रे बास्ते (एकांकी 1967) वन-पत्रिकावां में छ्य्योड़ी रचनावां : सपुमती, राजस्थानी बीर, सरस्वती, वार्वापने प्राद में लेख, कविवाबो, एकांकी, कहाणियां

सदीव रो ठिकालो : मुनाशं रो बास, जोवपुर-3

मौजूदा ठिकाचो : सूपर मुजद

नांव : ब्रालमशाह स्तान

सिक्ताः एम. ए. पीएच. डी.

जनम-तिथि-घर स्थान । 31 मार्चे सन् 1936 ई०, उदयपुर (राज.)

मोजुरा काम-बन्धो : हिन्दी प्राध्यापक, उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर

द्यप्योड़ी पोषियां : राजस्यानी वचनिकाएं (1964)

क्त्र-पत्रिकावों में धुष्योड़ी रसनावों : मारतीय साहित्य, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, मुक्ता,

परिषद् पित्रका, सारिका, नखिलस्तान, ना. प्र-पित्रका, बीसवीं सदी, सम्मेलन पित्रका, परम्परा, मधुमती माथ में हिन्दी उदू-राजस्थानी रचनावां

द्मण्ड्यी रचनावां : वंसभास्तर-साहित्यिक प्रप्ययन (गेएच, डी. रो सोव-प्रवन्य) सबीब रो ठिकालो : मृपालवाड़ी, उदयपुर (राज.)

भीजुदा ठिकाएो : घुपर मुजब

नांवः साद्यासर्गः

सिला: एम. ए., बी. एड.

लनम-तिथि घर स्थान : लाडनू (नागोर-राज.)

भीजूबा काम-धन्धो : मध्यापकी

छुप्पोड़ी पोवियां : चन्दावरणी (कविता सम्र ) 1973

र्द्श्री सुवर्गावी: कवि-सम्मेलनो में कविता-पाठ कर्यो, काश्य संकलना धर पत्रां में रचनावो छत्री

सदीव रो ठिकाणो : वसुंघरा, बगड़ (मूंभ्रणूं-राज.)

मीबूश ठिकाएरे : प्रधानाच्यापिका, कन्या विद्यालय, मलसीसर (मूं माणू -राज)

र्माव : ईस्वरदान प्राशिया

सिकाः हिम्दी, ग्रंत्रेची, मराठी, गुजराती, दगला, संस्कृत ग्राद मासावो ∵री साधारण ग्यान

सनम-तिथि घर स्थान : श्रासाड बदी 8 संवत 1952 मौजूदा काम-घन्धो : खेती

छप्योड़ी पोषियां : वीरसतसई (सह-संपादन)

ग्रएछपी पोषियां: फुटकर काव्य

दूषो सूचनावां : 'राजस्थान-नेसरी' (वर्षा), 'चारण' मासिक रो सम्पादन--

सदीव रो ठिकाणो : गांव मेंगटिया, डाकपर बीजरोल (नायद्वारा-उदयपुर राज.) मौजूदा ठिकाणो : मूपर मुजब

नांव : उक्ष्यवीर शर्मा

सिक्सा: एम. ए., दो. एड., वीएच. डी.

खनम-तिथि सर स्थान : 4 जून सन् 1932 ई., विसाझ् (मू'भःलू'-राजः)

मौजूदा काम-धन्धो : मध्यापकी

क्योड़ी पोधियां : विरथीराज-गुरजं (लीव-काग्य) पत्र-पत्रिकार्यो में ख्याड़ी रचनार्या : वरत, लाटेडर, छायता, ज्योति, जलसमी राज-भारती, मस्त्राणी, मधुसती धाद पत्रिका में कदिता, वहाणी, एकांकी सर खंद-क्यां

भेळी कर्योड़ी रचनावां

स्राप्त्यी रचनावां : राजस्थानी अत-क्यावां (2-3-4) खंड, जनकाव्य, सोडगीत सोक-क्यावां, बाल-क्यावां इत्री सुचनावां : राजस्थान साहित्य समिति, विद्यापु रा उपनंत्री-जनवदीव साहित

सम्मेलन, सहप्रशायद (सीकर) री कार्यकारिली रा सदस्य सेसाबाटी रै हिन्दी-राजस्थानी साहित्य पर सीच-प्रबंध निस्यो ।

सदीव रो ठिकालो : विसामू (मूं मागू-राज.)

भौजूबा ठिकालो : वरिष्ठ प्राप्तापक, राज. उक्त माध्यमिक विद्यालय, रालोली (सीकर-राज.)

नीयः जमासंकर प्राचार्ये सिक्ताः साहित्यवास्त्री, प्रापुर्वेदायाये अनम-तिषि घर स्थानः संगविषः गुदी 13, संबत् 1979 वि., तारानगर (चूक्र-राजः)

मोनुषा काम-पायो : वैदाक यज-पिकावां में प्राचीहो रचनावां : जलमनीम काव्यांक में छ्वी छाउपाये वीमियां : शीतांज्जी री राजस्थानी प्रमुवाद दूनी मुक्तवावां : प्राजुद-संबंधी पीथियां छात्री है स्वीच पीकिसाको : साजुद-संबंधी पीथियां छात्री है

मौजूदा ठिकाणो : घूपर मुजन

संद : अधिमा देवी गर्मा

सिका : एम. ए, (इतिहास-संस्कृत), पीएच. डी.

खनम-तिथि सर स्थान : 2 सन्द्रवर सन् 1934 ई., नवीवाबाद (विज्ञभोर-उ.प्र.) भौजुदा काम-सम्यो : प्राध्यापक, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयनुर पत्र-विज्ञावो में छत्योड़ी रचनावो : राजस्थान-विकाल, समेनुन पाद यहां सर्र कई

दूत्री सूचनावा : रेडियो घर मंच मूं राजस्थानी कवितावां रो पाठ

राजस्यान निवरियासय मुं एम. ए. में वब मूं वेशी बंकी साह पुरस्कार सर प्रमाण-पत्र सर केशीमार में बहुनी पुरस्कार-'राजस्थानी माता सर संस्किति रो बेरिक उसा' पर सोघ सर शे. लिट्, सातर 'मतत्वस्य साहणे' रो सम्बन्ध चाडु

प्रयों में लेख. लोक-कथा

सबीव रो ठिकासो : रामकुटीर, मोनालपुरा, दुर्गापुरा रोड, जयपुर-4 मौजुबा ठिकासो । धपर मुजब नांव : घोम पुरोहित

सिक्षा : इ'टरमीजिएट

जनम-तिथि घर स्थान : 25 फरवरी सन् 1947 ई., नवलगढ़ (सूंम्सर्यू-रात्रः)

मौजूदा काम-यन्थो : तिश्री सेवा

छप्योड़ी पोवियां : परिएहारी (गीत-संग्रं)

दूबी सूचनावां: पत्र-पत्रिकावां में रचनावां सपी घर सम्मेलनां में कविता-पाठ कर्यो

सबीव रो ठिकासो 1 नवलगढ़ (मू काणू-राजः)

मौजूबा ठिकारणो : इंग्डिया फायर त्रिक्स एण्ड इन्सुनेशन कं. लि., 139, मेडोब स्ट्रीट, सेकसरिया चैन्वसं, फोर्ट, सम्बई-11

र्मावः स्रोमप्रकाश भाटी

सिक्षाः एम. एससी.

बनम-तिथि सर स्थान : 7 मई सन् 1948 ई., उदयपुर (राज.) रचनावां : काम्य-संकलनां सर पत्रों में स्थी-सएस्सी नई सैसी री युटकर कविठायां सरीच पी ठिकालो : 8/379, गरीस पाटी, यदयपुर (राज.)

सबीय रो ठिकाला : ४/379, गण्स पीटा, श्रदमपुर (शब.) मौजवा ठिकाणो : भपर मुबद मोव : सींकार पारीक

सिक्षा : बी. ए., डिप्लोमा (सहकारी शिक्षा-प्रशिक्षरा)

क्षनम-तिथि घर स्थान : 26 मार्च सन् 1934 ई., बीकानेर (राज.)

भौजूबा काम-धायो : सहायक सचिव, राजस्यान साहित्य सकादमी, चदयपुर स्थापी योषियां : मोरपांस (1968)

यत्र-पत्रिकाको में छप्योड़ी रखनावां: हिन्दी घर राजस्थानी पत्रों में कवितावां, कहालियां रा मनुबाद धर लेख धाद रो बकासण

दूजी मुख्याचा : सहकारिता सबंधी तीन हिन्दी चोषियां सर 'एक पंत पाकाण' नाव स्'हिन्दी कास्य प्रकासित, 'संहिता' बीकानेर, 'त्रिजीविया' सर 'राजस्थानी साहित्य प्रतिस्टान', उदयपर रो स्थापना

सबीब थी ठिकालो : सोनगिरी रो कूबो, बीबानेर, (राज.)

मीत्रूदर ठिकालो : ए. १२, मुबालपुरा, खदमपुर (राज.)

नांवः कमर मैबाड़ी

सिक्षाः दसवीं तक

करम-तिथि घर स्थान : 11 जुलाई सन् 1939 ई., बांकरोली (राज-)

मौतुरा काम मन्यो : मध्यापकी

दोष्पड़ी रचनावां: 'अय बगता देत' घर राजस्वान र तिथा विभाग री सर्व-पीपी
'माळा' मे-चवितावां सरी

वत्र-पश्चिमार्थे मृत्योही रवनावी : 'मोळेमी' घर 'मश्चमी' में पुटकर रवनावी स्ती मलस्त्री रवनावी : 'विशेष्ट री मांची' नांव री पोबी

सपादक —हिन्दी काव्य सबह प्रकासित सबीब रो टिकाफो : 'संबोबन' व मासिक, बांकरोली (उदयपुर---राजः)

सरीव रो डिकाफो : 'संबोधन' व मातिक, बांकरोली (उदयपुर--- राजः. बोहरा डिकाफो : मपर मुजन नोव : कमला ब्रह्मवाल सिला : बी. ए., बी. एड

जनम-तिथि घर स्थातः 15 धन्द्रवर सन् 1932 ई., उदयपुर (राज.) भौजूदा काम-धन्धोः अध्यापकी

छुप्योड़ी पोषिया : राजस्यानी चारणी साहित्य (1959)

पत्र-पत्रिकावा में छप्योड़ी रचनावां: वाग्वर, सोध-पत्रिका छाद मनेक पत्रा में छपी

सबीब रो ठिकाको . कमनामन, 179 प्रशासनगर (रोड नं. 12) उदवपुर (रोड ) भोजुस ठिकाको : त्रधानाध्यापिका, राज. कन्या. माध्य, निवा., मांडल, (भीलवाड़ा-राज.)

तांव : कमला बर्मा विश्वा : टी. टी. सी. अतम-तिथ चर स्थान : 1 जुनाई सन् 1941 ई., बीकानेर (राज.) घोष्ट्रस कांग-वन्यो : चम्पापकी रचनावां : काग्य-सकतन चर पत्रां मे झुरी-मणुद्धरी युटकर कवितावां भोजस डिकाफो : राज. उ.जा. कम्या विद्यालय, भीजसर (बीकानेर-राज.)

```
नोव: क्षृत्यासास महीव (कान्ह महीव)
सिक्ता: सा. रत, प्रापु. रक, विचारद, संस्कृत-मध्यमा
बनम-तिवि चर स्थान: 20 करवरी सन्, 1927 ई. गांव-भीताला (नीसा-
धीकारेन-एज.)
मोतुस कात-प्राप्ती: प्रध्यापकी
प्रध्योगी रक्तावा: गुलवंती (1956) वरहार (1960) मक्यवंत (1969) बात
भनी दिन पायरा (1969)
```

पत्र पत्रिकाकों में द्रप्योड़ी रचनाजो : मधुमठी, श्रेतानी, जलममोम, मस्थाएी, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, प्रेरएा, <sup>1</sup> प्रमर-चमीति, जनमान, साद पत्रो में छनी

मलदारी रचनावां : मनवूत-वाणी (भनुवाद) राववंती (काश्य) सववंती (नाटक)
दूजी सूचनावां : गुणवंती भरं घरमयंक पर पंचायत-समिति नीक्षा सूं पुरस्कार मिल्या :
क्रियों में भी मलदावी रचनावां है

1 11 7

सबीव रो ठिकालो : महॉप साहित्य सदन, पो. नोवा (बीकानेर-राज.) मौजूदा ठिकाणो : मृपर मुजब

नांव : कर्मुवालास चार्या सिका: एम. ए., पोएब. की., ता. रस्त अपनेतिति प्रदार : 24 जनवरी सन् 1924 ई., कनवास (कोटा-राज.) सोबूस काय-यम्बो : सप्पत हिन्दी विमाग, हंगर महाविधालय, बोकारेर (राज.) सुखोर रक्ताम्ब : हारोजी कोली कोर शाहिल (1965) हाजोजी साहिल्य सीर स्वार (1973) जेकारी—कोल कोल

वत्र-पत्रिकावा में छप्पोड़ी रचनावां : ना. प्र. पत्रिका, मधुमती, हडोती-वासी, साध्याहिक हिन्दुस्तान घाट मे सीध सम्बन्धी लेख छप्पा

दूबी सुबनावां : 'हाहोडी सोक वाहित्य 'पर राजस्थान साहित्य सकारमी सू' 1000)
रो पुरस्कार—राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (प्रमाशमी) बीकानेर
रा सहस्य —कीच खाणां रा विच्वविद्यालय सूं मानीश निर्देशक
सरीय रो डिकाची : गीठेसर कोनोनी, नयापुरा, कोटा (राज.)
मीडग डिकाची : 4/2 विविस्त साहरण, बीकानेर (राज.)

नोव : कग्हैयालाल सहस

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत) पीएव. डो.

कनम-तिथि धर स्थान : 23 नवस्वर सन् 1911 ई., नवलगढ़ (मूं अपू-राज.) मौबुदा काम-कम्थो : सेकेंट्रो, विड्ला एज्यूकेशन ट्रस्ट, पिलाणी (मूं अपू -- राज.)

सम्पोदी पीवियां : राजस्थान के तांस्कृतिक उपास्त्रमान, राजस्थान के ऐत्यानिक प्रवाद, राजस्थानी थीर-गायायें, राजस्थानी सोक-क्यारों, राज-स्थानी कहावतें—एक सम्यान (वीध प्रवश), नदी तो कही यह, राजस्थानी सिंक कथायों के कह अस समित्रमार तिराहरें-

स्थानी कहावरों — एक प्राप्यान (शोध प्रवध), नटो तो कहो बड़, राजस्थानी लोक क्यायों के कुछ मूल प्रीप्रताय, तिहालरे-युलतान (1-2-3), द्रोपदी विनय (करुणा बहुतरो), वीर तत्वाई, पोदोली, लोक-क्यायों की प्रकश्चानं, लोक-क्यायों के कुछ मून तलु, प्रार

पत्र-वित्रकार्या में छात्पीड़ी रचनार्थाः भाषा-विष्यान, प्राक्षोचना, व्याकरण, लोह-साहित्य घर संस्थिति पर धनेक पत्रां में मनेक

रचनावां छ्वी दुवी सूचनावां : गुजराती, बंगला, मराठी भासावां रो म्यान-38 वरसां तोई कालेज रा

दूवी मुचनाथा : जुजराता, बगना, मराठा मासावा रामान-38 वरता ताह काइन पर स्वाप्त पर वर्ष वर मायां प्रमाण-8 वरता हा काइन पर मायां प्रमाण- मरामाज कि वरता है। ये प्रमाण- मरामाज विकास के वित

सरीव रो ठिकालो : सहस सदन, पिनालो, (फुॅक्ट्यू ~राज.) सीहुबा ठिकालो : मृपर मुजब नोवः कन्हैयालाल सेठिया सिक्ताः साधारण

अनम-तिथि घर स्थान : सुजानगढ (चूल-राज.)

काम-तित्व घर स्थान : सुजानगढ (पूरू-राज. मौजूदा काम-यन्यो : व्यवसाव

छत्योड़ी थोषियां: रमिणुपै रा सोरठा, मींफर, गळवित्रा (गळनीत), कूंकुं पत्र-पिकादां में छत्योड़ी रचनादां: मस्वाली, राजस्थान-मारठी झर सनेक दूती पत्रिकादां में कवितादां घर गयानीत छत्या.

संक्तन-गम्मा में कवितानां छ्यी दुशी सूचनाथां : हिन्दी में सनेक पोषियां छ्यी सबीद से डिकालो : रतन निवास, सुवानगढ ( पूक-राज॰ ). 'कोवबा डिकालो : स्पर मुजब

nta : करखीदान बारहठ

तिक्षा : एम. ए: वी. एड. जनम-तिथि सर स्थान : 1 मनस्त सन् 1925 ई॰, ऐकास्म ( श्री गंगानगर-राज॰ )

मोहूदा काम-धन्धो : प्रध्यापकी छत्योशी पोषियो : भिडियो (1963) भर-भर कंपा (1964) ककुन्तला (1967)

पत्र-पत्रिकार्यो में छप्योड़ी रचनार्याः मध्याली, ताडेवर, वातायन, मधुमती माद में रचनार्या छरी—माकासवाली सं रचनार्या

रचनावां छ्या— माकासवाली सूं रचनाव प्रसारित— संग्र-प्रन्या में मेळी करीजी मलस्यो भोषियां: गांभी वाशो (प्रयंप कास्त्र)

दूबी मुचनावा : राजस्थानी कहालियां रो संबं मर उपन्यास स्वार है—हिन्दी में कई उपन्यास घर एक कहाली-संबं खप्योड़ा है

सदीव रो ठिकालो : केफाला ( नोहर-श्रीयंगानगर-राजन ) मोहूदा ठिकालो : गरिष्ठ घष्मायक, राजन डन मान विन, मूं मुलू (राजन) नाव : कल्यास्तरिह राजावत

सिक्षा: एम. ए.

कमम-तिथि धर स्थान : 8 दिसंबर सन् 1939 ई., विताबा ( मागीर-राज० ) भौतुदा काम-घरघो : ग्रघ्यापको

द्यारेड़ी रचनावा: रामतिया मत तोड (1959-1967) बा बमीन बापशी (1965) निमम्बर (1962)

्यत-पत्रिकायां में द्राप्योड़ी रचनावां : मरवाली, वातायन, सहर, ग्रालिमा, राजस्वानी बीर, संप-शनित, मधुमती बाद में कवितारी

छपी धनध्ये रचनाची: परभावी, जुभार, प्रतिगीत

वजी सुबनावा: रेडियो पर घर चलिल भारतीय कवि-सम्मेलना में धनेक बार रकतावां से पाठ

सबीय शे ठिकाली : विवादा (मागौर-राज.)

बीजुबा डिकाको : मवानी निवेतन माध्यमिक विद्यालय, बयपुर पश्चिम (राम)

भाष 😋 चल्याल्डिह रीसायत

1 4800 "

विका: शरपारण

क्ष्मम तिबि-बार स्थान : संबद 1950 वि. बौद्रश काम-वाची र नहीं

क्य-परिकारों में ध्यायोड़ी रक्यायों : मरवाती, शाब-पर्य में कवितारों ध्यी दुवी मुख्यामा : यहाद्वरी बुटकर रकतानां है क्रीय से दिवाको : नारियात्तर (विदाय-मू मापू-साव.)

बोश्या डिकाबो : स्पर पुत्रव

```
मांव : कस्यार्णासह शेलावत
सिक्ताः एम. ए.. वी.एव.डी.
कतम-तिथि घर स्थानः 7 जुलाई सन् 1942 ई॰, खिरोड (मंभ्रणं-राज)
मौजूबा काम-याथो : प्राध्यापक, जोवपुर विश्वविद्यालय, जोवपुर
छ्त्योड़ी पोवियां : सीरां बृहत्पदावली बाग 2 (1969)
पत्र-पत्रिकावों में शुष्पोड़ी रचनावो : सरस्वती, विहार राष्ट्रभाषा परिषद् पत्रिका,
                               माजकल, मस्वासी, मन्त्रेयसा, मरमारती, परंपरा
                                बाद में राजस्थानी भासा बर साहित्य सम्बन्धी
                                लेख
रकी श्वनार्वा: मीरां बाई रै जीवनवृत्त घर पदावली पर पीएच,डी. री उपाधि
              प्राप्त-राजस्थानी साहित्य सम्मेलन रा मन्त्री-राजस्थानी भासा
               साहित्य संगम (घकादमी) बीकानेर रा सदस्य
सदीय रो ठिकालो : पो. खिरोड (मूं मणुं-राजः)
भीजवा ठिकारणे : विमला भवन, लोको र्रोनग शेड रोड, खोधपर (राज.)
नाव : करतूरचन्द कासलीवाल
 सिक्सा: एम.ए., कास्त्री, पीएच.डी.
 बनम-तिथि धर स्थान : 8 घगस्त सन् 1920 ई, सैयल (दौसा-जन्पुर)
 मीखदा काम-धन्यो : डाइरेक्टर, जैन साहित्य गोष विभाग, महाबोर भवन, जयपर
 क्षयोडी पोवियां : प्रश्चम्त चरित्र-संपादन (1960) जिल्हात चरित्र-संपादन (1966)
                  रावस्थान के जैन शास्त्र मण्डारों की ग्रन्थ सबी (भाग 1-2-3-4)
                  राजस्थान के जैन संत-व्यक्तित्व एवं कृतित्व (1967) महाकवि
                  दौलतरम कास्तीवाल-व्यक्तिस्व एव कृतिस्व (1973)
```

दोनतरण कातनीवान-यातिवाद एव हतेत्व (1973) पत्र-योवकावों में हम्पोशे स्वावतों देश री धनेक परिकामों में 150 नेहा सोष कावन्यों मेंस प्रवाद है हुवी सुबतावों : 'राजस्थान के जैन खेन-धातिका न्हें होतिका' पर भारतीय जाननीठ, नावों मूं सन् 1969 में दुस्सार मिल्लो—हिन्दो री हुवी पई पोदिशे रो संपारत करते सतीव रो तिकालों : जैन साहित्व सोष विभाग, महाबीर भवन, सवाई मानीबह हादि, ज्याद (राज-) मोजूत किसारों : पूर्वर मुख्य । नोव : मा. कार्नीतह रायत तिथा : दावी तक, बी. टी. सी., हिन्दी एडवांग, विवादद (सा. स. प्र.)

जनम-तिथि घर स्थान : 12 घनसा सन् 1912 ई. स्थाला (धन्नेर-राजः) मौजूबा काम-पथ्यो : धप्यापदी मू गेंतन द्यावोड़ी भीषियो : कानत्रो रा गीत (1951) कानत्रो रा कानला गीत (1959)

मजूर-करमां री गीत (1964), बनकावत राग रा तीन गीउ (1960), मरबा रा भीठा गीता (1962) करमा-कागरण सामीत (1964) जनगण साम सा नाम सामानिक (1969)

रा गीत (1964) पंचायत राज रा जावरसा रा गीत (1969) पत्र-पत्रिकार्य में सुध्योदी रचनार्या : मीरा साध्याहिक (सजवेर), बीर रावत (सजनेर) सर मध्यारी में क्षत्रावां स्थी-रहिस्स

मनेक वार्ता प्रसारित सल्ह्युकी रचनावी: साम्यवाद री पढ़, मावसेवादी कम्युनिस्ट वार्टी री गीठा, बनवांविक समानवाद शे पढ़, रावत गीता, विवतनामी युद्ध री पढ़ मार

भौतिक घर धनृदित रचनावां दूजी सुधनावां : अगझवत लोक काव्य रो संग्रं घर पड़ संसी में गावल रो विवेसता सबीव रो ठिकालो : टाडगड़ (भजमेर)

मौजूदा ठिकालो : धूपर मुजन

नांव : कासीराम सर्मा

सिक्का : युम. ए. (हिन्दी-संस्कृत), साहित्यरलं, साहित्यालंकार, गास्त्री, एवएवं व कनम-तिषि घर स्थान : 1 फरपरी सन् 1925 ई, रतननगर (पूक-राक.) मोक्का काम-मन्यो : सिक्का सम्प्रात्य, गारत सरकार, में प्राधिकारी स्थाओं सोविष्यो : वयनिका राव रात्रीस्कृती महेतदासोत रो विदिया व्या री नहीं (1960)

बराख्ये रचनावां : रतन यसी (कुमकर्ण सांहू) बूबी सूचनावां : रामपरिज —हिन्दी प्रत्य रो सम्पादम, कई पत्रां में मासा बर ज्योति सम्बन्धी लेख धर प्रत्यां में प्रतृताद

सबीव रो ठिकालो : विचानवन, रतननगर पूर्-राज.) मोजबा ठिकालो : ग 1.2/सेक्टर 13. रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-12 मोव : किरनचन्द माहटा

सिक्षा : एम. ए., पीएच.डी.

बनम-तिथि धर स्थान : 14 मार्च सन् 1946 ई., काळू (बीकानेर-राज.)

भौजूदा काम-घन्धो । प्राप्यापकी

छत्योड़ी पोषियां : शिवचंद्र भरतिया (1970)

पत्र-पत्रिकावों में छुप्योड़ी रचनावों : मध्वाली झोळनो, ललकार, बरदा, प्रिल्मा, वैचारिकी झाद में सोध संबंधी सेख

मलक्ष्मी रचनावाः साधुनिक राजस्थानी-साहित्य (सोध-प्रवंद) दूबी सुधनावाः राजस्थान साहित्य समिति, विसाम् (मूं प्रत्यू) रै 'सूर्यकरण पारीक धासल्' सूं 'साधुनिक राजस्थानी साहित्यकार' विसय पर निवंध पद्यो

सबीव रो ठिकासो : काळू (बोकानेर-राजः) मोमूबा ठिकामो : प्राध्यापक, सोहिया महाविद्यालय, चूरू (राजः)

भांव : किशोर कल्पनाकास्त

सिकाः सामारस

वनम-तिथि घर स्थान : सावण मुदी 10, संबन् 1987 वि., रजनगढ़ (यूब-राज.) भौजूबा काम-धन्धो : पत्र-संपादन एत्योड़ी पोर्थियो : नस्ट भीड़ (1967) स्तर्वहार--धनुवाद (1968), क'पळ धार

कृत (1968) सेनस्तीयर री बाता (1968) विश्वनाय सर्व-नारायल री बाता (1968) वक-विकास में एप्योडी रसनायां : समस्यानी घर हिन्दी रा प्रनेक पत्रा में स्वतायां

घुरती रवी है दूबी सुवनार्था: तन् 67 में साहुक राज. रिसर्व इमरीव्यूट, बीकानेर सरेठ वय-मेयन पर पुरस्कार दियो-सन् 69 में क्लकरों री पर्वत रतस्वार

. सत्तन पर पुरस्कार दिया—सन् ६९ में कलकत्त री 'मथेना 'स्तसक्रार' पर 1100) रो पुरस्कार दियो—रतनगढ रा नागरिको सार्वजनिक रूप मुंबयाया

सशीय रो ठिकाको : बराना सीव, रतनगढ़ (बूरू-राजः) मीतृता ठिकाको : सुपर सुवन शांवः केशव 'पणिक'

सिका: विशारद, रहन

स्तनम-तिथि घर स्थात : 8 नवंबर सन् 1938 ई., कवासन (वित्तीहगदु-राज-) सीजूबा काम-यन्थी : संचालक, साहित्य सायना सदन, कवासन (वित्तीहगदु)

हत्त्वोड़ी पोविया: सगळ गीत (1967), साबीड़ा सैनाल बापली (1967) यानी रा फूल-संपादन (1964)

पत्र-पित्रकार्यों में छ्य्योड़ी रचनायां: राजस्यान विकास, नवरयोति, सत्रकार हर्षे कवित साथ सनेक पत्रों में कवितायां सरी

सदीव रो ठिकालो : साहित्य साधना सदन, क्यागन (वित्तीड्वृद्गातः) मौजदा ठिकालो : 1/174 भवानीगंकर नंदशना मार्ग, क्यालन, (वित्तीड्ग्सः)

नांवः हृध्सनुमार शर्मा

लिक्षा : एव, एससी., एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत), पीएव.बी.

ब्बरम-तिथि धर स्थान : 5 फरवरी तन् 1934 ई., अयपुर (शन.)

मौबुदा काम-मन्यो : प्राप्यापकी

क्त्योड़ी योबियां : राजस्थानी लोड गाया का संस्थयन (1971) बगड़ावन सीड बाबा (1969) डोला माक रर दुहा (1968)

बन-बिबचारों में प्रत्योही रचनार्था: यनेक परिकाशों में 60 मेड़ा सेस प्रत्या है बहीब पी डिचाफो : थी. 181, बनडा कोफोनी, बयनूर (राज.)

भौजूरा ठिकाको ; हिन्दी विश्वास, उत्तपपुर दिश्यविद्यालय, उदयपुर (राजः)

मांव: कृष्णगोमाल कल्सा (कुंबर कृष्णकल्ला)

सिक्षा: एम.ए., बी.एड.

क्षतम-तिथि घर स्थान : 13 नवंबर सन् 1937 ई., मेहता (नागीर- राज.) भीजदा काम-यन्थी : सन्यापकी

पत्र-पत्रिकालों में छप्योड़ी रखनावो : प्रश्वाली घर संब्रै-प्रन्यों में झालोबना, कविता घाट

प्रत्यक्षरी रचनाचां : गोतांवळी, विद्यापति पदावनी, गीतगोवंदम्, ऋतुसहारम्, अगरलंबाम री हशादां (लंबाम रा नाम) धाद रा धनुवाद संधि-पत्र (कहाली-सर्व) भोभरको (काम्य), किरत्यां (कहालियां)

धर पोयल स पात (कहालियां) दूजी सूचनावां : हिन्दी में भी उत्पन्नात, कहाली, काम्य, एकांकी, रेडियी नाटक लियपोडा-मलिल भारतीय रेडियो नाटक होड में 'कालेजरी सीडिया'

नांव रें रेडियो नाटक पर पहुनो इनाम दिरीरयो सरीव से टिकाफो : सारख्ती सदन, घोटड निटी, विवनगढ़ (मजपेर- राज.) मोजुड़ा डिकाफो : एज. उच्च, माध्य, विचा., माखक चौक, जयपुर

नांवः कृष्णयोशास समी किसा । एम.ए. क्षत्रम-तिक्विधर स्थान । 8 जनको सन् 1944 ई., रतनगढ़ (बुस-राजः)

सीजूरा काम-वायो : प्रध्यापकी सुष्योद्दो एकपार्थ : वेटन रो मुणी—कास्य (1973) वद विज्ञारों में सुष्योद्दी रचनार्था : धोळयो, सरदाणी घर दुवा दवों में सदन्य

री रचनावां छत्ते हुशो सुबनावां : संदोजी 'सोध्डाक' रो संगारन-'मोठमो' रैसंग्रदन में

सहयोग — साहित्य बला स्वया, रतनवह रा मन्त्री सहीब से ठिकाको : बस्रतामोक, रतनवह (बुल-सब.) कोबदा ठिकासो : सदर सबक नाव : कृष्णबन्ध सर्मा सिक्षा : साहित्यवास्त्री, सा. रत्न, सा. रत्नाकर, काम्यतीर्य जनमनिषि घर स्थान : 25 नवंबर सन् 1933 है. शिक्षा (मध्यभारत) मीजूब साम-प्राथी : 24 नवंबनन यर साहित्य-सेवा पत्र-पत्रिकाची में सुप्योडी स्वनाची : सोच संबंधी सेक सुप्या है

पत्र-पात्रकाचा म छ्याझ रचनावा : साथ स्वया त्र दूनी सूचनांवा : डिंगळ गीत साहित्य पर सोच कार्य साहित्य संस्थान, जदवपुर तूं स्वरण साह्य-'सोघ पत्रिका' घर 'प्राचीन राजस्थानी गीत' र वण्डन में सहयोग-राजस्थानी रो आरण वैद्याविक प्रस्थान-राजीत विरिधों

रो ग्यान सबीब रो ठिकाणो : किसनदासजी रो बाग, बेगू (चित्तीड़-राज.) मौजबा ठिकाणो : मटियाणी चीहटो, उदयपर (राज.)

नांव : कृष्णांबहारी सहस सिता : एम.ए., पीएच. डी. सनस-तिथि घर स्थान : 15 जुनाई सन् 1939 ई., नवनगढ़ (कृं फणूं-राव.) मीजूब सावस्थाने : प्राध्यापकी सन्योद्धी मोपियां : डोजा मार् रा दूहा—एक विपेचन (1964) पत्र-पत्रिकासों में सुम्योदी स्थायां : नागरी अ. पत्रिका, स्वस्ती, रंगायन, सह बास्ती, सार सनेक एमां में शुरू सम्बन्धी सेस

समाप्तरी पोषियां : राजस्यानी लोह गायाएं, राजस्यानी लोह गाया-(स्तृत्य भीर विवेचन) प्राजस्यानी सोह खाईदर, राजस्यानी सोह कथाएं , दूबी सुचनार्वा: राजस्यानी सोह गायाएं सोर निहालई सुवतानं नार्वर ही होण प्रवंच पर पोएच-डी. री जागिर-एम. ए. से प्रथम ब्हेशी में प्रथम सार्य मुं होने री तकसी-हिन्से री कई वीत्यां छात्री हैं 'बानरं साहित्र से संशस्त्र राज-दुक्टर 'विकार से स्वान्त रो संवान

सबीब से डिकासो । सहल सदन, पिसासी (कू मन्यू राजः) मोजूबा डिकामो : प्राध्यापक, राजकीय कालेज, सीकर (राजः) नांव : स्वीपराज 'प्रदोप'

मिला : टी. डी. सी., साहित्य संवाकर

क्षतम-तिथि बार स्थान : 26 बन्दूबर सन् 1935 ई., जहाेल ( बाइमेर-राजः )

छुत्योडी योषियां : जमाने रो हेलो (1965), पारसमस्रो (1972)

धणळपी रचनावां: बगत री बात

दुजी मुखनानां : साहित्य ग्रकादमी, जालोर रा मंत्री रया घर भाकासवासी सुं रचनानो प्रधारित करी

सदीव रो ठिकारहो : प्रदीप गळी, ( जसील स्टेशन बालोतरा-बाड़मेर-राज. ) मौजुदा ठिकाणी : सुपर मुजब

शीव: गजानन वर्मा

सिक्षा : मैदिक, साहित्यरल

जनम-तिथि धर स्थान : 23 मई सन् 1927 ई., रतनगढ (चूरू-राज.) भीजदा काम-घन्धो : संस्किति संगम लि. मर थिएला श्रकादमी झाँफ गार्ट एण्ड कल्चर, कलकत्ता रा प्रधिकारी

छुप्योड़ी पोबियां : घरती शी धून, सोनी निपर्व रेत मे, बारहमासा- कदितावां रा सर्व

पत्र-पत्रिकार्था में ध्रम्योदी रचनार्थाः धर्मगुग, हिन्दुस्तान, धंगजा, मन्दास्री, स्रोद्धमी धाद पत्रां में शरी धलख्वी रचनावो : समरसिंह राठौड़ (नाटक), हरस धर जीएा (नाटक), सत्तर सान

बहत्तर उमराब (निरत नाटक), मीरांबाई (निरत नाटक) बुजी सूचनावा : राजस्यान साहित्य धकादमी, उदयपुर धर मारत सरकार स

पुरित्कत-भीरा पर फिल्म बलाली री बीजना चानू-देस रा प्रक्षित भारतीय मंत्रां पर कविता-पाठ

सबीव रो ठिकालो : चित्रकला मवन, रतनगढ (चूर-राजः)

भौजदा ठिकारणो : सस्किति संगम लि., 1 मैंगो क्षेत्र, कलकत्ता-1

नांवः गण्यतलास होगी सिद्धाः साधारग

जनम-तिथि बर स्थान : मादवा सुदी 4, सबत् 1977 ई., जोधपुर मौजूबा काम-धंधी : बाकासवासी-सेवा

भाजून काम-चया : माकासवासा-सवा सम्मोडो रचनावां : सर्वे सूरमा माज जी (1966), गढ गीत-संपादन (1967) मालस्वी रचनावां ! सर्वेक सारक प्रकारी स्वेतनीय के स्वार

मणुष्यो रचनावां : मनेक नाटक, एकांकी, लोकगीतां री ढाळ पर बखायोग गीत माद

दूजी सुजनानों : मंच पर धामनय, गीत धार रो धनुमन-ताटक कंपनियां घर किस्मां में काम कर्यो-राजस्थान में नाच-गार्ग धर धामनय रा दिसावा करता रेवे-धनेक दुरस्कार, सनमान, उपाधियां बार टकमा मिल्योग़ है-सद्योग, मूजिक सास्टर मोलागंकर, धाहना की ज्योठि, प्रयक्तियस बार हिल्दी शोधियां हथाओडी

सबीव रो ठिकाणो : मोची घाटी, गजानन्द चीक, जोषपुर (राज.) मौजुदा ठिकाणो : माकासवाली, जयपुर (राज.)

नांद : गंगादास सिक्षा : दवर्षी तक-ट्रॅड बनम-तिर्षि घर स्थान : 1 जून सन् 1948 ई., श्रीडानेर (राज-) मोजूरा काम-यन्यो : राजध्या वत्र-पित्रडावां में ध्रम्योदी रचनावां : चलममोग, घोळमो, राजस्थानी बीर धाद वर्ष में कवितावां छुपो

सबीव रो ठिकालो : प्रेमसुल सहमीचन्द सेवग, मुधाड़ा भोजकां रो मोहत्सी, बीकानेट (राज.)

मौजूदा ठिकाको : धूनर मुजव

नांवः गंगाप्रसाद शास्त्री

सिदाः साहित्यशास्त्री, साहित्यरल

खनम-तिथि धर स्थान: 15 ग्रावस्त सन् 1933 ई., रामगढ सेसावाटी (सीकर-राव.) भौजूदा काम-ध्ययो : क्योपार, ग्रावसारनवीसी '' पज-पत्रिकावों में प्रत्योदी रखनावों : क्रिस्टबात वेविक, मदमारती, काव्य-रिक्स घाट

पत्रांमे छपी

हुको सुचनावां: 'परती रो कोवन' गांव हुं कवितानवं रवार है--धाकासवाही मूं कवितास प्रसारित करी--सम्पद्धत नाव रे व्यवं रा सपारक--राजस्वानी कवितानाड स्रोतर मनेक जगों सनमान वायो सरोव रो टिकाफी: श्रीसदन, रामगढ शेलाबाटी (श्रीकर-राज,)

मौजूबा विकासो : भूपर मुजब

नांव : तानसिंह चौहान सिका : एम. ए. (हिन्दी), बी. एड.

वनम-तिथि घर स्थान : 3 मार्च सन् 1935 ई., गांव पालरां, पो. कालादेह (उदयपुर-राज.)

(उदयपुरन्सात्र. भौजूश काम-यन्धो : बच्यापकी

एत-पत्रिकार्या में स्ट्योड़ी रखनावां : मधुमती, राजस्यान-विकास, महतास्त्री में ; -कवितावां खरी

सदीव रो ठिकास्पो : गांव पासरां, पो. कालादेह (उदवपूर-राज.) भौजूदा ठिकामो : गांव पोस्ट-टाइगड (भ्रजमेर-राज.) नोर : विशिक्षांकर कराय्याव गीनरीत' तित्ता : वाहित्यधारणी, नैवहिन्तारर बनवर्नर्नित धर रचान : व्यक्तिक पूरी 7 तत्त 1973 हि , हू वस्तूर (राट.) धोनुस बाव-पाची : प्रत्यानी-कर्वहारी धारायाची रचनाची : वेरी वा कटियान (बावडी-ट्रियी)---वाहडी मुसारा-नाही

लोड-क्याका बुको सुक्ताका : बागड प्रदेश साहित्य परिचार का व्याविकारी सदीव को डिकामो : बांटी, प्र'नक्युर (काज.)

मौत्रका टिकाली : मृगर गुत्रव

नांव : गिरिवरहार्शात् (गिरिवर गोपान समवरी) विता : प्व. ए. (हिन्दी), विचापुषण समस्तिषि सर स्वान : 26 बुमाई सन् 1928 ई., नुबूकी (सनवर-राजः) सोजहा क्षान-पाणी ! सम्बायकी

पत्र-पत्रिकारों में धन्योही रचनावों : बात री वात (एकाकी), बारियो (रेसा विव रो संब ), पादस रो गाही (मादरमक निवंध रो संब ),

बुओ सूचनावां : हिन्दी साहित्य परिषद, भनवर भर एकांतिक काव्य संबं, धनवर हुं संबंध राखें---हिन्दी रचनावां भी करें

सबीव से ठिकाणी : गांव गूजूकी, पो. सातपुर जाट (प्रतवर-राज.)
गौजदा ठिकाणी : मूपर मुजव

नांव : वॉडाराम वर्मा

सिक्षाः बी. ए.

जनम-तिथि घर स्थान : 25 मर्जन 1922 ई., मंडावा (कुंम.णू-राज.)

मौजूबा काम-धन्यो : मध्यापकी छुत्योड्री पोवियां : राजस्थान के लोक-नृत्य, लोकोत्सव, लोक-नाटय, लोकानुरंजन,

लोक-सगीत--नावा री ग्यारी-ग्यारी पोथिया

प्रगत्नवो रचनावां : कवितावा, गत-गीत घर फुटकर निदंध द्वाट हिन्दी-राजस्यानी में दत्री सुचनावां : देवीलाल सामर रै सायै लोक-कला महल में पत्र-सपादन भर दुवी

हिन्दी पत्र-पत्रिकावा रो संपादन सदीव रो ठिकाणी : मंडावा (मूं भ्राणु-राजः)

भौद्रदा ठिकाणो : रामगढ रेखावाटी (सीकर-राजः)

तांव : गुताबयन विवांत, 'बध्यत'
तिताः की. ए, विवारत, विवांता माटेवरी
क्षतम-तिर्दि सर रचान : 12 जुवाई बन्द 1931 ई., सरसरसहर (दृष-राज.)
सीहर काम-वांदी : प्रधारकी
स्थानी पीरिवां : साथा नाळजुनीला (1967)
वय-निकाश में सुध्योदो रचनावां : सुप्तती, सोळजो, साटेबर, नाल-मारती, स्थितः,
साध्यादिक हिन्दुस्तान सार वच्चे मे सूधी
मूडी सुचनावां : हिन्दी रो कर्द बालोप्योदो सोटे थोरिया सुधार्म
सादी रो डिकाफो : हुमहुम स्वस्तान पुर, विकाल-कृष्त, सरसारसहर (पूक-राज.)
सीहर डिकाफो : मुपर दुदस

नांव ः गोपालसिंह राजावत

सिक्षा : एम.ए., साहित्यरतन जनम-तिथि घर स्थान : 1 जनशरी सन् 1944 ई., गांव मोहब्बतपुरा

(नरहरिगढ़-जयपुर)

मौजूदा काम-धन्धो : राज-सेवा

खप्योड़ी पोषियां : छीजए (कविता सर्थ-1970) यत्र पत्रिकावां में छप्योड़ी रचनावां : परस्परा, ब्रासोक, राजस्थान-भारती में छुटकर

रचनावां हुयी

दूबी सुबनावां : पीएव. डी. खातर सोध करें सबीय री ठिकाणी : यांव मोहब्बतपुरा, पो. वित्तोह-रेनवाल (जयपुर राज.) भौडदा ठिकाणी : मुपर मुजब

भांव: गोरपर्नातह सेलाबत तिलत: एम.ए, गीएज.डो. जनम्-तिरि बद्दस्यान: हत् 1943 ई. हुड़ी (फूंफ्यू राव.) भोजबा काम-पायी: प्राप्यापठी

साजूबा कान-पत्यः : जार-पत्यः छुप्योड्डी पोषियां : किरकर (कविता-संप्रै)

पत्र-पत्रिष्टावों में छप्योद्देशे रचनावां : मधुमती, वातायन, मस्वाली, मोळमी, वालकारी, साहेतर, जनममीम, मस्मारती,

संय शक्ति बाद पत्रों में छती

कृती सुबनाचा : एम ए. में सीने रो तहमी मिल्यों - कई माण्यशी रचनावां परी है-'टथायन' सांव मूं पति हा रो संपादन करवो

सरोव से ठिकालो : गांव-पी. गुडो (मूं म्हणू-राज.) ं भौतूरा ठिकालो : तोदी कॉलेब, सडम्प्रागढ़ (शीकर-राज)

मोव : गोबद्धं न शर्मा सिक्का : एस.ए., धोएच.डो., साहित्यरत्न

स्वता - पुत्रस्य प्रत्याचा राज्याची स्वता । 1927 ई. गांव-कटाळिया (मारवाइ-राज.) सोनूबा काम-पम्पो : प्रोक्षेतर ब्रद्ध प्रत्यात कालेज, शहनदाबार (गुजरात) सप्योडी पोषियां : राजस्याती कवि-(1956-57 भाग 1-2), दिगल साहित्य (धोय

ग्रन्य—1965) राजस्थानी साहित्य के ज्योतिष्युंज (1967) पत्र-पत्रिकार्ता में स्ट्रप्योड़ी रचनार्थाः ना. प्र. पत्रिका, सम्मेलन पत्रिका, साहित्य

पत्र-पत्रिकार्या में छत्त्योड़ी रचनार्याः ना. प्र. पत्रिका, सम्मेलन पत्रिका, साहित्य संदेश, नई कहानियां, समेयुग, सा. हिन्दुस्तान, नकभारत टाइम्झ, महुवाणी साद पत्री में घणी

रचनावां हिन्दी-राजस्थानी में खरी प्रकृद्धको रचनावां : माधोदास ग्रंभावती, प्राधीन राजस्थानी दोहे साहित री रेसा, सिलनारी, रपाळी, फलकौ

विश्वारा, रूपका, रूपका वृत्री सूचनावां : हिन्दी में सीन-च्यार पोषियां छ्यी - घनेक सर्व-मन्या में छोव निवंच घर दजा लेख छुट्या --- चत्तरप्रदेश राज्य घर साहित्य प्रकादमी,

उदयपुर सू पूरिकत सबीव से ठिकालो : 1. हिन्दी विमान, गुजरात कॉलेज, महमदाबाद 2. एल. 11 गुलबाई टेकरा पलैट्स, समिबानय करें महमदाबाद-6

मीजूदा ठिकासो : घूपर मुजब

नाव : गोबिग्द धप्रवाळ

कतम-विवि घर स्पान : भादवा बदी 9, सम्बत् 1979 वि., पुरु (राज.) मीडवा काम-पन्धो : लेखन

छायोड्डी पोषियां : राजस्यानी लोक-कथायें (भाग 1-2)

पत्र-पत्रिकार्यो में द्वाचोड़ी रखनार्यो : राजस्थान रें इतिहास, संस्कृति घर साहित्य सर्वेषी मणी रचनार्यो नाकजादीक एव-पत्रिकार्यो

में सूत्री दुवो मुबनावी : हिन्दी री वर्द पेपिया एती — राजस्थानी पोधवा-देखर का सोरटा सर 'याता ही चार्च' री संगरत कर्यो —पूर संदेख री सेप्यूस्त रिविद्वास स्वार कर्यो —नगरसी, पूरु रा संवासक सर मस्बी

राज्यात पार पर्यान्ताराया, पुरु स सवासक धर मरुसी नांद सी तिमादी पत्रिका स सवादक—धनेक धरायसी रचनायां

सबीव रो ठिकाएं। : श्रोक संस्कृति गोध संस्थान, नगरधी, चूरू (राजः.) भौजूबा ठिकाएं। : मूपर मुजब नाव: वोविश्मात मापर

विशा: एम, ए., एमएस, बी.

वनम-तिथि घर श्यान : 25 जुनाई छन् 1914 ई, बोयपुर (राज-)

भौजुदा काम-यन्थो : राज-छेदा (प्राप्यापक) रा पॅननर

स्प्योही वीवियां : सतरंविली-एकांकी संग्रं (1954) रामराज्य प्रवता पंता राज्य (1964) हितोपदेश (1968) सेक्नपीयर री काहि

(1964) पंचरंत्र-माग 2 (1955) यत्र-पत्रिकायां में दान्योड़ी रचनावां : मधुमती, विन्दुं, मॉडर्न रिस्नू, बिरर, की ६वेग्ट्स, स्वराज्य भार पत्र पत्रिकावों में छपी

द्या हो रचनावां : कई वहासियां घर एकांकी त्यार है ज्यारी कई पीयियां । सर्व है

सदीव रो ठिकालो : 828, चौरासली रोह, जोवपुर मौजदा ठिकालो : सपर मुजद

नांद : चन्द्रदान चारए

सिक्षाः एमः ए., साहित्य रतन बनम-तिथि बरस्थान : 28 जुलाई सन् 1924 ई०, पुर्दू (राज०) मीजुदा काम-धम्धो : प्रावार्य, मारतीय विद्यामंदिर, बीकानेर ब्राम्ह्यूपी पोथियां : गोगाओं चौहान री राजस्थानी गाया (1962), सन्नितः

संप्रदाय (1964) पत्र-पत्रिकावां में छुप्योड़ी रचनावां : शोध पत्रिका, राजस्थान मारती, मह भारती

वरदा, साप्ताहिक हिन्दुस्तान भाद पत्रों में सं दुजी सुचनार्वी : राजस्थान साहित्य धकादमी, उदयपुर घर घ० भा० औड़ शिया हंग दिस्ती रा मदस्य

सबीव रो ठिकालो : थी करलो मंदिर, चूरू (राज.)

धौजुदा ठिकानो : ,मारतीय विद्या मन्दिर, बीकानेर (राजस्थान)

नांव: छुगनमल सर्मा सिका: सामारण

क्षनम-तिथि ग्रर स्पान : भादवा बदी 9 संयत 1972 वि., गांव साळियां

(पूर्~राज०)

मौदूदा काम-घन्धोः निजी सेवा

द्यप्योदी घोषियां : मऱोखो, वि. संवत 2026

दूजी सूचनावाः पत्रा घर संधी-प्रन्यां में कवित।वां छ्वी

सदीव रो ठिकाणो : छगनमल गोरीसकर शर्मा, पो. छापर (चूरू-राज०)

मौजूदा ठिकाएो : मूपर मुजब

नोव : छत्रपतिसिह

सिकाः बी.ए. (हिन्दी घॉनसं)

जनम-तिथि धर स्थान : 6 जून सन् 1925 ई, बीकानेर

मोजूबा काम-मन्यो : राज-सेवा एत्योडी योचियो : धसफस रात (हिन्दी उपन्यास---1963)

एत्याका पाषवा : धतफल रात (हिन्दा उपन्यास—1963) पत्र-पत्रिकावों में एत्योड़ी रचनावों : 'प्रिएमा' घाद पत्रिकावों में फटकर हिन्दी

भारतमा भाद पात्रकावा म फुटकर हि। कहारियमं भर उपन्यासा राधांस

धराष्ट्री रचनावा : विरसक् (राज्स्यानी चपन्यास)

दुओ जागकारी : हिन्दी धर राजस्थानी में तिक्योड़ा उपन्यास-धनावृत, प्रक्षिती क्यारिया, दुर्ग, पूर्व संध्या, प्रसिद्धतक्षीत

सदीव रो ठिकालो : वे-6, घादर्शनगर मार्ग, जयपुर

भीजूबा ठिकालो : भूपर मुजन

नांव : अगदीशचन्द्र शर्मा :

सिक्षा : एम.ए., बी.एड. (लेंग्वेजेज)

जनम-तिथि बर स्थान : बैसाख बदी 4 संवत् 1995 वि. गांव-वित्रृंड (उदयपुर) मौजूदा काम-यंथी : बध्यापकी

01177

मौजूदा काम-घंधी : यध्यापकी पत्र-पत्रिकावां में छप्पोडी रचनानां : धर

पत्र-पत्रिकावों में छप्योड़ी रचनानां : घली कवितावों, कहालियों, लेख, एकाँकी मेंदैक पत्री में छप्या

दूबी सुबनावां : सहकार विसय रो कविता रो पुरस्कार सन् 59 घर 60 रो सरकारी होड में मिल्यो-प्रानासवाली सुं रचनावां सुखाई-प्यायां सी मनती बाबत राज्य स्तर रो पैसडी इनाम मिल्यो

सदीव रो ठिकासी : यो. गिलूंड (उदवपुर—राजस्यान) सदीव रो ठिकासी : मुपर मुजव

नार्वा : जवदीशर्चंद्र शर्मा तिक्षा : थी.ए.

खनम-तिथि झर स्यान : 20 जून छन् 1939 ई॰ रतनगढ़ (बुदु राजः) भौजदा काम-पंची : बीमा एजेंडी, प्रश्वरानगीमी

पत्र-पत्रिकावां में छप्योगो रचनावां : पुटकर कवितावां, पहाणियां छंतीं दें दुवो मुक्तावां : शास्त्रवानी माछा रें हिलों तांव रें छाप रो संग्रदन कर्यो, प्रयंत्री

रैं 'मोहताक' घर हिन्दी हैं 'संपर्व' रा संवादक स्वा ससीब रो ठिलाको : रतनवाई (कुर राज•)

संबंद शे ठिकाला : रतनगढ़ (बुटू राम०) मौजूश ठिकाला : सुरह मुख्य मांव : जयसिंह चीहान 'जोड्री'

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी), बी. एड., साहित्यरत्न

कतम-तिथि धर स्थात : 10 मई 1930 ई॰, मींटर (उदयपुर-राज॰)

मौतुश काम-चन्थो : प्रध्यापकी

पत्र-पत्रिकावों में क्ष्म्योड़ी रचनावां : करस्वती, मरुवाली, हरावळ, मधुमती, राज-स्थान-विकास धाद पत्रों में छरी

दूत्री सुचनायां : प्रतेक संवै-प्रत्यां में कवितावां घर दूसरी रचनावां छपी-साहित्य धकादधी, उदयपुर सुं सम्बन्ध राखे

सदीव री ठिकाशो : मींडर (उदयपूर-राज.)

मौजूदा ठिडालो : लीहरी वनत पतु-चिनिहरवालय र कर्न, पो. कानीड़ (उदयपुर-राजस्यान)

मांव : जुगलसिंह स्तीची

विकाः एम., ए. बार. एट. साँ (लंदन), डिप्लोमा रशिका सास्त्र तथा मनोविज्ञान-संदन) विद्यावारिथि

खनम तिथि धर स्थान : 15 सितंबर 1895 ई., बीकानेर (राज.)

मीज्दा काम-धंघो : वकालत

पत्र-पत्रिकार्यों में छुरवीड़ी रचनार्था: सरस्वती, मरुवाली, मधुमती, सप्ताहिक हिन्दु-

दूती सुबनावां: फुटकर करितावां सल्यायो पड़ी है-बस-जनून नांव मूं 1959 में पुत्रक प्यापार्ड-वीकारेट में सिता विमान रानिदेशक रेवा-बीकारेट रियासत टेब्बत में 'बंगळ मंचळ देव' नांव से बाप से गीत लावां नोगां दें नंज रच्यो

सदीव रो ठिकालो : श्रीची सदन, यजनेर रोड़, बीकानेर मीज दा ठिकालो : धार प्रजब

41

माँव : जगदीस मायुर 'हमल' सिवा : साहित्यभूपण

जनम-तिथि घर स्थान : 15 सगस्त सन् 1931 €., लोघपुर (राव•)

मीत्रदा काम-यन्थी : राज-सेवा

ध्रयोड़ी पोषियां : 1. जीलमाता (1968) 2. राजस्थान के कहानीकार (संपारन--

1958) 3. सोदी नामी के गुडार्च (संपादन-1962) पत्र-पत्रकायां में छत्योड़ी रचनावां : हिन्दुस्तान साप्ताहिक, मध्रमती, मध्वासी,

राजस्यान मारती, महमारती, शोध-पतिहा, धाद पत्रां में सपी

बुजी सुबनावो : 'लोक सम्पर्क' नोव रै मासिक पत्र रा सम्पादक—प्रशाख्यो बहाएी-संबं धर 'जीवांसा हो फैर मिलांला' नांव रो एक उपन्यास

लिस्योडो है

सबीव रो ठिकालो : 162,/डी सड़क, सरदारपुरी, जीवपुर (राज-) भौजुदा ठिकालो : एक 165, गांधीनगर, जपपुर-4

नांव : जगदीशांसह सिशोदिया 'स्नेही' सिक्षा : इन्टरमीजिएट (कला) जनम-तिथि घर स्थान : 2-9-1945 ई., मंडोर (जोयपुर-राज.) मौजुदा काम-धन्धो : ग्रामसेवक छप्योडी पोवियां : विद्योह (कविता-संग-1970 ई०) पत्र-पत्रिकावां में एप्योडी रचनावां : कोई हेड़ सी नेड़ी कविठावां. कहालियां, सेह माद छप्या है

सदीव रो ठिकालो : बड़ो बेरो, मंहीर (जोपपुर--राज.) मौजूबा ठिकासो : धुपर मुजब

भांव : खररप्रसी सम्पर सिक्षा : प्राज

सनम-लिकि झर स्थान : पिगसर बदी 5, संयत 1981 विक, गंगाशहर (बीकानेर-राज.)

भौजरा शाब-घायो : राज-सेवा

पत्र-पत्रिकावां में खप्योड़ी रचनावां : मोळमी, जायती जीत, धरावली घर म्हारी देव में धरी

सदीव को दिकाणो : एसविटक सबस्टेशन र कर्ने, गंगाशहर (बीकानेर-राज.) मौडवा विकाशो । प्रपर मुख्य

मांव : जयसंकर देवरांकर शर्मा feren : defamite

जनम-तिथि धर स्थान : 21 नवाबर छन् 1904 ई., हैदराबाद (स्रोध प्रदेश)

मीतृदा काम-पग्यो : वंशक

द्यापोडी पोधियां : प्रष्टति से वर्षा तान (2 भाग-संबन् 2026 वि.) यत-वित्रशाबां में धायोशी रचनावां : मर्वाएी, राजस्यान मारती, विश्वंगरा

बर्तमान, रोनानी, बाद पत्रा में बहारियां, मेश

बाद रचनावां सुरी

दुवी सुवनावी : गुत्रराती सुंधनुवाद करें सदीय शे दिकालो : राजरपान महिला विकित्सालय, सोनविती बार्त थीशनेर (राष.)

भीवता ठिकाची : मपर महब

माव : सहतींसह भटनागर विकार : वार्टस्कान अरह-प

सिसा: हाईस्कूल, उरदू-फारसी-वज-मंत्रेजो सो ज्ञान

जनम-तिथि घर स्थान : 1-4-1911 ई. उदयपुर (राज.) मौजूबा काम-घन्यो : राज सेवा रा पेंसनर

पत्र-पत्रिकार्यां में छत्मोड़ी रचनावां : सुकति, प्रताप, नवजीवन, राजस्पान भाद पत्रां में स्मी

क्षी सूचनायों : महाराखा उदयपुर रे हुक्त मूं राष्ट्रपति हाँ॰ राजेन्द्रयताव में कविता सुखाई प्रधानमवाखी पर कवितायो मुखाई 1. वंतिय ज्योति 2. सदयनारायण को क्या मांव रो पोषियों प्रर क्षी-प्रध

छ्यी धनेक रचनावां पड़ी है सबीव रो टिकाणी : नानी गळी, उदयपर (राज.)

मीजुदा ठिकाणी : भूपर मुजय

मांव : तेमतिह घोषा सिक्षा : एम.ए. (हिन्दी), सोप छात्र

कनम-तिथि झर स्थान : 7 जुनाई सन् 1950 ई., रखसीसर (नागीर-राज.) भीतुदा बाय-वायो : सीथ झान सप्योडी योधियां : 1,भीळुं रो घोळ्यां (शाय) 2. राजस्वानी---एड (सम्यादन)

3. बीठ 1-2 (सम्पादन) 4. हेमांची (सम्पादन) बच-विज्ञानों में सप्योही देवनायों : महुबाली, समझार, हरावळ, राज्ञध्यान-भारती, साद पत्री में सपी

हरोब रो टिकारो : गांव-मोस्ट-रणकोवर, तहसीन बीववाणी, नागीर (राज.) बीवुरा टिकासो : मधान नंबर 40, पृत्तीनुरो, रसामा रोड, बोबपुर (राज.) शंब : त्रिलीक गोवल

सिला: एम. ए. (हिन्दी), प्रमादर, माई जी. डी. (बन्दई,-विवदशा हिन्दीमा)

सनम-तिथि-घर स्थान : 28 वनक्री 1932, ई. अनमर (राज.)

मीबूश काम-यायो-प्रध्यापनी

द्यापीकी रचनावाः मगतारी (1965)

वन्न-पत्रिकार्यो में द्वायोड़ी रवनार्याः सनेक यत्री में सर संबी-प्राणी में द्वारी समाद्विती रवनार्थाः राजस्थानी विशिवार्या मर्ग नाटक बडी वादाद में मरा सुस्या

पहुमा है

पड़्या ह दूची गुचनावां : हिन्दी में एवां शे दी एक योगी द्विती तथा दूवी वई विवादां सी योदियां शवाती है

सहीय दो दिवाको : सहरोत नगर (प्रमात सिनेमा), सबसेर (राज.) मौद्यहा टिकाको : सपर सबब

नोव : जिलोच सर्मा

विकाः बाहारत

सनमं निवि घर स्थान : 23 निजन्दर सन् 1933 ई॰, धीडू वरगड़ा(इरू)

भौरुषा काम-माची : व्योकार

वच-विकास में द्वारे रचकानां : कोश्यात, सर्वयान, राज्ञावान शिरोरंग, मश्याही चार वची में घर - मशासी में वास्य-वीडी में राज्ञाचारी विकास स्वरी

करीय रो दिवाको : यो क्यो हु वरशह (बुद्र-राजः)

भौरूस क्रिकालो : मूपर बुजब

मोव : बनवस्ती कद्यवाहाः सिताः एम. ए. जनम-निर्ण घर स्थान : —जीयपुर मौजूता काम-पयो : पाश्चासवाशी में हिक्टराहटर पत्र-पत्रिकावां में द्वयोदी रचनावां : नवसारत टाइम्स, राष्ट्रदूत, सप-वसित मार पत्र-पत्रिकावां में द्वयोदी रचनावां : नवसारत टाइम्स, राष्ट्रदूत, सप-वसित मार

सदीव रो ठिकाणी । पोस्ट वाश्स नंबर 4, ओघपुर (राज०) मोजवा ठिकाणी : माकासवाली, जयपर

नाव: सामश्री वर्मा (गूनर) विशा: सागारण, ठीराके में हिस्तीमा, मल्तविद्या विमारद जनम-तिथि घर स्थान: मंगीतर सुदी 1, संवत् 1967 दि., काडरीती (उदलुर राक) भीद्रुदा काम-यंथी: गैयानत स्वीमिंग कोच एत्योड़ी घोषियो: दाय सववर्ष पूजी सुवनावो: च्यार पीविद्या रा समुवद कर्यीड़ा है—दुनारेताल मार्गव रन पदक मिन्योड़ी है

सबीय से ठिकाणो : कांकरोली (पाळ पर) (डदयपुर--राजः) मीहृदा ठिकाणो : वाई- एम. सी. ए., रेन स्ट्रीट, माईलास, यम्बई 8 भाव : दामोदरप्रसाद

सिक्षाः एम.ए., थी.एड.

जनम-तिथि घर स्थान : 8 मई सन् 1938 ई., सीकर (राज.)

मौजूदा काम-धन्यो : ग्रष्यापकी

छपोड़ी पोषियां : प्रेतात्मा री प्रीत (कहाणी-संग्रे- 1973)

ख्याड़ा पाद्या : प्रतातमा रा प्रात (कहाणा-सप्र- 1973) पत्र-पत्रिकावां में द्वयोड़ी रचनातां : गर्वाणी, मधुमती, जलममीम, लाडेसर,

> मूमल, जागती जीठ, घोळमो घाद पत्रां में एकांकी, निबंध छुप्या

सबीव रो ठिकारो : बळवारियां री गळी, नयो सहर, सीकर (राज.)

मौजूदा ठिकालो : सूपर मुजब

नांव ! दामीवरताल शर्मा

सिक्षा : एम, ए., पीएच. डी., बी. लिख. एससी., जमेंत घर फॉच मासावां रा एक बरस रा प्रमाण पत्र निया, मासा-विज्ञान री प्रमाण-पत्र मी नियो

जनम-तिथि घर स्थान : 5 मार्च छन 1939 ई., श्रीमहाबीरजी

(सवाई माथोपुर—राज.) पत्र-रतिकार्या में छुप्योड़ी रचनार्था : स्थाल, लोकगीत, नाय पंप-परम्परा, सांगुरिया,

राजस्थानी जैन साहित्य में स्वरातुकम सर दूजा भारत-विज्ञान सर स्थाकरण रा विस्तयां पर

निदम्भ छप्या

दूधी सुवनायां : राजस्यानी भासा रो खड्मव घर विकास-पर सोध प्रबंध तिस्यो—राजस्यानी रे भासा वैज्ञानिक घर सुसनात्मक मध्ययन में राज रासे

सबीव रो ठिडारोो । बीमहाबीरजी (सवाई मापोपुर -- राज.) मौबूबा ठिडाणो : बी. टी. टी. कालेज, सरदारणहुर (पूर्-राज.) नांव : दिनेता निम्म (बीनदयास 'दिनेता' मिम्म) विक्रा : वैद्यमुग्या, देव-नेन-ताल्य मास्त्री खनम-विद्या सरस्यान : मार्च 1917 ई., बवाई (वेतड़ी-मूं ऋणु-सात्रः) भोजुदा काम-पन्यो : वैष्णुक

द्ययोडी पोमियां : बारत-सूर्यं (1965) पय-पित्रदार्था में हायोडी रचनार्था : सरमारन टाइस्स सरकार्थी, पालमी स

पव-पत्रिकार्था में छत्योड़ी रचनावर्राः नवमारत टाइम्स, सरुवाली, प्राळमी, सारे हर समर-ज्योति, राजस्याती सीर, सार पत्री में

समस्ययातः राजस्यातः पारः आर पनः न करितायां माद छ्वी बुबो सुचनार्वाः हिन्दी-मराठी में कई पीमियां छ्वी-न्मीदिया रे साहित्य मंडल

तूना प्रचाना : हिन्दान्मराज स कई पामिना छुत्रा-नगादना र साहत्य सबस रा संस्वायक सर मू० पू० सम्बद्ध, सब उपाध्यक्ष -- राजस्थानी नाना रे बचार-प्रयार रह संशोकक

सबीव री टिकाली: गोंदिया (मण्डारा-महाराष्ट्र) मौनुदा टिकाली: ग्रंपर मुजन

मांव : बीनश्वास धोभा

नाव : दंजदवाल ग्राम

हिला : प्रमाकर (पंत्राव विश्वविद्यालय), साहित्यरल, राजनीतिरल (हि. सा. स. प्रयाग)

(ह. सा. स. प्रवान) सनम-तिवि धर स्थान : कांत्रिक बंदी 10, संबन् 1986 वि., जैसलमेर (शक्)

सीहुदा रूप-वन्यो : राजनेदा दूरवोड़ी पेवियो : 1. वनपुरीय संत भीर उनकी बाखी 2. राजस्यानी संत सुपा-नार

3. भारत रा तिमांता (मान-1) 4. छोटी सूमर मोटा काम 5. देव रा गोरव 6. रहमछी संगळ (संगादत) 7. राजस्थात

5. देस रा गौरन 6. गुरुमणी मंगळ (गंपादन) 7. राजस्थान ने नहानीसार-राजस्थानी (भाग-2 स्वशादन) 8 सत कवि पीग

 राजस्थानी कर्वायिकारी 10, राजस्थान का वायतिक पर्व —गरागीर वय-विकास में स्थापीती राजनाती : शिरी-राजस्थानी सी मनेक विकास में

वय-नाजकाया में कृत्याका रचनाया : १४ वन पन पन पन पन पन मनेक साहित्यक रचनाया कृती हुडी मुक्तावा : साहुव राजक्यानी रितर्ष हम्मीट्यूट, बीकानेर घर हिन्दी

हुवा मुक्ताचा : वाहुव राजवाना । १८०० ६८० मृह्य । विश्ववाहर्गा, बीवानेद रा महान-हिन्दी दी कर्द वीचियां भी द्वार्गी —पाडाल्यांगी मृह महेव रचनाचां बराईश्व करोच सो दिवालो : केम्य वाही, जैनमनेद (राज.)

बोहुरा दिकाहो : दिलाहियां से भीड, बेक्टोर (शवन्यात)

र्मावः सीनदयास 'कुरेबन' दिस्ताः सी. कॉम, साहित्यरत कनम-सिर्फ धर स्पानः ९ जुलाई सन् 1939 ई, सीकर (राजः) सोजुदा साम-प्रन्यी : निजी रोजः

साजूदा काम-थन्या : ानजा सना पत्र-पत्रिकायां में छप्योड़ी रचनायां : मरुवासी, घोळमो, जासकारी, लाडेतर, राजस्थानी बीर, जलमभोम. हरावळ धाद

राजस्थानी बीर, जलमभोम, हराबळ धाद राजस्थानी पत्रों में घर बगंगुग, नदनीत, कादिम्बनी, छा. हिन्दुस्तान, घाजकल, परान धाद हिन्दी पत्रा में कथितावां, वपन्यास, कहाणियां छवी

भ्रमाध्यमी रचनावां : कहात्ती भ्रार किना रो एक-एक संभे प्रर एक उपन्यास-मराठी नाटक 'लानाची वेही' रो राजस्थानी धनुवाद सहोव रो ठिकालो : बांडियो बास, सीकर (राज-)

मीजूबा ठिकाणी : पुस्तकाशयाज्यस, मारवाड़ी हिन्दी पुस्तकालय, 227, कालवा देवी रीड, बस्बई-2

नांवः शोनानाय सत्री

सिक्षा : एम. ए., एलएल. बी., बी. एड.

स्वता । प्रत्य प्रत्य प्रत्य का का प्रत्य अनम-तिषि सर श्यान : माह सुदी 5 संबत् 1969 वि., (11-2-1913) बीकानेर मीजुदा काम-मण्ये : राज-वेदा (प्राणनाप्यापक) रा पॅसनर, राजस्यानी मासा साहित्य संगम, योकानेर रा कार्यानय व्यवस्थापक

द्राचोड़ी पोविषा : 1 प्रचलशास सीची री वचनिका (संगदन) 2. स्यालदास री

वज-बिजवार्या में छुत्योड़ी रचनार्या । तोय-बिजवार्या में शोय-विजय छुत्या दुष्ठी सुबनार्या : राबरत्यानी प्राया रे संवादन में सन्योग दियो—संशिष्ट राबर्यानी सहदकीस त्यार करवीडी

सदीव रो ठिकालो : कुनीलपुरो, गजनेर रोड़, बीकानेर (राजः) मौजूदा ठिकालो : पूपर मुजव मांवः दीपचन्दः सुद्यार

सिक्तः : उच्च माध्यमिक कसा, माई. भी. ही. (बन्बई.) मार. ही. एव. (संदर) जनम-तिथि घर स्थान : 15 सगरत 1938 ई., फळोटी (बोयपुर-राज.) मोनुदा काम पायो : सध्यापको

मोनूबा काम पन्यो : मध्यापको पत्र-पत्रिकावां में सुत्योहो रचनावां : धनेक एत्रां में कवितावां-स्हाणियां सुत्री सबीव रो डिकाणो : रात्र, उच्च माध्य, मदन रे पीछे, फट्टोरी (बोषपुर-रात्रः) मोनुबा डिकाणो : नाहरा रो धहो, सेहता सिटी (नागौर-रात्रः)

शांव : दुर्गादत्त गोस्वामी

सिक्ता: एम, ए , विसारद

जनम-तिथि धर स्थान : 28-1-1928 ई., चूरू (राज.)

मौजुदा काम-प्रत्यो : निजी सेवा

नात्वा कार-वादा : गांका ठपा यय-पत्रिकार्वा में छप्योग्ने रखनावां : मर्मारवी, सन्दाहिक हिन्दुस्तान ग्राद पत्रों में राजस्थानी संबंधी लेल छप्या—रेडियो स<sup>\*</sup>बार्तावां प्रसारित

दूबी सूचनार्था : राजस्थानी साहित्य कता संगम, दिल्ली रा सह महामात्री--राजस्थानी मारती, दिल्ली रा कार्यकारी सदस्य--विच्युहरि झालमिया पुरस्कार

समिति रा संयोजक-दिल्ली में राजस्यान रा साहित्यक सर साहिज्ञिक मायोजनां रा बमुख संयोजक

सबीय रो ठिश्राणो : वृरू (रावः) भौत्रदा ठिश्राणो : 2955, बूचा माईदास, सीवाराम बाजार, दिस्सी-6

-50

मांव . देवक्सिन राजपुरोहित

सिक्षा : उच्च माध्यमिक करा, रत्न (वर्षा)

धनम-तिथि धर स्थान : 23-11-1944 ई., चम्यारोडी (नागौर-राज-) भौतुरा काम-यग्यो : प्रध्यापरी

एप्पोड़ी पोबियां : बरजूड़ी रो तन (कहाली), दांत कथानां (कहाली). याहिया मान से कैएरे (कविताबां)

बलद्वी रचनावा : मरुपरा, अवकुड़ी, बीरां री जनमशीय-नावा र्। पोवियां सरीव रो टिकालो : पंताखेड़ी, यो. सिरासना (बाबा रेल-नागौर) मीनुवा ठिवाली : राज. च. बा. विचालव, सिरासना (वावा रेल-नागीर)

मोक : देवदश माग

सिता ! साहित्याचार्य, बी. ए., मिला द्यारती, साहित्यार्वकार, महामहीपाच्याय (गुबराती)

बनय-तिथि घर श्यान : 1 जनवरी छन् 1937 ई., जालोर (राज.) धोत्रवा काय-मन्यो : ग्रावापकी

क्त्योद्दी योवियां : सपनी (स्तिकत नाटक रो सनुबाद) भलमारी रचनारा : बाटी मी बाडी (संस्कित नाटक मी भनुसार)

हुवी मुखनावी : हिम्दी-मुक्षराठी में बान कवादी, धनुबाद घर मुखीशावी बाद सरी—रेडियो सूं भी रचनानां प्रवास्ति

मदीद री डिकाली : निरली बाददी, बानीर (राव.) मीबृत डिकाहो : यूपर मुख्य

नौव : चमंत्रय धर्मा सिक्षा : बी.ए., बी.एड

जनम-तिथि घर स्थान : 13 धगस्त 1932 ई., रतनगढ (चूह-राजः)

मीजूदा काम-घरमी : ग्रव्यापकी

छप्योडो पोषियां : रूपमाधुरी (1971)

पत्र-पत्रिकावों में खप्पोड़ी रचनावों : लोकमत, वर्तमान, बागों रा फूल (संग्री) राजश्यान मारती, मौनित्रक (संग्री)

भोळमो भाद में कवितावां छपी

दूजी सुचनावां : राजस्थान साहित्य मकादमी रा सदस्य सबीव रो ठिकाणो : म्यूनिसियल बोर्ड रे मामीं, बीकानेर (राज.) मोजदा ठिकारागे : प्रयुर मजब

नांव : घोकळांतह चरळा 'बनंत'

सिक्षा : बी. र., एलएल. बी., विशारद

बनम-तिथि घर स्थान : मंगसिर सुदि 6, संवत् 1978 वि., चरळा (सुजानगड़)

मौजूबा काम-धन्योः वकालत

छ्य्वोड़ी पोषियां : मर्-महमा (काव्य)

पत्र-पत्रिकार्या में छुप्योड़ी रचनार्या: राजस्थानी धर मरुवाली में कवितावां छपी सरलक्ष्मियो: फिल्लोर (राजस्थानी कवितायां)

दूबी सुवनावां : 'हृदय तरग' नांव स्'हिन्दी कवितावां भी छग्न सारू शार है---झ. मा. कवि सम्मेक्षन जयपुर सर बीकानेर साहित्य सम्मेकन में

पुरस्कित के के कियाओं स्वरूप सहस्र

सबीब रो ठिकाणो : घरळा सदन, ब्रह्मपुरी, जयपुर-2 सोजुबा ठिकालो : बाहबीनगर (पेट्रीन पन्य र कननी गळी में) जयपुर-6

सिक्षा : एम.ए. (हिन्दी), साहित्याचार्य, साहित्यरत्न खनम-तिथि चर स्थान : 24 नवंदर, 1936 ई., सहमरागढ (सीकर-राज.)

भौजवा काम-धन्छो : प्रध्यापकी

छप्योशी रखतावां : शारदा सदन पुस्तकालय स्वर्ण-अपन्ति ग्रन्थ (1965) वं ध्ययोध्यात्रहाद शर्मा ग्रमिनंदन ग्रन्य (1967) श्री लक्ष्मीशम

पूड़ीवाना स्मृति ग्रंब (1972) रो संपादन पत्र-पत्रिकावी में छप्योड़ी रचनावां : मरुवाली, समाजदूत, मरुवरा घाद में प्रनेक

हिन्दी-राजस्थानी रचनावां छवी इसी सुचनावां : शेखावाटी जनवदीय साहित्य सम्मेलन रा मंत्री-साहित्य परिषद्,

लक्ष्मणगढ, जनपदीय साहित्व संगम, मूं भरणू घर राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन रा सदस्य, सस्कित सम्मेलना में प्रयश परस्कार प्राप्त

सबीब रो ठिकालो : प रामदत्तयी विश्वनायत्री जोगी, बाडे नंबर 4. पो. सदमरागढ़ (सीकर-राज.)

मौद्रश ठिकालो : साहिश्य परिपद, नदमसागढ

नांव: नरेन्द्र भानावत

शिक्षा : एम.ए. पीएच.डी., साहित्यरत्न

अनम-तिथि चर स्थान : 13 सिलम्बर 1934 ई., कानोड़ (बदवपूर)

भीत्रता काम-घग्धी : घण्यापकी

खप्योड़ी घोषिया : 1. राजस्यानी वेलि साहित्य (सोष-प्रन्य) .2. राजस्यानी साहित्य-कुछ प्रवृत्तियां 3. राजस्यानी बीर काय्य भीर सर्वेमल्ल निधाल

4. राजस्थानी गद्ध : विकास भीर प्रकाश (सपादन) पत्र-पत्रिकावों में रुप्योड़ी रचनावां: परम्परा, द्योध-पत्रिका, मधुमती, बरदा, राजस्थान भारती, परिषद पतिका माद मे

रवनावा छपी

बजो सुचनावा : हिन्दी का धनेक भौतिक धर संपदित ग्रथ-राजस्यान विश्वविद्यालय सं पदक प्राप्त-प्राचार्य थी विनयचढ ज्ञान मंदार का मानद निरेणक

सरीव रो ठिकाणो : सी. 235 ए, दवानन्द मार्ग, तिलहनपर, बयपर-4 भौत्रदा डिकालो : घपर धत्रव

नांव : नरोत्तमरास स्वामी सिक्षा : एम.ए. (हिन्दो-सस्कित), विद्यामहोदीय, विद्यारल जनम-तिथि धर स्थान : 2-1-1905 ई., बोकानेर सौजूदा काम-पत्थो : राजवेश (प्रप्यस, हिन्दो विमाप) रा पैन्सन्तर

हर्पोड़ी पोषियां : 1. रासी साहित्य प्रोर पृथ्वीराज रासे 2. संक्षिप राजस्थानी क्याकरण 3. राजस्थान रा द्वहा (संपादन) 4. किवन रूकनणी री बेलि (सम्पादन)

यत्र-पत्रिकावां में छत्योड़ी रचनावां : छतेक पत्रां में सैकड़ां रचनावां छती दुवी सुचनावा : हिन्दी साहित्व सम्मेलन, प्रयाग सूं भानांबह पुरस्कार मिन्सो राजस्थान राज्य घर मारवाड़ी सम्मेलन सूं भी पुरस्कार

पिष्या—राज्य सर नारपाड़ा वननवन कूमा १९९००० मिष्या—राजस्थानी मासा दे भांदोसला रास्त्रवार रेवा—राजस्था भागा साहित्य संगम रा अध्यस रेवा-धनेक पत्र-पत्रिकावा म संग्र-पत्रवा रा संवादक भर राजस्थानी सोध छात्रा रा निरेशक रैवा

सदीय रो ठिकालो : शांति श्राध्यम, वीकानेर मौजूदा ठिकाणो : शुपर मुखव

नांव : मकतीसकुषार पातीसाम दिखा : शे.र., साहित्यरल जमानिति घार स्वाम : 8 मई 1936 ई., नापदारा (चरवपुर) सीजूब काय-मण्यो : मराबारलचीसी सर में स रो बच्चो झाणुस्ची रचनायो : मेपाड़ी मीज यूबी सुचनायो : पन-बिकासों से मजेक हिन्दी रचनायो खरी—कवि सम्मेननों में सर साकाससाली पर कवितानाङ कर्मो

ग्नर माकासवाला पर कावला-वाठ कर्म। सदीव से ठिकालो : मालोक प्रिटर्स, नायद्रास (उदयपुर-राज.) भीजदा ठिकालो : मृपर मुजब नोव : नसिंह राष पुरोहित सिक्ता: एम. ए., बी. एड.

क्षतम-तिथि पर स्थात : चैत सुरी 14, संवत् 1981 वि., खांडप (बाड़मेर-राज.)

मौजदा काम-घन्धो : भ्रम्यापकी छत्योडी पोवियां: 1, पन्न रो काम (1952) 2. रातवासी (1961)

3, बिनसपणा रो मोल (1964) 4, राम-राज (1965) 5, ममर चुनडी (1969) 6. हांस्यां हरि मिले (1973)

पत्र-पत्रिकारों में छप्योडी रचनावां : मस्वाली, घोळमो, मरभारती, ललकार राजस्यानी वीर भाद पत्रा में छपी

दश्री सूचनावां : कहाणिया निर्व-कवितावां भी करै-राजस्यान साहित्य धकादमी रा सदस्य-राजस्थान साहित्य प्रकादमी मूं कथा साहित्य रो परस्कार मिल्यो---इजा कई परस्कार भी मिल्या---हिन्दी रचनावां भी करें

सदीव रो ठिकाणो : पुरोहित कुटीर, खाण्डप (बाट्रमेर-राज.) मौजवा ठिकालो : धुपर मुजब

मांव । लग्बकिशोर अर्था सिक्ताः बी. ए.

क्षमम-तिथि घर स्थान : 1 जनवरी 1938 ई. जैसलपेर

भीजदा काम-धन्धो । घप्यापरी

एप्योड़ी पोथियां : सोनेवाले शी लड़ाई (बाध्य 1971)

पत्र-पत्रिकाचों में छुप्योद्दी रचनाचों : नवमारत टाइन्स, हिन्दस्तान दैनिक, रंगायत, काव्यांबळी (संग्री ग्रन्थ) ग्राह में रचनावा स्की

दूत्रो सूचनावां : रेतीला रलावल, जूनो जनाको-नांव री पोवियां त्यार-जैससमेर सर्वंधी परिचयात्मक हिंदी योधियां छप्योदी-धन्तर प्रान्तीय क्यार साहित्य परिषद घर जैसलमेर री वर्ड संस्थावां रा मन्त्री-कवि सम्मेलना में कविता-राठ करको

सदीव रो ठिकालो : सीमांत प्रकाशन, जैससगेर (राज.) भौजुरा ठिकाची : धूपर मुजद

मांव : मंद भारद्वाज सिक्ता : एम. ए. (हिन्दी)

जनम-सिथि घर स्थान : 1 धगस्त 1948 ई., मास्त्रूरो (शङ्मेर-राज.) भोजूरा काम-पंघो : सोथ-छात्र-हरावळ पत्रिका रो संवादन पत्र-पत्रिकावों में छप्पोड़ी रचनावो : हरावळ, राजस्थान-मारती, महुवाणी स्राद पत्रों में कुटकर कविता, रुहाणी पर सन्ताद स्थाप

सदीव रो ठिकाणो : गांव माहपुरो, पो. कवास (बाइमेर-राज..) भौजुदा ठिकाणो : खापटो, मोतो चौक, जोधपुर (राज.)

नांव : नागराम धर्मा तिस्ता । एम.ए., वी. कांम., वी. एड., विचारत जनम-तिथि घर स्वान : 19 मार्च 1932 ई., पिताको (फूंफ्लूं-राज.) मौतुदा काम-पन्थो : घट्यापको द्यापोड़ी पोपिया : बित तो पेतां (1963) विरक्षा बीनकी (1971) राम मिलाई कोड़ो (1972)

वन-पित्रकार्या में धूर्योष्ट्रो रवनाव्यो : प्रनेक राजस्थानी घर हिंदी पत्रों में धरी बूबो सुबनाव्यो : बाहिल्य परिषद्, स्तिराणी र सन्दी-—सार्वव पुरस्कार रिवाणी प विदेशा—विद्या सहस्व मुं पुरस्क्रप्र-भारक पर यांच तो से पुरस्कार प्राप्त—हिंदमें सिंदिया थींथी में धर्म

सबीव रो ठिकाको : नागराज शर्मा, पिलाएी (मूं माणू -राजः) भौजूबा ठिकाको : सूपर मुजब

4

सिक्षर : प्रमाकर (पंजाब) बी. एस. टी. सी., साहित्यमहोपाच्याय (प्रयाग), संस्कृत प्रथमा जनम-तिथि घर स्थान : सावण बदी 7, संवत् 1973 वि., गांव लारी (ल्याकरणसर-बीकानेर) मौजूदा काम-धन्धौ : ग्रव्यापकी ध्रम्योड्डी पोषियां : 1. कळापण् (काव्य-2004 वि.) 2. समय-वायरो (काव्य-2009 वि.) 3. दसदेव (काव्य-2014 वि.) दसदोल (काब्य-2023 वि.) 5. ग्होबी (कहाएगी-2014 वि.) 6. बोटवावनी (काव्य-2022 वि.) 7. घर की रेल (कहाएी-2025 वि.) 8. घर की गाय (कहाएी) 9. खुप्पय सत्तसई (काव्य) 10, राजस्थान का लोक साहित्य (सोध-प्रन्य) वत्र-पश्चिकावां में छत्योही रचनावां : राजस्थान मारती, वरदा, मरुमारती, मरुवासी, धोळमो. जलमभोम धाद पत्रा में छपी दुओं सचनावां: 'कळायख' पर पुरस्कार सबीव रो ठिकाछो ; काळ्र (थीकानेर-राज.) मौजवा ठिकाणो : घपर मजव नाव: नारायखदत्त धीमाळी सिक्ता : एम.ए., पीएच, डी., डी. लिट. वनम-तिथि घर स्थान : , 21-4-1935 ई., सर्टियो (जोबपुर) मौजवा काम-घग्यो : ग्रध्यापकी छत्योडी घोषियां : राजनीति रा कवित्त (संवादन) वत्र-पत्रिकारों में छायोड़ी रचनायां : मर्वाणी बाद पत्रां में बर 'मिमकर' नांव रै संग्र-प्रत्य में कवितावां घर एकांकी छत्या दुत्री सुचनावां : ज्योतिस संबंधी घनेक पुस्तकां लिखी--गीतांत्रळी रो राजस्यानी भनुवाद कर्यो--राजस्थानी प्रवंध काध्य पर सोध-धन्य लिस्यो-रेडियो पर वार्तावा प्रसारित करी सबीय शे ठिकाणी : सी/एफ 14, हाईकोर्ट कोलोनी, जोवपर (राज.)

नोव : नागराम संस्कर्ता

मौजुक्त ठिकाणो : ग्रपर मुजव

मोव: नारःयणसिंह 'वीयल'

सिक्षा : हायर सैकेन्ड्री, जे. डी. सी.

अनम-तिथि धर स्थान : 1 प्रगस्त 1947 ई , गोगोळाव (नागौर) मीजवा काम-थायो : प्रसदारनवीसी

द्यपोड़ी पोषियां : 1. सस्कित-प्रवाह (1969) ई.

बुशे सूचनवां : फुटकर रचनावां-कवितावां खरी

कुरा प्रवनवार कृटकर रचनावान्कावतावा छुपा सदीव रो ठिकारोो : तारायण पीयम, नयो बास, बाससमंद, जोसपुर

भौतूक्ष टिकाहो : सूपर मुजव

नांद : नारायणांतह माडी

तिला: एम. ए. एमएन. बी. पीएच बी. अन्य-तिथि सर स्वाव: सन् 1930 ई., मालुंबी (बोधपुर)

कत्य-स्ताव सर स्थान । सन् १९५० ६०, मालू वा (जायपुर) सीमूबा काय-सामी । निरंगक, राजस्यानी वीम गरयान, भौगामली, भौगपुर

क्ष्म्बोड़ी बोवियां : 1. ब्रोळ., 2. सांक 3. दुर्शराम 4. बीवल-यन 5. दरमधीर 6. सेवरून (बनुवाद) 7. बळा (बुनर रा समळा काश्य-संब)

8. डिगळ बीच (मोच--वच) 9. मारवाष्ट्र रा वरगनी री विषय (संग्राहन)

विश्व (विश्वता) विश्व विश्ववार्थ में द्वामोड़ी रचनार्था : मर्गार्थी, वरदा, मर्गार्थी, महर, मनुष्यी बाद वर्था में विश्ववार्थी सर

समुख्ती साद नवां से का से संस्थार

कृषी मूचवारी । परमारा नांव री कोपापिटा यो समाप्त-व्यवद् री दो संस्थारी मू काम्य रवनपां वर पुरस्वार —बाफानवामी मू उपनावी वर्गारी

राजस्यात्र काहित्य सम्बद्धमी सार राज्यसाती साहित्य कामेणन ध सहस्य कर समित्राधी

करोक रो दिवालो ३ राजम्यानी कोष सम्बान, घोणमणी, घोषपूर कोकुरा दिवालो : धुपर मुपन লাব - गाहु।।।। तिक्षा : मेयो कतिज, धजमेर रो पोस्ट हिन्तोमा जनम-तिथि सर स्थान : बेतास बदी 5 संबत् 1966 वि. (10-4-1909 ई.), धाउडा गड़ (पाती-राज.)

मौजूदा कास-वन्धो : बानप्रस्य जीवएा, साहित्य-साधना छप्थोड़ो रचनावां : सुगनसती सुजस (2011 वि.) महाराजा उमेदसिंह

छत्याका रचनावा : सुगनसता सुनस (2011 व.) महाराजा जनवातह रा मरसिया, महाराजा सवाई मानसिंह रा मरसिया,

तोव : निर्मोहो स्थास सिला : बी.ए., विवादद, विधि छात्र अनम तिथि घर स्थान : 3 फरवरी 1934 ई., बीहानेर मोजदा काम-थाथो : रेसवे-सेवा

पत्र पत्रिकारों में हरपोड़ी रचनावां : कितता, कहाशी मनेक पत्रों में छुती है बूजी सूचनावां : मुख्युच्या एकाकी त्यार है राजस्थानी मासा समिति रा संयोजक रैया-सर्वोदय साहित्य सस्थान रा महामन्त्री रेया-सन्दाग कला

केन्द्र नाव री सत्या मूं राजस्यानी सारिकृतिक कार्यक्रम करें सरीव री ठिकालो : कृष्ण निवास, सूरसायर करें, बीकानेर (राज्.) भौज्ञवा ठिकालो : प्रपर गुरुव

भांव : नेमगारयण जोसी सिक्षा : एम,ए., पीएच. डी.

अनम-तिथि बर स्थान: सावण सुदी 10 संवत् 1982 वि. (31-7-1925 ई.,)

गांव : डोडियाणी (नागौर) मौजदा काम-धाथी : प्राध्यापकी

मानुदा समयाचा : आध्याका ह्याची राचाचा : मरकाणी मर बोळमो में संस्मरण छ्या दूबी सूचनावां : घाकासवायी सूं राचनावां प्रसारित सबीव सो डिकाणो : यो. डोडियाणा (आगोर-राजः) मोनुदा डिकाणो : 180, सवोकनगर, उदयपुर (राजः) नोव : पतराम गोड़ सिक्का : एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत), सा. रस्त, एम. ए. प्री. (प्रश्ने वी) सनम-तिरित्त कर रसाम : 14 दिसम्बर 1913 ई. विलाशी (फू.फ्ट्रूं) मोनूस काम-पाणी : साधापकी (कामता हिन्दी विभाग, थी. पाई. टी. एड. पिताणी)

छ्प्योड़ी पोचियां: 1 बीर सतसई (1950-1961 ई., सम्मादन) 2. चीबोली (1944 ई., संपादन)

पत्र-पत्रिकाक्षों में छुप्योड़ी रचनार्वाः सरस्वती, भारतीय साहित्य, महमारती, जा प्र० पत्रिका स्नाट पत्र-पत्रिकाक्षों सर कई मीर नन्दन प्रथ्यों में रचनार्वा छपी

दूबी सुचनावां : बोर सतसई रें संपादन पर पुरस्कर मिस्यो-सीव खानां रा निरंहक रैवा—हें. माइ. टी. एस., पिताणी री सिनेट रा सदस्य रैगा-हिन्दी वि. बिद पी.ठ, उरवपुर रा माजीवन सदस्य

ायः विश्व यो ठ, उरवपुर स जाव सदीव रो ठिकालो : पितालो (मूं मलूं -राज ) भौजवा ठिकालो : स पर मजब

नांव : पश्चातात शर्मा 'पनत' विकार : इस्टरमीहिएट (मननेद), विचारह (श्याम), राष्ट्रमाया-स्व (वर्षा) चनत विधि सर स्थान : 10 समस्त तन् 1915 ई., बाड़मेर (राज.) भीतृता साम-पन्यो : मस्यारनवीती 'स्वाची वीर्षयां : नारी देवी (1964 ई.) राजस्वानी गेंसा (1970 ई.)

क्षत्रवाद्यां सायवा र नारा द्या (१९०४ ६), राजस्याना पर्या (१९०४ ६) पत्र-पत्रिकायों में छत्योंड़ी रचनायों : मस्याणी, संप-राक्ति, चेतन प्रहरी, मस्यस्य साद पत्रों में छरी

कृती सुचनारां: नारो देशे नांव री योथो पर इनाम मिन्दोहा-कुमार साहित्य परिष्ट, बाहुमेर रा ग्रन्थश रैया-राजस्थानी भासा रै प्रचार-प्रसार ये साम रुजि राग्ने

सरीय रो टिशाबो : सागळ मोहत्लो, बाइमेर (राज.) बोजुदा टिकासो : बूपर मुख्य नांवः परशुराम बीरूपास

सिक्षा : बी. ए., राष्ट्रमापा रत्न, माचार्य (मा. वि. पीठ., बंबई)

बनम तिथि घर स्थान : 10 फरवरी 1938 ई , डेह (नागीर)

मौजूदा काम-चयो : मध्यापकी

एरपोड़ी वोषियां : दिव्य सजनावती, तीक-पुषार सजनावती घर दतित-पुषार सजनावती नांवां पूं समाज-मुपार रा राजस्यानी गीठां से छोटी-होटी कोडियां

सदीव रो ठिकाणो : देह (नागौर-राज.) मौजुदा ठिकाणो : सपर सुजद

मोव : प्रतापन्हि नरुका

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी). एवएस. बी.

क्रवम-तिथि बर स्थान : 7 जुनाई 1947 ई., दिलासपुर (टॉक-राज.)

भौजूदा काथ-धन्धोः राजसेवा

वक-विकास में प्रयोधी रचनांची: मध्यारती, नवायोति साद वचा में सामस्यानी व्हेनिया, वाष्प तीत सर शांत्रिक स्वयां वर सेत प्रयानमें सर पराणी सेनी दी वर्षतांची सो स्वी

सदीव री डिकाली : बिलासपुर, यो. नंबर (टॉब्स-राज.) : भीएडा डिकाली : 79 प्रवास प्रवट.

नांव : प्रतानतिह राठोड़ विद्या : एव. ए. (हिन्दो) पोएष. हो., राजस्थानी साहित विसारत कनम-निर्वि घर स्थान : 30 जुनाई सन् 1944 ई., तितानेत (नायोर-राज.) मोजूबा साम-यानो : घरावकी पत्र-मित्राकों में प्राचीदो राजाती : सप-मित्र, जनममोन, महभारती बाद वशे वै तेत घर कहाण्यि एती दूबी मुखनातो : 'राजस्थानी बोराय्यान' नोव रे दिवस पर सोप-प्रबंध निस्तो सर्वाव रो हिकाको : याब तिवानेत, बाहबद देवाना (नायोर-राज.) मोहस्य टिकाको : साध्यावक, हिन्दी किमान, सारता सान कांत्र, मुकुरण

(मुंभागुं-राथः)

तांव: पुरवालान दांगानी
विक्रा: वो. ए. राष्ट्रवाण कोविद (वर्षा)
क्षवय-निर्व यह स्वान: 11 यदे न नन् 1941 है., जेतनमेर (राजः)
कोब्हुत काल-काथो: नारी कामोदीन कवानन रो नेपर
का-विद्याल देवानी देवानी हैं स्वतानी कालान काला

क्रत्यस्थे नेवियां - प्रति (मह वाष्य) कृषी कृष्यक्षा अन्यर ग्रीश कृषा वार्तिय पीतत्, जैतनदेर रा जरी कृषि कृष्यक्षा अन्यर होत्र कृषा वार्तिय पीतत्, जैतनदेर (ग्रस) क्षेत्रस दिल्ली - सारी वार्योग्य क्षेत्रस, विल्ला रोह, विवे गार्स, वर्ष-15 नांव : पुरुषोत्तम प्रमत

सिक्षा: साहित्यरल, भायुर्वेदरल, भिषम्बर

कतम-तिथि झर स्थान : गरोस चीथ, संबत् 1990 वि., सूनंवा (नागीर-राज.) मीजवा-काम-पन्यो : वैद्यक, सेठी

क्षत्वोड़ी शोवियां : ताज बार तरवार (काव्य 1973 ई.)

पत्र-पत्रिकाचों में छत्योड़ी रचनावां : लोकवाली, राष्ट्रदूत नवयुव धार दैनिक छावां में घर साप्ताहिक छावां में भी रचनावां छती

दूबो भूचनानां : सहारमा गुद्ध रें शीवए पर 'गुद्ध बुद्ध' नाथं री पोपी निशी--
किदान-कासना नाथं पूँ राज कान्य घर प्रगरी नाव सू करिया-सर्थ त्यार करयो-नाहिश्य कता संगय घर साहित्य परिय-नायां री संस्थाती री यायना-चंदमं नांव सं पादिक पत्र री सावक

धर संपादन सबीव रो ठिकालो : जूनंबा (नागीर-राज.) भोजुदा ठिकालो : किसमाद-रेनवाल (जयपुर-राज.)

नाव: पद्योतमलाल मेनारिया

सिक्ता : एम. प. (हिन्दी), पीएच- डी., सा. रतन

कनम-िक्षि घर स्थान : 5 नवंबर सन् 1923 ई., उदयपुर (राज.) मौजूरा काम धम्बो : राज-तेवा (उपनिरेशक, राज. प्राच्य निया प्रतिस्टान, जोवपुर) स्थ्योही पोषियां : 1. राजस्वान की रस पारा (1954 ई.)

ताहा बाबिया : 1. राजस्थान का रस यारा (1954 है.)

2. राजस्थानी भाषा की रूपरेखा (1953 ई.)

3. राजस्थानी साहित्य का इतिहास

4. थी कृष्णु रिवमणी विवाह-सबंधी राजस्थानी काव्य

5. राजस्थान की सोकक्यायें (1954 ई.)

6. राजस्थानी वार्ता (1954 ई.) 7. राजस्थानी स्रोक गीत

(1954 र.) 8. राजस्थानी साहित्य-संग्रह माग-2 (सपादन) 9. रुविमणी हरण (संपादन)

पत्र-पितानों में प्रामीने रचनाची : मनेक पितानों में एक्सी मूं ग्रुपर केश स्था हुओ सूचनावी : सप्तराम की मोक कमार्थ दया । प्राप्यानी बाडी गांसा से पीरिया पर पुरस्तार निया-मामात्रावनाती मूं बार्डाने प्रवासिन मृत्या से मूची मूं परसार वह इसी भीरिया घर साथ से कंपारक, सेनन सार

मौडूश टिकालो : राजस्थान प्राप्य विद्या प्रतिष्टान, जोवपुर (राजः)

नांव : पूनम दहया

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी), पीएच. डी.

बनम-तिथि घर स्थान : 31 जनवरी सन् 1938 ई., बीकानेर

भीजुद्दर काम-धम्धो : प्राच्यापकी

छुप्योड़ी पोषियां : राजस्यानी बात साहित्य (1969 ई.)

पत्र-पत्रिकाकों में छप्योड़ी रचनावो : प्राय हिन्दी विसयों पर प्रतेह पत्रों में सेह. समीक्षा बाद छपी

दुवी सुचनावां : धाकासवाणी सु रचनावां प्रसारित-वातावन नांव रै हिन्दी धर्मं रा सपादक रैया - राजस्थान साहित्य सकादमी री सीथ कमेरी ए

> सस्दय-रैया गीतायन नांव सं हिन्दी गीत घर बांरी समीक्षा री पोधी दृपवाई

सदीव शे दिकालो : मा. व. अमजीवी महाविद्यासय. राजस्थान विद्यापीठ, उरवार भौजदा टिकाचो : पुगर मुजब

मांब : बहरीप्रसाद साधरिया

विसा : सापारण क्रम-तिथि चर स्थान : 26 जुन सन् 1896 ई., बामीटरा (बाड्मेर-राजः)

भौतदा काम-धन्यो : साहित्य-सेवा

क्ष्योही बोबियां : 1. घनीयी मान 2. था मींट कर वर्डमा 3 हरिशम (श्यादन) 4. मंहता मैलुमी भी स्थान (माव 1-4 संवादन) पत्र-पश्चिता में क्ष्योही रखनाता : राजस्थान-मारश, बरता, महमारती, अपनमीत,

आलकारी, बन्देपणा, राजस्थानी शीर <sup>कार</sup> पविशानों में प्राय मीच सम्बन्धी सेस छपा

बुधी मुख्यावो : राजस्यान-बारतो रा मगाइड रेवा-मध्द कोन खार करणीगे है-शक्ति दिवन साहित्य पर शामा काम कर्योड़ी है-बाओटस है निजा पर माहित्य-मध्यत्वी कई मध्यायां शे बायता में सहशीय दिशी

सहीय रो टिबाबी : है56 नाहरियासदन, बन्तमविधाननर (गुंबरान) भौरूरा डिकाको । सूपर पुकर

मौदूबा काम-खंबो : पॅडिताई, साहित्य-सेवा खपोड़ी पोवियां : 1. देळ्यां को दिवलो (2020 वि.) 2. प्रेम-प्रदीव (2026 वि.) पत्र-पत्रिकावां में द्वावोदी रचनावी : महवाणी, महात्राण बाद पत्रां में मर सब्री-ग्रन्थों में छवी दुत्री सुचनार्वा : राजस्थान साहित्य भाकादमी, उदयपूर भर दूत्री धनेक संस्थावां मूं पुरस्कार मिल्या-प्रेम प्रवास धर श्याम-महिमा-नांवां री पोथिया भी छप्योडी सबीव शे डिकाफो : चिड़ावा (मूं भरणू '-राज.) भौद्रवा ठिकाणी : मूपर मुजन नाव : वंशीलाल वेकारी तिष्ठाः साहित्यस्त बनम-तिबि घर स्थान : 23 जुनाई सन् 1936 ई., हमीरगढ़ (मीलवाड़ा) मौजूदा काम-वची : सेती, साहित्य-सेवा द्यादी वीविवा : घोळ्यू (1967 ई.) बरसनी पाली रे (1967 ई.) दुवी सचनावी: पत पत्रिकावी भर संब-पंची में रचनावी खुरी-प्रिव-सन्मेलनी में धर बाबासवाली पर कविता-पाठ कर्यो-सोळ्युं पर पुरस्कार मिल्यो •

मावः बनवारीलास मिश्र 'सुमन' सिक्ताः काम्यतीर्थं

धनम-तिथि धर स्थान : 4-11-1919 ई. विद्या (मूं मणूं)

सदीय से ठिकाणी : हमीरगड़ (भीनवाड़ा-रांक्) चौड़वा ठिकालो : घपर मुख्य

राजोड़ो घोषियां : पूजा रा पूज (1965 ई.) यत्र-पिकायां में स्वरी रचनायां : सोळजो में राजायांनी रचनायां तर हिंदी रचनाये पूजा स्वतेत पत्रों में स्वरी संस्कृत यां से प्रती संस्कृत यां से प्रती स्वरी हैं थी. दूजी सूचन थां : भारतीय साहित्य परिवर्द, भीववाड़ा सा संजी-हिन्दी में सीत्र क्यायें कहारिकायां सो पीनियां स्वयोड़ी—स्वत्यानां से ग्रीनिक क्यायें

योगी स्वार है—हसी मासा रो जान न्यू ुनंतर राजिस्त स्वीय रो ठिकाको : मकान 4/14, मारकत कनकमतानी वकीन राजिस्त स्वीय रो ठिकाको : मकान 4/14, मारकत कनकमतानी वकीन राजिस्त

.भौजूदा ठिकाणी : सूपर मुबव

ं का हिल्ला विकास

नोव : बजनारायण पुरोहित

तिशा: एम. ए., (हिन्दी-संस्कृत), एलएल. सी., पीएच. दी. (हिन्दी-संस्कृत) स्वमा-तिथि-धर स्पान: 21 नवंबर 1934 ई., बीस्तेर सोवृद्धा साम-पायो-प्रापाणी

ह्मचोड़ी घोषियां : 1. बटारवां (-रेक्काविज 1973 ई.)
2. वकोल गाहब (संस्मरण-1973 ई.)
वज्र-विकालों में स्टबोड़ी रचनायो : मस्त्राणी, हरावळ, लोक-सम्पर्क, राजसान

वत्र-विकासो में स्ट्रपोड़ी रचनायां महताली, हरावळ, लोक-सम्पर्क, राजसान सारती, मूमल, घोळमो, वागतीबीत हुनार पत्रां, में खरीर गुरू

सगद्भी वोषियां : गोषां रै पंता-नांव मूं रेसाचितां री पोधी : बूजी सुचनावां : हिन्दी में एकांधी-एंधं क्ष्योड़ो—वकानत रो याथो भी क्र्यो-पीप सम्बन्धी लेख भी हरना

सदीय रो ठिकाणी: मूंबडां रो चौक, बीकानेर सीजवा ठिकाणी: सपर मुजब मोव : बडमोहन बार्चळ्या सिद्धाः एम. ए., पीएच. डी., सा. रतन जनम-तिथि धर स्थान : घासाढ सूदी 12 संबत 1985 वि , शाहपुरा (भीलवाड़ा) मीजना काम-धम्धो : राज-सेना (राजस्यान प्राप्य-निचा प्रतिब्ठान)

छप्योडी योषियां : राजा-राशी (धनुबाद-1968 ई.)

पत्र-पत्रिकावां में छप्योड़ी रचनावा : सरस्वती, महमारती, विश्वभरा, लोक साहित्य, मधुमती, महबाली, बरदा, धन्वेपला, शोच-

पित्रका साव में सोध-निवय सर कहाशियां छती

बुधी सुच रावां : लो रुविज्ञान नांव री पत्रिका र। संस्थापक-संपाद रु-मेराडी सन्दा-वली पर सोध-पंच लिख्यो

सबीव रो ठिकाफो : कोठार मोहल्लो, शाहपुरा (मीलवाड़ा) भौजदा ठिकाणो : राजस्यान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, शास्त्रा कार्यावय, राजमहल, वदयपर (राजः)

नाव : सजनोहन 'सपूत'

सिक्ता: बी ए.. एम एड.

क्रतम-तिथि घर स्थान : 10 घन्ट्रवर सन् 1927 ई , गाहपुरा (भीलवाड़ा)

भीजदा काय-चन्यो : शेती

यत्र-पत्रकावों में धप्योदी रचनावां : मरुवासी, मोळमो, मानोदय, मायोजन, राजस्यान-विकास बाद पत्रों में घर सम्-धर्म में कवित वा

बालक्षी वोष्टियां : ह गर हेनो, सुहागल, गीवगोपास, गुरुगुलबस, बेनुक में तुक धाद नावा सूर गीता-कवितावां रा सब स्वार कर्योड़ा है

दूबी सुबनावो : एकस्पानी पा त्रीत-सानेतानो में माग नियो-सानातवाणी सु रचनादी बनारित करी-चीण है हमने है जबन मानी हैन में कर्य-पाठ मुं जदरीयन देवल ताल बातया करी

सदीय रो ठिकामो : माहपुरा (मीनवाड़ा-राज.)

भोजूस ठिकामो : सुपर मुजद

नीव : बजतातीतह पाइएँ
तिक्षा : एस. ए. (हिन्दी), भीएव. हो.
कनन-तिषि घर स्थान : 29 फरवरी तन् 1936 ई., हुनवात (बितायू-फू कर्यू)
मीहुदा का-म-पयो : घट्यावडी
स्थ्योदी योधियां : माता री पुकार (1972 ई.)
यज-विज्ञावों में स्थ्योदी रचनावां : यरवाड़ां बावत सेस कई वत्रों में स्थ्या
हु शे सुवनावां पाइको र परवाड़ां यर तो स-यंव तिसरो
करोव रो ठिकाएो : 1. दुनवात (विज्ञायू) 2. करएो दुटीर (बात) विदाविद्यार, विसाएो (राज-)

बीडवा ठिकालो : पोदार कालेज, नवसगढ (ऋषण'-राज )

बरीप से दिवाली , मारश बदन, बुनरावपुरा, बीटा (राजः)

बोज्हा डिवालो : धुपर नुपव

मोव : बाबूताल (लाल कवि) सिका : हिन्दी भूपण (पंजाब)

बनम-तिथि धर स्थान : 27 धनद्वबर 1909 ई., बीकानेर

मौजूबा काम-घम्थो : राज-सेवा रा पेंसनर

सप्तोड़ो शोषमां : बीत-मारतो (1960-61 ई.) युनपद-भारतो (1967 ई.) यभ-पत्रिकार्या में सप्योड़ी रचनावां : मरवालो, पायोगन, समरप्रशीत, ललाहार्

श्रविकार माद पत्रों में कवितानां छ्यो बुक्री सूचनावां : माकासवाणी सूंभी रचनावां प्रतारित--नुष्किता, लोकपुनां रा

गीत भर दूबा मुक्तक छंदां री रचनावां त्यार पड़ी है सबीव रो ठिकाली : बागड़ियां रो मोहल्लो, गोगागेट, बीकानेर भोजुदा ठिकालो : मुपर मुजक

भांवः बालहृष्ट्ः गर्गं 'बालक' सिक्ताः एमः एः (राजनीति), टी. टी. सी.

स्वता र एप. ए. (राजनात), टा. टा. सा. कतम~तिकि घर स्वात : 27 सगस्त सत् 1928 ई., संबमेर (राज)

भीजुरा काम-बन्धो : सप्यापकी

यत्र यत्रिकामां में खत्थोड़ी रचनावां : देनिक धर साप्ताहिक पत्रा में खती बूत्री सूचनावां : हिन्दी में गीठ घर सम्बकाश्य ग्रामोड़ा--राजस्थान साहित्य धकावयी

यूं प्रकारण-पहायता निती-धा मा कवि सम्पेतनां रो संबोधन धार साहित्य-कता केन्द्र शोव यूं संस्था रो संबासन सरीव रो दिकालो : 421/1 किरियण्यनंत्र, सबसेद (राज्.)

सर्वाव शो किहाली: 421/1 क्रिडिवयेन्स मीहरा किहाली: धपर समय नोव : बुश्चिमकाश पारीस

नाव : बुश्चिमकाम पारीक १८७ २१११ १०० ११ । सिमा : एम.ए., बी.एड., विनारद, हिन्दी राताबर, नाट्यार्लंबर १९७० १९३

यापोड़ी पोषियां : 1. पुंटनपा (1958, 64 ई.) 2. परहुता (1961, 77 65 ई.) + 3. तिरसा (1964 ई.) 4. जनसर (1969 ई.)

5. इन्दर स्' इन्टरम्यू (1969 <del>६</del>.)

पन-पतिकशवां में सुत्योही रचनावां : बरबाएी, घोळमो, राजस्वान-विकास, राज-स्थानी बीर, मारेनर, हराजटं धार वर्गों से सी बूबो सुचनावां : में चढ़सो चांद पर एक बार-नांव रो योगी सहरी है-धानित प्रातीय कदिन-धानेता में सर साकासवादी पर करिवा-चाड करी

सबीव रो ठिकालो : प्रमोद प्रकाशन मंदिर 2486/20 कान्ह महाजन को बड़, पुराली बस्ती, जमपुर (राज.)

मौजूदा ठिकालो : भूपर मुजद

- 1

समझपी रचनाचां ; पिछहार्या नांव यो क्विना संघ में ख्या समझपी रचनाचां ; पिछहार्या नांव यो कविना संघ्या । बची सचनाचां : प्रमिनन बसा-मारती घर संदिता नांवों से संद्याची स संदर्य-

हिन्दी री रथनावां भी कर सबीव रो डिकालो : बनमुखदास पुरोहित, गुरसागर रे कर्ने, बोबी थोरो, बीकानेर

सबीव रो डिकालो : यनमुखदास पूरीहित, सूरसागर र कर्ने, योबी घोरो, बीकानेर मौजूदा डिकालो : सूपर सूजव तांदः अवद्यतिकत सर्मा विक्ताः एम. ए (हिन्दी), एम.कांव, बी.एइ., बीएच.डी., सा. रतनं बनम-सिंध या स्थानः 8 जुलाई तन् 1933 ई., बाएंदपुर काळू (पायी-राज.) भोजूदा काम पंषी : प्राप्तापकी स्थानेहो बोरिवां : डोता माफ सा दुहां में काम्य-मोट्डन, संस्कृति एवं स्विहास -/- (1970 ई.)

धनाययो गोवियाः हरि शिनळ प्रवंश (संगतन) प्रमोतक मोती (पनुवाद) यत्र-पत्रिकार्ग में धूरणेड़ी रचनार्थाः हरावळ, प्ररुपा, सप्तिमु, मधुमती, सरदा, मस्मारती, वैचारिकी पाद वर्षा में शोध-

िश्वंव ख्या दुशी सुवनावा : छंद-सनकार इंच रै संगटन सर संबंशी सुं सनुवाद रो काम बाल-हिन्दी रचनावां भी करें

सबीव रो ठिकालो : सांति निकेतन, व्यास-पीठ माणंदपूर काळू (पानी-राज) मौज दा ठिकालो : राजकीय महाविद्यालय, हुगर पुर (राजस्यान)

नाव: धमतशीतित 'धायुक्त' निवारी भी.ए. '1) १-१८ ११ ॥ ११ १९ १९ १९ १९ १९ १९ १९ बनम-तिषि घर स्थान: 14-3-1937 ६, हुएको (ध्यवरा) 'भीजूरा काम-घम्यो । निजी श्रवसाय' धारापुरी गोलिया: मीत रा मीत (गीतां रो संग्रं) "प्रदेश इसो मुचनावां । धरुव, हिन्दी शाहित्य यरिवर्ष्ट, धनवर स्वीत मुचनावां । धरुव, हिन्दी शाहित्य यरिवर्ष्ट, धनवर स्वीत मुचनावां । धरुव, हिन्दी शाहित्य यरिवर्ष्ट, धनवर भाव : मगवानदस्त गोस्वामी सिद्धा : बी. ए.

भनम-तिथि धर स्थान : 1 दिसंबर सन् 1921 ई.,

मौद्रदा-काम-धन्धो : राज-मेवा

छ्प्योड़ी पोविमां : सोड़ी नायी रा गुढा घरव (संवादन)

सूरज रो चानलों (1972 ई.) प्रसंदिद रो दुर्गास्तीत्र (1973 ई.)

पत्र-पत्रिकाकों में छुत्योड़ी रखनावां : कविता, कहाली, रेलाचित्र, एकांकी माद कई पत्रों में छुत्योड़ा

बूबी सूचनावां 'हिन्दी विश्वमारतो, नागरी मंडार, गुण प्रकायक सन्द्रनानव, शैकानेर री यां सत्वावां रा सदस्य घर घविकारी रैया-हिन्दी री कई पोषियां भी धरवाई

सदीव रो टिकाणो : साहित्य-साथना सदन, गोस्वामी बौक, बीकानेर मोलूबा टिकाणो : भूपर मुजब

न्त्रीव : सरत स्थाम विका : बी. कॉम स्थान-दिव सर क्यान : 'जनकरी 1917 ई., पुरु (राज,) सोजुदा काय-राम्यो : फिस्मी गीडकार स्थानी कोचियो : डीमा सरसा (माटक) रंगीना शारवाड़ (माटक), रिमर्टिंग (काम्य) सुरे कृतान

बुबी मुक्तावा हिएसी करितावा है। कई पोवियां स्थाही -- प्र. था. की कांवेवन में प्रयोग पुरस्कार प्राप्त-क्रिक्त वृक्षीव्यक कृ सहब से हट बीडवार रो पुरस्कार विस्थो-नाटका वै व्यक्तिय में क्षी

रा पुरस्कार ।वस्या—नाटका र बाधवय म ठाव सरीव रो टिक्स्फो : बरत भवन, म्यू बृडू रोड, विने शामें बंबर्-\$6 सोजूका टिक्सफो : सूपर मुजब नांव : भंवरदान क्षारहठ (मदचर)

सिकाः : हायर सैकेन्डी

श्वनम-तिथि शर स्थान : 8-3-1935 ई., फनकली (बाइमेर)

भीज्ञा-काम-यश्यो : वैक-सेवा

हुन्योडी रचनाको : डिगळ. विगळ घर घाधूनिक राडस्थानी गीत, छुंद, कवितावां बाट पत्र-पत्रिकावां में छपी

मशीव हो ठिकालो : गाव-पोस्ट : भनवली, तहसील शिव (बाहसेर-राज.) मौजदा ठिकाणो : स्टेट बैक झॉफ बीकानेर एण्ड जयपुर, गो. समदडी (बाडमेर-राज.)

नोव: भंवरताल नाहटा सिक्षा । साधारण

जनम-तिथि घर स्थान : प्रासीन बदी 13, संबत 1968 वि., बीकानेर भी उदा दाम धम्थो । ब्योगार

... इच्चोडी वोविमां : 1, बानगी (रेखाचित्र-संस्मरण)

2. पदिनी चरित चौपाई (संवादन)

3. हम्मीरावल (संवादन) 4. समयम दर रास पचर (संशादन)

5. विनयचंद्र कृति कुसुमानित (संपादन)

वत्र-विकारों में द्वायोड़ी रचनावां : राजस्थान-भारती, मरुभारती, वरदा, मरवाशी चार में स्टी

सबीव रो ठिकाली : माहटां री गुवाड़, बीकानेर

मीपूदा दिशाली : नाहटा बदसं, 4 जगमीहन मिलाक लेन, कलकला

नोव : भंबरसाल गयार 'ध्यक्तर' सिक्षा : साहित्यरतन, साहित्यालंकार, राजस्थानी साहित पारखी जनम-तिथि घर स्थान : 22-10-1946 ई., बीकानेर मीजुदा काम-घन्छो : ग्रध्यापकी

छ्योड़ी योचियां :तगादी (कहासी-सप्र. 1972 ई.)

पत्र पत्रिकादां में खप्योडी रचनावां : हरावळ, जागती जीत बाद पत्रां में बर काव्यां-जली, मौबितक, माला धाद संग्रै-प्रांथी में

रचनावां छपी दवी सचनावां : राजस्थानी भाषा संस्थान, बीकानेर रा सचिव सदीव री ठिकासी : ईंदगाह बारी, बीकानेर मौजदा ठिकाणो : घपर मुजब

नोव : भंधरसिह सहवाल 'ब्याध्नपरजा' सिक्षा : एम. ए., बी. एड., सा. रहन

व्यवम-तिथि धर स्थान : 2 फरवरी सन् 1937 ई., बजमेर भीजदा काम-चन्यो : सध्यायकी (शिक्षक-प्रशिक्षण केन्द्र) क्टबोडी पोथियां : राजस्थानी कवितानां 'माला' नांव रे सर्थ-पन्य में स्ट्रपोडी

बजी सचनावो : साहित्य साधना केन्द्र, मसदा रा मंत्री सदीव रो ठिकाणी: 71/26 प्रमनगर (नई बस्ती) रामगंज, धजनेर

मीजवा ठिकाको : राजकीय शिक्षक-प्रशिक्षण केन्द्र, मसवा (मजमेर)

नांत्र : भंवरसिंह सामोर सिसा : एम.ए., (हिन्दी)

सनम-तिथि धर स्थान : 15 प्रगस्त 1943 ई., बोबासर (सुजानगढ-चूरू)

मौजूदा काम-यन्यो : प्राध्यापकी

ध्य्योड़ी पोषियां : मरण-स्युंहार (संपादन 1966)

पत्र-पत्रिकावों में शुल्योड़ी रचनावां : मर्वाणी में कवितावां छपी

दूत्री सूचनावां : ग्राकासवाएी पर काव्य-पाठ

सबीय रो ठिकालो : बोवासर (सुजानगढ---चूरू-राज.) मीजरा ठिकालो : लोडिया कालेज, चरू (राज.)

मांव : भागीरच रंगा

सिसा : विशारद (प्रयाग) जनम-तिथि घर स्थान । 1-4-1932 ई., सोडियां (बोनपुर)

मीजुदा काम-घन्धो : राज-सेवा

पत्र-पत्रिकाको में सूर्वाको रचनावा : ज्वाता, प्रवादेवक, सतकार, सेनानी, राज-स्थात-विकास प्राप्त पत्री में रागी पर प्राकास-

स्थान-विकास बाद येत्री में सूत्री बर बाकास-वाली पर राजस्थानी कहालियाँ प्रसारित करी

सदीव रो ठिकालो : वांत लोडियां (कळोदी-जोवपुर) भौतुरा ठिकालो : वंबायत समिति, वोकरण (बैसलमेर-टाज-) नांव : मोनस्त्व अंबोर 'संग्रह'
सिक्ता : मो. ए. (हिन्दी) प्रमान्तर (पंजात), जो. एड.
सनम-तिथि सर स्वान : 5 सन्द्रमर 1912 ई., राजगढ (जूड)
मोजूदा साम-पन्यो : सप्त्यारहो
स्प्योडी योपियां : मूं या मोडी (साथ-1944 ई.) सेस्जीसी (साथ)
दूबी मूचनावां : पत्र-निकावां में राजस्थानी एकांकी स्प्योड़ा-हिन्दी री योध्यां
स्प्योड़ी स्वान्तां : एक-निकावां में राजस्थानी एकांकी स्प्योड़ा-हिन्दी री योध्यां
स्प्योड़ी स्वान्तां : एक-निकावां में राजस्थानी

ध्याना पर भएधरा सबीव रो ठिकालो : मानारियां री घरमसाळा रै वर्ने, सरदारसहर (पूरू) भौडवा ठिकालो : प्रापर सञ्जय

नीर सपुराससार स्वयाठ विचार: सेप्, (हिन्दी), बी.एड, बन्म-निष्ट सर बना : 8 रिनाबर सन् 1927 ई., बस्त्यमनगर (वरवपुर-राज) मोजूस बार-पाचो: शास्त्रपाची पास्त्री (हिन्दी विचाय) स्म्योद्दी घोष्यां: शस्त्रपानी चारणी साहित्य (1959 ई.) बन-बिचावां में सम्बोदी रचनावां: सपुसार्त्र), सोवप्रविचा, राज्यान-आर्थ, सरवाठी, सिमां कार्य, साह वयां में समे

हुदो नुवनाता । साहित्य-पोरिट्यां में बई यावियाच्या दिवा—हिमी थी धनवार्थ भी बाद हुत्रों बई पोरिवा हावार्थे वरोव को रिक्ताची : वस्तावत, 179 धकोकतवर, पोत नावर 12, वरणपुर कोबुका विकारों : हिन्योंचेनों कमता सदस्ता, वस्तावस्तावित, राज, वस्ता

बन्ध्यविष्ठ विद्यास्त्र, माहस्र (मीत्रशहा-रायः)

सिक्षा: एम.ए., पीएव. की., एनएत. वी कतम-तिष बर स्थान: 20 महं स्त 1926 ई., साधोद (जयपुर) बीहुबा स्तार-पारी: प्राध्यापरी (एजस्थान विश्वविद्यालय) द्यांको वीजयां: गोर्स पूमी गोरबी (काव्य) यज-विकासों से स्थानीह स्वायां: महुनारी: महुनती: धमरन्योति, संयुक्त पारस्थान याद पत्रां में स्थाने संय

हत्यां में कवितावां घर निवस हत्या इबी सूचनावां : प्राकासवाली मुं कवितावा-वार्तावो-मीरिजारद प्रसारित-प्रवीट पण-कपावां रो हिन्दी सनुवाद करवी-प्राकासन साहित्य सकासमा मं अवासण-सहसोग मिनयो

सबीब रो ठिकालो : रामकुटीर, गोपानपुरी, दुर्गापुरा रोड्, जयपुरु मौडूबा ठिकालो : मूपर मुजव

लिसा: बी.एससी. ताई जनकतिर्दिश कर स्वान: 22 नवंबर सन् 1929 ई., बोचप्र भीदूत साम्बन्धा : स्वेसार स्वाचेद्रो शीवसा: स्वाचारे (शीत-नाटका) वक विज्ञानों में स्वाचेद्र रक्तावां : भोळसे, स्वत्यानों बीर, स्वत्यान-दिकास सार पत्रों में स्वी—हिन्दी रेवनावां सी बीसां पत्रों में स्वी

बूबी सुबनावां : राजस्वानी गीतां री रेकार मरीजी--फिल्म में गीत निक्या--धानासवाली मूं रबनावां प्रसारत सरीव री डिकामो : 129/1 थ. सरवारपुरी, जोवपुर

भौतुश डिकालो : धूपर मूजब

नांव: मदनमोहन परिहार

नाव : महत्रयोपाल शर्मा

नीव : मदनराज शीततराम मेहता

सिक्ताः एम.ए.

जनम-तिथि घर स्थान : कार्तिक मुदी 14 संबन 1992 वि., जसोस (बाइमेर-राज)

भौजूदा काम-पन्धो : निजी व्यवसाय

पत्र-पत्रिकार्य में एरपोड़ी रचनार्थ : सोध-संबंधी लेल घनेड पत्री में छ्रप्या दूत्री सूचनाया : हिश्ती कवितात्रों करें-'नेपाराज्य' साप्ताहिक रा साहित्य संगदम रेया---साहित्य संगम री पापना करी---वोधपर सेलक संय रा

सश्स्य रेगा सबीव रो ठिकाएो : एस. डी.एम. इन्स्टीट्यूट घाँठ मोरियन्टल रिसर्च, ईंडमाइ रें पोर्छ, जोयपर

मौजवा ठिकाणो : श्रवर मुजब

नांव : मदनसिंह देवड़ा सिक्ता : मैदिक, हिन्दी रतन, (पंजाब)

अनम-तिथि घर स्थान । 2 मगस्त सन् 1923 ई. बम्बाला (पंजाब)

मौजूबा काम-घन्धो : प्राकासवाणी-सेवा

मय-पिकावां में छत्योज़ी रचनावां : हरावळ में राजस्थानी रचनावां घर हुवां हिन्दी पत्रां में हिन्दी रचनावां छत्ती दुवी सुचनावां : घाकासवासी मूं रचनावां प्रसारित — राजस्थान' मासिक स संपदक

रैवा—राजस्थान साहित्य कला संगम, दिल्ली रा संस्वापक घर महामंत्री-दिल्ली प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन घर बासक्र जी बारी रा पराधिकारी रैवा

सरीव रो ठिकालो : राणीवाहो छोटो, तहसील जसर्वतपुरा (जालोर-राम) मौजूदा ठिकालो : 'देवनिवास', प्रजुननगर (डिकोस कोलोनी रै सामने) गई दिल्ली-3 र्नाव : मनोहरताल शर्ना

विकाः सम्बद्धारस

वनम-तिथि सर स्थान : सन् 1908 ई., चूरू (राज.)

मौजदा काम-धन्धो : हिसाब-किताब री जांव

द्वादोडी पोषियां : राजस्थानी गुंज (काव्य-2016 वि.)

सरीव रो ठिकाछो : भूरामल मनोहरसाल शर्मा, ठि. जैतरूप भगवानदास

बावता, चूरू (राज.) मौजूदा ठिकालो : 17/1 वी. नीमतल्ला चाट स्ट्रीट, कलकत्ता-6

्रांव : मनोहर शर्मा

प्रेमा । एम.ए., पीएच. डी., साहित्यरत्म, काव्यतीय

रम-तिथि सर स्थान : घासीज बदी 2 संबत 1972 वि., विसाधू (क्रू भागू -राज)

भूवा काम-बन्धो : साहित्य-सेवा

क्ष्योड़ी वोधियां: 1. घरावली की घात्मा 2. गीतकया 3. मेपदूत (घनुवाद)

4. उमरक्षयाम (प्रनुवाद) 5. कुंबरसी सांखळो (संपादन) 6. कम्यादान 7. रोहीड रा छन 8. लोक साहित्य की

सांस्वृतिक परम्परा

पत्र-पत्रिकार्ती में छल्पोड़ी रचनार्याः मुद्राली, भीळमी, परंपरा, राजस्यान-मारती वरदा, विश्वेषरा, भीध-पत्रिका, हराक्का बाद पत्रा में प्रतेक रचनार्या छपी

दूबी सूबनावी: राजस्थान साहित्य प्रकारमी मूं सनमान मिन्यी—बरदा पत्रिका रो सम्पादन—दो साहित्व पुरस्तार मिन्या—राजस्थान साहित्य प्रकादमी रा सदस्य रैया—राजस्थानी वात-गाहित्य पर

सोव-प्रत्य (तस्यो--राजस्यान साहित्य समिति, विसाध्र रा मंत्री सतीव रो ठिकाको : पो. विसाध् (मूं फर्यू -राज)

सबाब रा ठिकाला : पा. विसाधू (कू क्षत्र्यू -रात्र) मौजूदा ठिकाला : मादूँ स संस्कृत विद्यानीठ, राली वात्रार, बीकानेर नांव : महायोरप्रसाद शर्मा

सिका: एम.ए. (हिन्दी), सा. रत्न, शास्त्री, प्रमावर, पीएच. डी. जनम-तिथि घर स्थान: 4 जून सन् 1940 ई., माजरा (काग्हादास) जिलो प्रतपर मौजुदा काम-पत्रथी: प्राप्यायकी

माजूबा काम-धन्धा : प्राच्यापकी

ष्टप्योड़ी पोषियां : होना मारू रा दुद्दा-एक विवेचन (1967 है.) पत्र-पत्रिकायां में ष्टप्योड़ी रथनाथां : सरस्वती, सा. म. पत्रिकत, शोध पत्रिका, मर्-सारक्षी, वरता, सम्मेनन-पत्रिका, हिन्दुस्तारी साद वड़ा में 6.5 मेंग्न, होय-सेत ख्या

दूत्री सूचनावां : राजस्थान इतिहास परिवर् घर मा. मा. हिन्दी परंपद् सा सस्य-मू. ची. छी. मूं भेवाती माला घर 'हम्मीर' संबंधी साहित्य सी सौप बारत सहायता रागि मिनी--हिन्दी में भी कविता-कहाली निर्य

सदीव रो ठिकाणी : पी. माजरा (कान्हावास-मनवर) मौदूबा ठिकाणी : राजकीय महाविद्यालय, कोटपूनळी (जयपुर)

नांव : महेन्क्युकार पूनि 'क्रवम'
ित्ताः नावारतः
करमः नित्तं पर स्वानः 27 जुनाई, सन्, 1930 ई.,राजम्मेगर (बूड)
बोद्वर्री साथ-स्वाः वेन सामुखाँ रें स्ट रा मुनिया
स्प्योग्नी बोदिर्दाः वयद्व हमायी से सुर (1969 ई.)
वय-विकास में स्प्योग्नी स्ववानां स्वाम्यानी, स्वामोह, समेतृन, सा. हिन्दुम्बन
वार स्वेन कर्षा से स्वानी

दुको मुक्काको : चैन कहालियो स दम भाग घर दूमसे गोवियो हिन्दी में स्मी क्योक सो टिकालो : साहित्य निष्टेनन, ४०९०, नया बाबार, दिन्सी-6 क्योबुक्स टिकालो : सोहनवाल सुन्नकरण दुवड़, सत्रवारेनर (बुट-साजः) नांव : महेन्द्र भागावत तिता । एम.ए.,पीएन. दो, जनम-तिति घर स्वान : 13 नवंबर सन् 1937 ई., कानोड़ (उदबपुर-राज.) मोहुम शाम-प्रभा : सस्यानेवा (मारतीय सोसस्या मंत्रन, उरबपुर) द्वाचोड़ी शेवियों : 1. सोस्ताहर : परण्या घीर प्रवृतियाँ (1971-72)

2. वजाज काव्य-मायुरी (1966-सपाटन) 3. सीकरंग 4. नेतू से कूल मुलाब सी (1971) 5. सीक माद्रम प्रथ्मी (1970) 6 देवनारायण से भारत (1972)7. मोक्टेबता तंत्राजी (1970) 8. मेबाक के रातवारी (1970) 9. ताला मंबाब से मारत (1971)10. साजस्थान के तुर्शिकतंगी (1968) 11. रातवाया को यह (1968) 12. साबस्थान व्यत्साहरी भाग 1 (1961) 13. साबस्थान के रावन (1967) 14. साबस्थान के साबई (1967)

पत्र-पत्रिक । वो में घ्राची हो रखनार्या : 51 नेही पत्र पत्रिकार्या में 400 नेहा क्षेत्र क्षोक-सिक्डिट रा विवस पर छुटा

दूसी सुचनार्वा : 'कोडडला निवयायली' भाग 4,—'कोडडमा घर्ड वाग्निकी घर 'रंगायन' मार्गिक से सवादन—सोक्तगृह्य पर सोध-मन्य निक्यो सरीव से डिकामो : 352, थोडच्युपरे, वरवपुर (राज.) भोड्या डिकामो : आसीव भोड कमा सहन, उदवपर (राज.)

नोव : सायव गर्मा

तिला : एय. ए. (सन्दीति सारण), रिसारद बयर-तिरि या रवार : ड उरवरी छ 1930 ई., युष्ट (स्व.) भोजूस कार-येते : स्वारारी एपोड़ी शेरियो : कूसरी (बीत-1954) नेजर (साम तारिक-1968) वस-पेश्वसार में एपोड़ी रचनार्था : बहुबारी, युष्ट धार वसार्थे स्विता, बहुसरी वस-पेश्वसार्थे में एपोड़ी रचनार्था : बहुबारी, युष्ट धार वसार्थे स्विता, बहुसरी

हूजी बुबनार्था : हिन्दो नाटक, एकांची बाद रवनार्था बर वीवियां यो धरी है सरीव रो डिकाफो : यमिड सदन, कुरू (राज.) बीजुदा डिकाफो : राज. ब. मा. दियाचय, माचयह बाडान, वंतावयह नीव : मानक तियारो 'बग्यु' सिक्का : स्टटर (मानियर), या. रस्त (ययाग) बनम-तिबि घर स्वया : 13 जुनाई सन् 1941 ई., बीकानेर मोनूबा काम-मग्यो : निरक (मा. वि. मं. दोष प्रति.) इस्पोड़ी घोष्यां : यारारमाळ (वास्य) पत्र-पत्रिकार्यो में स्टबोड़ी रचनावां : मधुमती, ल.टेबर, सर्ववाष्टी साद राजस्वानी स सर दूजा सनेक हिस्सी पत्रों से स्वी

दूबी सुचनावां : मुमल पत्रिका रो संपादन—कलानुमंबान पत्रिका रा दो संको रो संपादन—साकासवाली मुं १चनावां प्रसारित

सदीव शे ठिकाणो : पाठूबारी, नयोसहर, बीकानेर मौजवा ठिकाणो : मा. वि. मं. शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर (राज.)

श्वं : मांगीसाल सर्मां
विकाः : एम. ए. (हिम्मे)
वनम-तिषि सर रपान : 15 प्रानं 1935 ई., सोकर (राज.)
शोजूस काम-प्रामो : मध्यापनी
पत्र-विकास में स्रप्योद्दी रचनावो : महुवाणी साद पत्रां में कहाणियां स्रप्योद्दी
वृत्रो सुवनावां—हिन्दों में भी कवितायां सर नहाणियां सिर्ध
स्त्रीव री किलाणी : जळवारियां से गळी, नयोबहर, सीकर (राज)
सीवशा किलाणी : सरस मुजन

मोव : मांगीलाल शर्मा

सिक्सा : मैट्रिक, सा. रत्न, विद्यानरत्न

जनम-तिथि धर स्थान : मगसिर सुदी 10, संबत 1981 वि.

मौजूदा काम-घन्धो : ग्रध्यापको

वत्र-पत्रिकायां में छुत्थोड़ी रखनावां : कवितावां ग्रर ऐतिहासिक एकांकी माद रचनाव मौहृशा ठिकाणो : काण्ड इम्प्ट्रवटर, बुनियादी शिक्षक प्रशिक्षणालय, हु गरपुर (राज.)

नावः मिश्रीमल जैन 'तरंगित्र'

सिक्षा : एम. ए., एलएल. बी., सा. रहन

**वनम-तिपि सर स्पान: 2—7−1915 ई., मेड़**तोसहर (नागौर)

मौजूहा काम-मन्यो : राज-वेवा (विजलो बोर्ड) रा पेंसनर-पत्रकार पत्र-पत्रिकार्यो में खप्योदी रचनार्यो : मर्गुनाणी, राजस्थानी निवंग-संबं साद में

राजस्थानी गण-रवनावां छनी बुजी सूचनार्वा । हिन्दी हास्य-स्थञ्ज्य री 10 पोषियां — पुनवृता नाव रै मासिक पत्र रा संगदक—सानासवाली पर रचनावां प्रसारित

सदीद रो ठिकालो : 743, सरदारपुरी, जोवपुर

मीजुदा ठिकाची : मूपर मूजन

निताः स्नातक जनम-तिथि धर स्थानः 124 प्रगस्त सन् 1942 ई., धनकोतो (नागौर) मीजूब काम-यन्यो : प्रश्नापको

मीजूदा काम-यन्यो : प्रध्यापकी सन्योदी पोथियो : उड़गी गुरत्रो पांत पसार (गीत-1966 ई.) राक्षी (काव्य-1962)

पत्र-पत्रिकादां में खुष्योड़ी रचनावां : धनेक हिन्दी-राजस्थानी पत्र-पत्रिकादां में सेख, कहाशियां धर कवितावां छपी

कहाणियां घर कवितावां छपी दूजी सुचनावां : हिन्दी उपन्यास, गीत घर कवितावां री पोवियां त्यार है---रचनावां

मार्थं कई पुरस्कार भिल्पोड़ा—हिन्दू-मुस्तिम एकता सारू सपेस्ट सबीब रो ठिकाणो : यु. पो. धनकोलो (नागोर-राज.) मोजबा ठिकाणो : राज. मा. विद्यालय, लावडिया (नागोर-राज.)

नांव : मुस्तीधर व्यास

क्षिक्षा : मैट्रिक तक, विवारय (प्रवाग) उरद्-गुजराती रो ग्वान बतम-विधि बर स्थान : चंत गुड़ी 12 सत्त् 1955 कि., श्रीकानेर मोजुबा काम-पंपश्ची : चंत चेवा रा संतन्तर, साहित्य-वेवा छत्योडी सोषियां : 1. राजस्थानी कहायदँ-दो माग (संगरन 1950 ई.)

2. बरसगांठ (कहाश्यियां-1963 ई.)

3. जूना जागता भितराम (रेखाचित्र 1965 ई.,) 4. उज्ज्वन मिण्यां (लोककथा-1964 ई.)

इक्क बाळो (हास्य-1965 ई )

पत्र-पत्रिकावों में छप्योड़ी रचनावों : मरुवाणी, मतुमती, राज्यान-भारती, सांडेसर, राजस्थानी भार पत्रों में भर संब-संपामें संधी

बुद्धी सुचनाचो : मारवाड़ी सम्वेतन चंबई मूं पुरस्कार मिश्शे—राजस्थान साहित्य समारको, उदवपुर सूं स्वर्ण-रक्त प्राप्त - सरव ब्रेटर राजस्थानी साहित्य रो बांठिया पुरस्कार निस्वी—राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (सकारमी) रा प्राप्यत है

सबीव रो ठिकालो : कीकाली न्यासां रो चौक, बीकानेर सीजवा ठिकाको : भूपर मुजब मोव : मुलचन्द 'प्राग्रीश' सिला : प्रमाकर (पंजाब), सा. रतन (प्रगाग), झायुर्वेद रतन (प्रयाग), सिद्धांत प्रमान (पावडीं), जैन सिद्धांत शास्त्री (रतलाम) खनम-तिथि घर स्थान : 1 धगस्त सन् 1925 ई., भन्न (बीकानेर) मी। दा-काम-थन्यो : चनुसंवान सहायक (मा. वि. म. मोष प्रति.) द्यत्योड़ी पोषियां : 1. परदेशी री गोरड़ी (कहाणी-1962 ई.) 2. हियै तणां उपाव ( 1963 ई.) 3. नागदमरा (संवादन-1963 ई.) 4. ग्रेक्लगिड डाढाळ री बात (संपादन-1963 ई.) 5. राजस्यानी रा प्रतिनिधि कयाकार (संपादन-1969 ई.) मीक्तिक (सपादन-1973 ई.) पत्र-पत्रिकावां में छत्वोडी रचनावां : राजस्यान-भारती, मरवाणी, ना. प्र. पत्रिका वरदा, महमारती, मधुमती खाद में लेख, कहासियां भाद छपी वजी सुखनावां : 'जलममीम' नांव र साहित्यिक छापै रा संपादन - धैचारिकी नांव सोच विसवक द्वार्ष रा सपादक-राजस्थान साहित्य धकादमी र सदस्य रैया-- प्राकासवाशी सं रचनावां सलाई शंकरदार नाहुटा पुरस्कार मिल्यो सवीय री ठिकाणी : माम (बीकानेर) भौरवा ठिकाणी : मा. वि. मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बोकानेर (राज.) नांव : मोतीलाल मेनारिया

सिकाः एम.ए., पोएच. डी., साहित्यवाचस्पति अनम तिथि घर स्थान : 1 जुलाई सन् 1905 ई., उददपुर मीजवा काम-बन्धो : राज-सेवा (निदेशक राजस्थान साहित्य मकादमी) रा पेंसनः साहित्य-साधना

छत्योद्री पोचिया : 1. राजस्थानी साहित्य की रूपरेला 2. राजस्थानी मे हिन्दी हस्तिनिसित प्रंथों की स्रोज 3. राजस्वानी माया भीर साहित 4. डिगल में बीर रस 5. राजस्थान का पिंगल साहित्य 6. हालामालां रा कुं बळिया (संपादन) पत्र पत्रिकानों में छत्योड़ी रचनाता : देस रा नांव आदीक पत्रों में घनेक सोच संबंध लेख छप्या क्त्री सुचनावा : केन्द्रीय साहित्य पकादमी, दिल्ली रा सदस्य रैया-उत्तर प्रदेश सर्व

सबीव शे ठिकामी : गरागीर पाट. उदयपर मीजदा ठिकाशी : घपर मजब

सू पुरस्कार मिल्यो-'पृथ्वीरात्र रासी सन्द्रकीप' रा निदेशक

नांवः भोहन द्यासोक

सिक्ताः हायर सैकेन्ड्री

श्वनम-तिथि घर स्थान : 3 जुनाई सन् 1942 ई., गांव-शिसनपूरी (जूरू-राज.)

मौजूदा काम-घथो : नौकरी

पत्र-पत्रिकार्यो में छुप्योड़ी रधनावां : मस्वाली माद पत्रों में 'झांबळा' नांव मूं काव्य-रचनावा सर कहालियां छपी

कुना सुचनावां : जगरखेयाम री स्वाह्यां रो मनुवाद कर्यो—साहित्य परियर्-गंगानगर रा उपमंत्री—रवड़ रो मोहरा मूं छ्प्योड़ी भेषी रा सेलक

सबीव रो ठिकाणो : किंशनपुरो, पो. नरवासी (बूह-राजः) मौजुदा ठिकाणो : 141, एच ब्लाक, श्रीगंगानगर (राजः)

नांव : मोहन मंडेला विक्षा : एम. ए. (हिन्दी). सा. रत्न, बी. एड. जनम-तिथि सर स्थान : 22-6-1933 ई. बाहपूरा ₁मीलवाड़ा–रावस्थान)

मौजूदा काम-पन्यो : शिक्षा अनुसंघान सहायक पत्र-पत्रिकावों में छून्योड़ी रचनावां : मस्वाली, मधुमती, साहेसर बाद पत्रों में बर संब-प्रयो में छून्योड़ी

बुजी सुबनावां । घरती री मांकी, ग्रळगोका, बानगी धाद नावां री पोवियां व्यार है सदीव रो ठिकाणो : कोटार मोहस्लो, साहपुरा (भीतवाड़ा-राज-) मोड़बा ठिकाणो : सपर मुजब नांव : मोहनसास पुरीहित विक्ता : बी. ए. वांईं प्रमाकर (पंजाय), सा. रत्न, राजनीति रत्न (प्रयाग) जनम-तिथि धर स्थान : माह सुदी 14 संबत् 1970 दि., जैसलोर (राज.)

जनम-। ताथ घर स्थान : माह सुदा 14 सन्त् 1970 ति., जसलमर (राज.) मोहूबा काम-थंपी: राज-सेवा (रेलवे लेला विमाग) एरबोड़ी पोषिया: 1. राजस्थानी नीति दूहा (संरादन) 2. राजस्थानी अत कथायें

स्थ्याझ वाविषयः 1. राजस्थाना नात हुहा (सरादन) 2. राजस्थाना छ उ कथाः (संवादन) 3. राजस्थानी प्रेम कथार्ये (सरादन) 4. छूना जीवता वितराम 5. पुगरें 6. इज्ज्वळ मिराया

पत्र-विश्वकार्यां में सम्बोड़ी रचनावां : सबुकती, महत्वाली, महत्वाली, राजस्वान-भारती, बरदा, हगवळ, बोळमी, माद वर्या में राजस्थानी सबेची रचनावां मर हुनी प्रतेक रचनाचां देख रा नावजारीक हिंग्दी वर्या में स्टो

दुनो सुचनावां : साहुल राजस्थानी रिसर्व इन्स्टीटणूट, बीकानेर रा साहित्य मंत्री रैया—पुरस्कार भी लियो .

सबीय रो ठिकालो : भठड़ां रो चौक, बीकानेर (राज.) मौहूस ठिकालो : धूपर मुजय

नांव : यतारतः ससय विकार: एम. ए., वी. एम., सा. १६० अनम-तिष्ट सार नांवा : भताइ मुदी 3 संग्त् 1970 दि., प्रज्ञेर धोनूदा काम-पोपी: राज-वेवा (अन्तरंपर्क विमाग) पत्र-विवासों में प्रायोही दयनावी: हिन्दुरवान, राजस्यान, मस्वाएं। साद वर्षा में प्रायो दुजी सुचनावां: कवि-सम्मेतन में पुरस्कार सिस्थी—पत्रसारिया रो प्रमुक्त

दूजा सूचनावा : काव-सम्मलन म पुरस्कार मिल्ला--पत्रकारिता रा प्रमुक्त सरीव रो ठिकाणो :पौपर मोहस्त्रो, प्रजमेर भौजूबा ठिकाणो : भूपर मुजव

मजिया विकासा : भूपर मुजन

मौब : यादवेन्द्र शर्मा 'चरद्र'

सिक्षा : सामारण

भनम-तिथि घर स्थान : 15 घगस्त 1932 ई., बीकानेर

भौडुदा काम-घम्यो : गृतत्र लेखण

भाइत कामन्यन्या : गृतत्र कलल एचोड़ो पेषियां : 1. हंगोरी किए पीव री (उपन्यास) 2. जोग -सजोग (उपन्यास)

3. तास रो पर (नाटक)

पत्र-पत्रिकार्या में स्ट्रप्योड़ी रचनार्या : मास्त्राणी, हरावळ, मधुमती माद मनेक वर्ग में सरी

हुत्री सुचनावां : हुन्दी रा मनेक उत्त्यास द्वायोड़ी—रावस्थानी हित्स रो सामेश निक्यो—राजस्थान साहित्य समाद्यी रा सहस्य रेशा—राजस्थानी स्राया साहित्य समय स्पर विष्णुहरि कानविया पुस्तकार विस्थी— राजस्थान साहित्य साहस्यो मुं पुस्तकार स्पर समान विस्था—

धाकासवारो मुं रवनावां मुलाई-धावरी धनेक रवनावां गुवरानी

घर बराटी में बनुदिन सबीब से डिकालो : साने री होटी, बीकानेर

श्रीजुदा दिवालो : शुवर मुजर

लोव : थोदोवद सर्वा 'सतुत्र राज्ञाचानी विका : एम. ए., का. एम खरब-निव सर क्या : 24 महबर सत् 1938 है, मृदानतह (वृष-राज्ञ) सोद्गा बात-बम्बो : स्थानीय ख्यादी रक्याची : स्थानीय नोव म् रावश्याची करिनाची स्थाद रो दिवाली : साम्बादिश सो व्यवसाय कर्ने मुशानवह (वृष-राजः) सोदस रो दिवाली : संस्था वर्षार्थी, मनायहर रोड, सौरदेद (साजः) मोव : रचनार्यातह शेखावत शिक्ता : एम. ए., घी. एड., काव्य रहन

बनम-जिबि बर स्थान : 26 जून सन् 1941 ई., काळोपहाड़ी (कू मरापू)

भौजुश काम बन्धो : बध्यावकी पत्र-पत्रिकावों में छुप्योड़ी रचनावां : संध-मित, जतमभोग माद पत्रां में धर माट समितेश, प्रस्थिति धाद सर्प-प्रया में कवित

कहािश्यां पर इतिहास-संबंधी लेख छप दुश्री सूधनायोः पाकासवाएी मूंभी रचनावां प्रसारित —हिन्दी समालीचना पीयी द्वायोदी -राजस्थानी माथा परिषद्, मूं माणु रा सदस्य सबीब से ठिकालो : पो. माळीपहाडी (मूं भाग) भौज्ञा विकाशो । वीरामत च. मा. विद्यालल, वगड़ (मूं फागू')

भोद: १तन साह

सिक्षा: एम. कॉम., एलएल, बी., झा. रत्न (प्री.) जनम-तिथि बार स्थातः 3 मार्च 1941 ई. मू महार्थ (राजः)

मौद्रदा काम-धन्यो : निजी अ्योगार यत्र-पत्रिकाची में दाचोड़ी रचनाची ; भार रे संवादन में निकाळ्योड़े छापै 'लाडे में रायस्यानी भासा री बढातरी साह ह

तेत एपा इशे सुबनार्थ : राजस्यानी मासा सी मानता घर बढ़ोतरी सारू जमालिया

सहोद रो डिटाएो : मुंभणूं (राज) बीजवा दिकाली : 14, बांदनी बीक स्टीट, कलक्ला-13 नांव : रशीद धहमद पहाड़ी

सिक्षा : इन्टर, इन्टर ड्राइ'ग, बी.एस टी.सी.

जनम-तिथि घर स्थान : 2 जुलाई सन् 1937 ई., छीपाबड़ोद (कोटा-राब.) मौजून काम धन्धो : यद्यापकी छत्योड़ी पोषियां : 1. मेरी मसाल (1963 ई.) 2. फलाबार (1967 ई.)

पत्र-पत्रिकावां में हत्योड़ी रचनावां : साप्ताहिक छापां मे छपी दूबी सूचनावां : प्राकासवाणी मूं रचनावां मुणाई—हाड़ोती कवियां रा संब-प्रयां

में भेळी करीजी सबीव रो ठिकालो : पो, छीपाबड़ोद (कोटा-राज.) मोजुदा ठिकालो : राज. मा. विद्या. कवाई (कोटा)

नोव : राखीबान छांगाणी तिक्षा : एम. ए. (संस्कृत), वी. एड.

जनम-तिथि धर स्थात : 6 प्रप्रैल 1938 ई, जैसलभेर (राजः)

मौजूदा-काम-पन्यो : प्रव्यापकी प्रणद्वयो पोवियां : 1. विरहदूत (खडकाव्य), 2. सौन्दर्य प्रविमा (बाटक)

3. मटियाण (सड काव्य) वृत्री सुचनावां : सायुर्णे राजस्थान री बोसी पर सोध करें

बूकी सूचनार्था : बायूएँ राजस्थान रो बोसी पर सोव करें सदीव रो ठिडाएी : छांगाएी पाड़ो, जैनलमेर (राज-) भोलूबा ठिकाणी : ध्रुर मुजव नांव : राधाहरूए समी तिसा : एम. ए. (हिस्टी) अवस्थातिम सुर स्थात : 1 धासन 1938 है.. फुटोटी (जोपप

जनम-तिथि घर स्थान : 1 मगस्त 1938 ई., फळोदी (जोपपुर) भौजूदा काम-पायो : प्रध्यापकी पत्र-पत्रिकाचों में छुप्योड़ी रचनायां : भोळमी, हरावळ, राबस्यानी बीर माद पत्रा

यत्र-पोत्रकावा से क्षय्याङ्ग रचनायाः भाठमा, हगतळ, राजस्याना वार भार पत्र लेख भार दृष्या है कृत्री सूचनावाः प्रयोगिप सबसी रचनावां द्वया पत्रां से छारी है—राजस्यानी भनुव भी स्वार है

सारवार हु सरीव रो ठिकालो : श्रीमाळी सदन, लूली अंत्रशन (ओवपुर) मोजूदा ठिकालो : सी. जी. 33, हाईकोर्ट कोलोनी, ओवपुर

नोव : रापेरयाम क्रीशन सिसा : मैद्रिक, विभारद (प्रयाग)

कनम-तिथि सर स्थान : सावण सुदी 5 संबत 1971 दि , नवनगढ़ (फूं फाणूं) मौजदा काय-संघो : सेती

पत्र-पत्रिकाचों में द्वायोड़ी रचनाचो । नएद-मानज, होळी, खामी दीप संजोबी सुरहणमा खाद क्वित वो द्वायोड़ी

बुनी मुखनावां : हिन्दी री दो पोष्यां छत्योड़ी है सदीब रो दिवालो : बीगल सदन, पो. नवनगढ़ (मूं ऋणूं)

मौजूश ठिहाचो : सूपर मुजब

भाव : रामगोपाल विजयवारीय विकाः : साधारण

जनम-तिथि धर स्थान : नवकर 1906 ई., करौली (राज.)

मौत्रवा काम-घन्धो : कला-साधना

छत्योडी योथियां : राजस्यानी चित्रकता पत्र-पत्रिकावां में छप्योड़ी रचनावां : महवाशी में राजस्थानी कहाशी घर तेल छपा

য়াবে

─हिन्दी लेख भनेक पत्रों में छुच्या दत्री सुचनावां : हिन्दी री कवितावा, कहारिएयां ग्रर रेखां ग्राद री पोथियां खप्योड़ी-राजस्थान साहित्य भकादमी भर जनमंत्रके निदेशालय सुंपुरस्कार

सदीव रो ठिकाएं। : हाईवे होटल, चौडो रस्तो, जयपर मीजदा ठिकालो : प्रपर मजब

सिक्षाः एम.ए. (संप्रेजी) श्रमम-निधि घर स्थान : जन 1934 ई., बीकानेर मौजदा काम-पन्धो । प्राच्यापकी

सीतः रापरेव कावार्ये

द्ययोजी योधियां: सोनै रो सुरत (1971 ई.) क्य-विकास में रहमीकी रचनावां : सनेक पत्रां में बहालियां, कविताबां मर लेख दृष्या

दुको सूचनार्थाः हिन्दी कविटा-संबैधर समीक्षारा सेस भी छन्योड़ा सदीव रो ठिकाणो : जेळ र बुझ बने, बीकानेर शीवरा दिकाची : प्रपर मुजद

नोव : रामनाव ध्यास 'परिकर' सिला: एम. ए., (राजनीति) शिक्षा शास्त्री (मॉस्को)

जनम-तिथि घर स्थान : 15 फरवरी 1929 ई.. बीकानेर मीजुरा काम-यन्यो : राष्ट्रीय सहकारी संघ री सेवा

छत्थोड़ी पोवियां : गीतांत्रळी (धनुवाद) मनदार (कविता-सर्पं) लेनिन काव्य-कुमुमांजळी (धनुवाद), गीत सहकार (कवितावा)

पथ-पत्रिकावों में धुप्योड़ी रचनावां : महवाली, मधुमती, जलमभोम, बरदा, महभा बोळमो. लाडेसर बाद पत्रा में कवितः बहालिया, जातरा-वर्णन छप्पा .

बुधी सुचनार्थाः राजस्थान सहित्व प्रकादमी सुं प्रकासए — सहयोग मिल्यो — ले कान्य-कुसुमांत्रळी पर सोवियत भूमि पुरस्कार मिल्यो-क्सी व मूं हिन्दी में साहित्य रे प्रनुवाद स्नातर रूसी सरकार रे बुलावे

रस गया-वरोप घर दक्षिण एसिया री जातरावां रा व राजस्यानी में स्वार है सदीव रो ठिकालो : सोनविरी रो कवो, बीकानेर

मौतूदा ठिकाणो : मूपर मुजव

भौतुरा काम-घन्छो : मध्यावकी

नाव : रामनिरंजन शर्मा 'ठिमाध' सिला : एम. ए., (मंब्रें की). एम. ए. (पूर्वाई नंस्कृत) बी. एड. जनम-तिथि सर स्थान : सताउ बदी 3, संबत् 1987 वि, पिलाएगी (फू फर

छ्त्योडी पोषियां : टमरकट्ट' (हास्य-1973 ई ) दुशे मुचनावां : बाल सहित्य रो दिन्दो पोणियां लिसी—प्राकासवासी पर रचन

युणाई—हिन्दी रा कहाणी-वयन्यास-नाटक सिख्योडा सबीव रो ठिकाणी : बिरला बाल निकेतन, विसाली (शाब.)

मौजदा ठिकाणो : भूपर मूजव

नौव : रामनिबास धर्मा सिक्षा : एम. ए (इतिहास), प्रमाकर

लनम तिथि घर स्थान : 1 जनवरी 1931 ई., लाडनू (नागोर) मौजुदा काम-प्रची : पुस्तकालयाच्या, मा. वि. मदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर

मानुवा काम-संबंदा : पुरतकालयाच्यस, भागति मोदर सीय प्रोतंच्यान, बीकानर पत्र-पत्रिकावां में छत्री रचनावां : मस्वाणी, जलमभीम, जागतीबोतः मार में

कहाणियां छुरी दुजी सूचनावां : राजस्थानी माया साहित्य संयम सूं पुरस्कार प्रान्त-इडजी राज भर काळमेरवी नांवां सं पोषियां त्यार

सदीव रो ठिकाणो : सोनगिरी रो कूबी, बीकानेर

मौजूदा ठिकालो : मूपर मुजद

भोव : रामनिवास सर्मा 'सर्यक' जनम-तिथि-सर स्थान : 1-9-1945 ई., सत्रमेर मीजडा काम-पत्थो : राज-सेवा (वरिष्ठ निषिक)

पत्र-पत्रिकानों में छुप्योदी रखनानों : मध्वाली, मोळमो, जनमसोम, लाडेसर मार पत्रां में कवितानों मर कहालियों छुरो मर संबे

ष्टंचों में भेळी करीओ दूबी सूचनावों : हिन्दी री कई पोरियों खपोड़ी घर संगदित कर्योड़ी है—माशह-वाणी पर भी रवनावों सुणाई

सुरीव रो ठिकाको : 344 सुन्दर विनास सजमर मौजुबा ठिकाको : सुपर मुख्य श्रंव : चाप्तिवास स्वामी सिक्षाः स्नातक, विद्यारद (प्रयाग) बनम-तिथि बर स्थान : चैत सुदी 10, संबत् 1974 वि., गांव आटवाळी

(यही सजीतगढ-म्हं मागू) भौतरा काय-धन्धो : राज-धेवा रा पेंसनर पत्र-पत्रिकावां में छुन्योड़ी रखनावां : 'विवेक विकास' मासिक में छुन्योड़ी

बुत्री सुचनावां : 'विवेश विशास' शांव रें हिन्दी खाप रो संपादन, सर्वोदयी प्रीढ़ साधारता संगठन रा महासनिव

सबीव रो डिकाको : एक 8, रामकूटीर, रमेश मार्ग, चलोकनगर, जयपूर-3020 मौनुषा ठिकाको । धुपर मुजव

शांव : रामग्रसाव साधीय सिका: एम. ए., पीएच. डी. बनय-तिथि बार स्थान : 1-12-1926 ई., परवत्तार (नागीर) मीनुदा काम-संसी : सम्यापकी (जीपपुर विश्वविद्यालय)

सत्योही वोदिया : 1. राजस्यानी वाधानायं (संवादन) 2. परमुरामनागर (संवादन) 3. शबस्यानी सोधगीत (संवादन)

4. इद्धा न देखी धापली (संपादन) पत्र-पत्रिकारों में दायोही रचनावां : राजावात री धनेक पत्र-पत्रिनावां में हारी बुजी सुबनावां : 'लोकबाहित्य' नांव रे छाउँ को संवादन--हिन्दी रचनावां मी

द्धायोडी-सादासवाली पर वृद्धिनावी-वार्गावी प्रसारित

सरीह से ठिकाली : परवत्तमर (नागौर ) भीजूबा डिकालो : हिन्दी विज्ञान, बोचपर विवर्शनदालय, बोचपर (राज.) नांव : रामपाल रस्ट्र

निज्ञाः सापारस

कनम-तिबि घर स्थान : सन् 1920 ई., यमावली (राजगड-धलवर-राजः)

मौबुद्धा काम-यन्यो : गेती

पत्र-पत्रिकार्या में हृत्योही रचनार्या : मथ-गक्ति, रात्रस्यात टाइम्स झार पत्रों में रात्रस्यानी कविता छुरी

सरीव शे ठिकाको : शांत्र यमावती (शाजगढ्र-प्रसवर-राज,)

मोहूबा डिकालो : मनान नवर 1501, भैंड को रें बने, टिह्नीबाट्टा रो सड़ा, वणुर (सब.)

वीषः रामनिह

क्षिक्षा : एम. ए. (हिन्दी-प्रमेत्री), विचारत्व सनम निवि सर स्थान : 2 फरवरी 1902 हैं, बीरानेर

मोजूदा काय-याथो : देश निवृत्त सत्योशी बोवियो : 1, दोना माक रा दश (नंपारत)

2. वेजि जिनन परमाही री (बराइन)

3. राजायान रा दामगीत ( ")

4. राज्ञलान रामोडगीन ( " )

कुद्रों कुदरायों : हिन्ती हो मीनिक घर दूबी गोर्पियों भी खाँगे—गतनमती पाना है साम्योग्न रा मुक्तार हैंगा—साहब साहमारी दिवसे हार्गती हुई सा निरोधक हैंगा—बतान हिन्दू हिम्मदियालय सा जाधानीह का केफोट हिमाल मा दिसा निरोध को हैंगा—दिसाला है हैंगी

ब कार १९४१मा १ । १८६१ सार १६ का १४० ब बर १९४म्माची सम्मेनन रा बसार्यन हैना

करीय से डिकामी : बाबर हाउम सेट, बीकारेट बीड्डा डिकामी : बाबर मुख्य नांव : रामस्यरूप 'परेश' सिका : हाबर संकेन्ही

थनम तिथि ग्रर स्थात । 10 जुलाई 1945 ई. श्रीमाधीपुर (सी हर)

मीज्बा काम-घन्बी : शब्यापकी

मानूबा काम-बन्धाः सन्यापका पत्र-पत्रिकार्वा में छुट्योडी रचनावाः घोळवाः, जनमधीम, जास्मकारी, मधुमताः,

पत्र-पत्रिकार्य में ख्याड़ी रचनार्था : घोळमी , जनमभीम, मन्नाली माद में ख्यी

दुनी सुचनावां : हिन्दी रचनावां भी कर-पाकःसवाली सूंभी रचनावां सुणाई 'सक्ट' नांव सूंपोदी छत्रण खातर,स्वार-पत्रकारिता में रुचि राखे-कलामारती, वयद रा सचिव

सबीव रो ठिकाणो : परेश निवास, बगढ़ (मूं भागू -राज.) मीजूबा ठिकाणो : भूबर मुख्य

ela : रामेग्बरवदाल धीमाठी

र्मात : रामेश्वरवयाल धीमाळी सिता । एम.ए., (हिन्दी-प्रचंशास्त्र)

तिया । एम.ए., (हिन्दी-पर्धशास्त्र) अनम-तिथि घर स्थान : 5 प्रत्रंस 1938 ई., कराची (सिध)

वनमनताय घर स्थानः २ अत्र मीरश-काम-यग्धीः प्रव्यापकी

द्युष्योद्दी योगियां : हाडी राखी, बाबनी हिमाळी, जनकवि स्थाद (सपादन), पर (संपादन)

पत्र-पत्रिकार्यो में स्थ्योड़ी रखनावां : मर्याली, शिविरा माद पत्रां में मर समें

. में छुत्री दश्री सुबनावां : धार्यनिक राजस्वानी काव्य पर क्षोब कर्रे-हिन्दी पोवियां भी

ह्यो है—'सळवटां' नांव रो महाशी-संग्र' स्वार है सबीव रो डिकाणो : बहारूरो, गांव-पाती, पो. दुन्ताकृ (शसी-राज.)

मौहरा ठिकाणो : सायू (बासोर-राब.)

नौवः रावत सारस्वत

सिक्षाः एम.ए., एलएल.बी.

जनम-तिथि धर स्थान : 22 जनवरी 1922 ई., पूरू (राज.)

मौजूदा काम-घाधो : संगठन सचिव, राजस्थान रेडकाँस छप्योडो गोषियां : 1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी-संगडन)

थ-पाड़ा भाष्याः त. राजस्थान क काव (राजस्थाना-संगादन) 2. भाज रा कवि (संगादन) 3. दळपत विलास (संपादन)

4. महादेव पारवती री वेलि (संपादन) 5. हिमळ गीत

(संपादन) 6. वंसरी (धनुवाद)

पत्र-पत्रिकायों में छुप्योड़ी रसनायां : मस्याती, वरदा, राजस्यान-मारती, मधुमती, लोकसंपर्क, मस्मारती बाद पत्रों में सेख,

कवितावां छुपी इजी सुचनावां : राजस्थान भाषा प्रवार सभा रा सचिव—राजस्थान लेखक सहकारी

समिति रा संस्थापक सदस्य -- राजस्यानी परीक्षावां री सरुपात करी--इतिहास ग्रर हिन्दी साहित्य रो पोषियां भी लिखी ग्रर संपादित करी

सदीव रो डिकाणो : डो 282, मीरा मार्ग, वनीपार्क, जवपुर-6 मीजूदा ठिकाणो : मूपर युवव

नांव : देवतदान चारख विवता : वी.ए., एनएन. थी., एम. ए. (शी.), सा. रात (शी.), प्रमाकर अनम-तिथ घर स्थान : सन् 1923 ई०, मवाणियां (बोचपुर) भीजवा काम-पथी : वकालत

हुन्योड़ी पोरियां: 1. चेत मांतला, 2. नेहरूजी ने घोळवी , 3. घरती रा गीत यत्र-पित्रकार्यो में हुन्योड़ी रचनार्या : कवितार्या महुवाली माद प्रनेक पत्रों में

खप्योड़ी है इसी सुबनावां : समाजवादी पार्टी पा सदस्य है—एकांची नाटक भी निक्या है— साकासवासी वर पर सा. सम्मेननों में कविता-गाठ कर्यो है

सबीव से ठिकाली : मारबाड़ मयालियां (जीवपुर) भीजवा ठिकालो । सपर मुजब

```
शंव। सत्रमणींतह रसर्थत
सिताः एम. ए. (हिंग्सी)
धनम-तिथि सर स्पानः 1-4-1933., जाळसू कतां (नागीर)
शोजुरा काम-याणीः प्रध्यापकी
सुत्योही गोविधां : 1. नियमर (संबं-प्रंय में खुरी 1958 र्र.) 2. रसाळ
(1968 र्र.)
```

(1900 द.) पत्र-पत्रिकाचों में छ्योड़ी रसनाकों : मस्वायों, मोळमो, राजस्थानी बीर माद पर्व मर संग्रे-पंथा में छ्यी इसी सुवनाबों : सासास्थायों सुं रचनाबों सुखाई—म. मा, कवि सम्मेलना में

दूत्री सूचनावो : श्लाकासवास्त्री सूं रचनावो सुसाई—म. मा. कार्व सम्भलन वही—पूमल नांव सूं पोषी स्वार है सबोब रो ठिकासो : जाळधुनलां, पो, जाळसु नामक (नागोर~राज.)

मोजूबा ठिकालो : भेरू दा, जाया देवाला (नागोर-राज.) नाव : सक्ष्मोकुमारी पूंधावत सिका : साधारण

जनम-तिथि घर स्थान : देवगढ (उदयपुर) मौजूबा काम-धन्यो : राज्य समा श्री सदस्य

छुलोड़ी पोवियां: 1. मांभल रात (कहालियां) 2. रित ठाकर री बाता (मनुवाद) 3. मयोक्क बातां 4. गिर मूंचा मूंचा गढ़ां 5. कह चरुता बात 6. संसार री नामी कालियां 7. राजस्यानी से

संबह (संपादन) 8. राजस्यानी लोकगीत (संपादन) 9. पूर 10. बीरबांश (संपादन)

पत्र-पत्रिकावों में छप्योड़ी रचनावां: मध्वाणी, मध्यारती, राजस्थानी चीर धा धनेक पत्रों में कहाणियां मर लेख छप्या

दूबो सुवनावो : बगड़ावत सोक काव्य रो संपादन चालू—हिन्दी री पोषिया सं तिसी—केन्द्रीय घर राजस्यान साहित्य धकादमी रा सदस्य—

राजस्वान विभान सभा रा सदस्य देवा—राजस्वान कांब्रेस र धायार देवा—जावान, इस साद देवा रो जावटर करो—सीवस पूर्वि पुरस्कार मिस्सी—राजस्वानी माता री मानता साह कोशीस

करों करों सहोब रो डिकालो : सहयोगिवास कटिंग, बनदील मार्ग, बनी पार्क, बनपुर-6 भौजहां डिकालो : मुपर मुजब

1

वांव : सक्सीनारावण संती सिन्ना : एम. ए. (हिन्दी), वी एक. बनम-तिथि घर स्थान : 25 हिमंबर 1935 ई., मोदेहा पी. मामानेरी (त्रयपुर) सीतूबा काम-पाथी : प्रधापकी घरणपूरी योजियां : कविनावां घर सोट-कवावां निश्ती है सरापुरी रेडिकामी : गाँव-मादेहा, पी. मामानेरी (वांदीकुई-वयपुर-पात्र.) मीत्रसा टिकासी: पार-मादेहा, पी. मामानेरी (वांदीकुई-वयपुर-पात्र.)

बांच : स्वाबोताहर बायोव विकार एक. ए. मी. एक. क्का-निर्देश करावा : 23 स्वावन नन् 1932 ई., बु'र्डा (एक.) बोह्य बाम-बायो : दुवक संगोवक, नेहर दुवक केंद्र, बु री (साव.) क्वा-निर्देश केंद्र स्वाची रचनाची : बपुमी, हुगवट साव वार्त स्वा से स्वी सर्व नं क्या में बंद्री क्या केंद्री स्वाची केंद्री की ती

श्वार है करोब से टिकालो र बूंची (शक्) बोदश टिकालो र सार बुदव

122

नाव : लालसंकर हु गरजी जोशी

सिक्षा : एम. ए., (हिन्दी-संस्कृत), पीएन. ही.

बनम-तिथि घर स्थान : 20 जनवरी 1918 ई., बमासा (हु'गरपुर-राज.)

मौजूरा कान-घण्यो : प्राध्यापकी पत्र-पत्रिकालों में छुप्योड़ी रखनावो : विशाल भारत, राष्ट्रवीसा, पाँकलोर, राजस्था

पव-रावकाया स ख्रम्याझ रखनावा : विशाल, भारत, राज्द्रवाला जानकार, राजस्या भारती, पविक, महस्रारती, सन्दर्शियु, नंदर सावा साढ पत्री में साधा-साहत, बागडी लोग

संस्थिति झाद घनेक विसमां पर लेख खऱ्या दूजी सूचनावां । बागड़ी बोनी, साहित्य, व्याकरण घर संस्थिति पर खासा काम करयोडी है—सोध-ग्रन्य भी लिख्यो है—सोध खावां रा निर्देतक

कप्योड़ो है—सोध-प्रत्य भी लिख्यो है—सीप छात्रां रा निर्देशक है—छात्र जीवरण में प्रतेक संगठनां रा धनेक पदां पर रैया—कई

पदक घर पुरस्कार भी पढाई करवा बलत लिया सबीव रो ठिकाणो : वसासा (हुंगरपुर-राज.) भीजवा ठिकाणो : गांबीवाडो, मोडासा (गुजरान'

मांव : विजयशन देया

सिक्ता: एम. ए. (प्री.-हिन्दी)

जनम-तिथि ग्रर स्थान : 1-12-1926 ई., बोरू दा (जोबपुर)

मौजूबा काम यन्यो : निजी संस्था री शेवा ध्यमोडी पोवियो : 1. बातां री धूलवाड़ी (धनेक भाग) 2. साहित्य भीर समात्र

वाता रा फुलवाड़ा (ग्रनकः
 तीडोराव

पत्र-पत्रिकावों में छत्थोड़ी रचनावां : प्रीरणा, परंपरा, बाणी, लोक संस्कृति नांबा पत्रों में कहाणियां छवी

दुओ सूचनावां 1 त्रोक संस्कृति नांव रे खापै रो संपादन करें — स्पायन क्षोप संस्था रा पदाधिकारी है — राजस्थानी लोक-क्यावां में माप री बोली

नियः सरोद रो ठिकालो : बोरुंदा (बोधपुर)

मौबूबा ठिकाणी : मूपर मुजब

नांव : विनोद सोमाएं। 'हुंस' विस्ता : एम, ए., ए. एक. धाइ. धाइ. व्यवस्तिष बर स्थान : 4-11-1938 ई., महेन्द्रगढ़ (भीतवाइन) मौजूरा काम-पंथी : जीवन बीमा निगम 'से सेवा

पत्र-पत्रिकावां में स्ट्योड़ी रचनावां : मस्वास्त्री, मयुमती, जलमभीम, हरावळ, जागती जीठ, मूमल धाद पत्रां में स्त्री

द्नी भूचनावां : हिन्दी उपन्यास घर कविवावां री पीयियां छ्योड़ी—प्राकासवाछी सूरवनावां सुणाई—राजस्यानी साहित्य सम्मेनन, बोवपुर रा सदस्य

सबीव रो दिकाणो : 61, नहर मोहल्लो, धन्नभेर (राज.) मौनुदा ठिकाणो : मूपर मुजब

वांत - विवित्र जारोसी

तितता : बी. ए., सिद्धांत एवं साहित्य विचारद, सी. तिव. एससी, जनम-तिथि कर स्थान : 2-1-1933 ई., कामोड़ (चदयपुर) भौतुत काम-यन्ती : पुस्तकासमाध्यत पत्र-पत्रिकासी में प्रत्योदी रचनावी : करवाणी, मणुमती, हरावळ, राजस्थान-विकास साथ सनेक यनो में सरी

क्षाचे स्वयन्ताचां। हिर्मों करियावां री स्वर इना विश्वा री पोषियां एते—कई पर्यो सर पोषियां रो शंपारत कर्षयो—गोशांत्रको रा हुल संता रो प्रतुवाद कर्ष्यो—सनेक संत्र-चंपां स्वरातां स्वराह-सन्तर प्रांतीय कलार साहित्य परिषद् रा सदस्य

सबीव रो ठिकालो : कानोड़ (उदयपुर) भौड़ूबा ठिकालो : बवाहर विद्यापीठ, कानोड़ (उदयपुर-राज.) बाब : विश्वताथ शर्मा 'विमलेश'

सिक्षा : एम.चो.एल., सा. रत्न, साहित्यालंकार

व्यवम-तिथि घर स्थान : 5-4-1927 ई., कूं मालू (राज.)

मौजूदा काम-चत्यो : प्राध्यापकी

ख्योड़ी वीविर्धा : 1. सत्तनकवाली 2. छेड़सानी 3. कुवरखी 4, टडकीली 5. गीता 6. रामकथा 7. नीरस मे रस हास्य

पत्र-पत्रिकावां में छत्योड़ी रचनावां : मध्याणी माद मनेक पत्रां में हास्य कवितावां छत्री

दूत्री मुचर्गवा : हिन्दी कविदावां री पीषियां भी छुगी है—साकासवाछी सूं घर ध. भा. कवि-सम्भेतनों मे रचनावां सुणाई—राजस्थान साहत्य

प्रकादमी, उदयपुर गर मारवाड़ी सम्मेलन, बंबई सूं पुरस्कार निल्या सबीव रो ठिकाछो : पानि कुटीर, फूंभगू (राज.)

मोव : विश्ववेदस्यवाद सम्मी 'विकासी'

विका: एम.ए. (तमात्र गास्त्र-राजनीति नास्त्र), मी. एड. सनमःतिथि सर स्थान । 7-2-1934 ई., मुत्रानगढ़ (पूरु-राजः)

मौतूरा काम-पन्धो : मध्यापकी सप्योक्षे वोषियां : स्टेंबड्डी (1963 ई०)

मौत्रा ठिकाणो : मूपर मूजब

पत्र-यजिकानों में रहन्योही रखनानों : मरवाणी, राजस्थानी वीर बाद पत्रों में सनेक रखनानों ग्रामी

सरीब सो डिकालो : विवेद कुटीर, सुवानगढ (बूर-रावः) मोबदा डिकालो : घपर मवब मांव : वेदय्यास सिक्षा : बी.ए., सा. रत्न

बनम-तिथि घर स्थान : 1-7-1942 ई., मीरपुर सास (विथ-पाकिस्तान)

मौजूबा काम-पन्धो : बाकासवाणी-सेवा

छुप्योड़ी पोषियाँ: 1. कीडीनगरी (गीत) 2. परमवीर गामा 3. धरती हेनी मार्र 4. गांधी प्रकास 5. साज रा कदि (संपादन)

मार 4. गांधो प्रकास 5. ग्राज राकवि (संपादन) 6. राजस्थान के लोक तीर्षे (संपादन)

पत्र-पत्रकार्यों में घृष्योड़ी रचनार्या : मस्त्राणी, घोळमी धाद धनेक पत्रां में करितार्या पत्र-पत्रकार्यों में घृष्योड़ी रचनार्या : मस्त्राणी, घोळमी धाद धनेक पत्रां में करितार्या

द्वारी सूचनावो : भाकासवारों) मूं भनेक रचनावां मुखाई---शंकर कुशा री कवितायों रो राजस्थानी भननाद करयो ---साहित्यक संगठना में रिव रागे

सदीव रो ठिकाछो : मूली जंदरान (जोधपूर-राजः) मोजुदा टिकाफो : घारासवाली, जयपूर-1

सास - पालिकाल क्रविया

नाव : शक्तियात्र कविया सिक्षा : एम.ए., (हिग्दी) पीएच. को,

समय-तिथि घर स्थान : 17 जुमाई सन् 1940 ई., बिराई (शेरणह-श्रीपार) भीजवा साम-धन्यो : प्राध्यापको (श्रीपार विकासियानय)

माजूबा काम-धान्या : प्राच्यापका (जायपुर । वरवावय कृत्योको कोवियां : सोदायमा (संपादन 1966 ई.)

रंगमीनी (संपादन-1965 ई.)

काश्य कुमुच (संरादन-1966 ई.) मासीग्) (संरादन-1963 ई.)

पत्र-पत्रिशां में राप्योही रकतां हो। महागाणी, मसुनती, आण्डाणी माद वर्षों में ध्वी वृत्री मुक्तां हो आंकावताणी मुं रकतां मुणाई—हिमव के देतिहानिष्ट प्रस्थ कार्य-नाय को मोध-नाय तिमयी

सबीव शो टिबाली : बांव बिसाई, बी. सटाव्वर (बीयपुर-राव.) मौमूबा टिकाली : हिन्दी विभाग, जोवपुर विश्वविद्यायन, भीगपुर मांव : शसीन्द्र उपाध्याय

सिक्षा : बी.ए., सा. रतन बनम-तिथि घर स्थान : 13 घगस्त सन् 1933 ई., घटरू (कीटा)

भीजश काम-धन्यो : राज-सेवा (रेलवे)

पत्र-पत्रिकावां में छुत्योड़ी रचनावां : मर्वाणी, मधुमती घाद पत्रां घर संग्री-प्रंथां कहासियां छपी दुवी सूचनावा : हिन्दी कहालियां घर उपन्यासां री 6 पोषियां छपी--राजस्य

साहित्य प्रकादमी रा सदस्य रैया-प्रकादमी सं पुरस्कार मिल्पे सोनं रो तकमो भी मिहयो सबीव रो ठिकालो : घटरू (कोटा-राज.) मीजुदा ठिकालो : पोस्ट ब्रोफिस रोड, भीममंडी, कोटा (राज.)

नोव : राम्भसिष्ठ 'मध्' सिक्षा : स्नातक, विधिद्यात्र

जनम-तिथि घर स्थान : 27 धगस्त 1946 ई., सदयपुर (राज.) भौत्रा काम-यायो : प्रखवारनवीसी पत्र-पत्रिकार्या में दृष्योड़ी रचनावां : मधुमती, प्रीरणा, कीलाहल साद पत्रा में गी

कवितावां छवी बुजी सुवनावां : विद्यार्थी जीवता में सनेक पुरस्कार प्राप्त-प्रनेक सामाजिकः साहितियह सस्यावां सं संबंध राखं

वरीद रो ठिकाको : दिवया रो मोहरो, गर्छ स घाटी, उदयपुर (राज.) भोत्रा ठिराणो : मुपर मुजन

नीव : बास्मूरितह् मनोहर सिक्षा : एम.ए., एसएस. बी. जनम-तिथि सर स्थान : 11-2-1929 ई., पालराधेड्डा (मदशोर-म. बरेश) मोजूब काम-पथ्यो : प्राप्यापकी (राजस्थान विश्वविद्यालय)

छप्योड़ी पोषियां : ढोला मारू रा दूहा (संवादन-1968 ई.) मीरां पदावली (संवादन-1969 ई.)

बीर सतसई (संपादन) पत्र पत्रिकावां में छत्योड़ी रचनावां : ना. प्र. पत्रिका, सरुमारती, ग्रोथ पत्रिका, सरस्वती, परम्परा, जीला ग्राद पत्री में सोष

संबंधी लेख ख्र्या दुखी सुचनावा : 'रतन महेसदाक्षेत री वचनिका' रो पाठ-संपादन कर्यो--

ष्माकासवाली सूंसमोदावो प्रसारित करी सदीव रो ठिकालो : गांव-मादवा (जयपुर) भीजदा ठिकालो : श्रीसवाई सदन, जोवनेर वाग, जयपुर

नांव : श्याम महर्षि

सिक्षा : बी. ए., विद्या विद्यारव, वैद्य विद्यारव, राजस्वानी साहित विसारद वनम-तिथि धर स्थान : 7 प्रवहबर सन् 1943 ई., रतनगढ़ (राज.)

सनम-तिथि धर स्थान : 7 प्रश्तूबर सत् 1943 ई., रतनगढ़ (राज मौजुदा काम-धन्धो : राज-सेवा (राजस्व विभाग)

ध्यमोड़ी पोषियां : काव्यांत्रळि (संपादन-1972 ई.)

पत्र-पत्रिकावों में स्प्योड़ी रचनावां : सेनानी, जागती जीत, हेवी घार पत्री में छ्री दुत्री सुचनावों : भारतीय साहित्य सम्मेतन, राष्ट्रमाया प्रवार समित, राजस्थानी साहित्य सम्मेतन बाद संस्थावां मूं संवय रार्त —राजस्थान हिन्दी

साहित्य सम्मेलन, बोकानेर सु 'साहित्यावार्य' री बनावि प्राप्त सवीव रो ठिकाणो : महाँव चिकित्सासय, श्री हुंगरगढ (युक्-राजः) मोडसा ठिकाणो : मगर मुबब मीद : रयासमुन्दर दुरोहित 'बोरत' दिखा : एसर, बीरएन, घार्डमीडी. नवम-तिष घर स्थान : 25 जुवाई छन् 1933 ई., जेस्तमेर (राज.) भोदूस साम-पान : प्राथावडी स्व-बीतवास में एप्योड़ी रखनावां : लावेतर, बे रखा, मर्वाणी घार पत्रों में छूरी दूसी सुकतावां : पाराधवाणी मूं रचनावां प्रदारित—कविन्हमंगेलता में कवितान्याट स्वीच रो ठिकालो : ज्याणी पान्हे, मंदी, जेस्तमेर (राज.) भौवत किलालो : धपर सब्ब

भीव : धीक्त्म (बरनोई मित्रा: एम ए., (हिन्दी) बी. एड. कबन-तिरि सर स्वात : 15 जुन सन् 1939 ई., जबसिंहदेसर मगरा (नोसा-बीकानेर) भीड्रा काम-धार्था : प्रध्यापकी

म्पूर्ण भाषाचार्याः स्थापनाः स्थापे सं सं सं सं स्विता ह्या स्थापेते योजियाः भाक्षां नाय रे सं सं सं स्विता ह्या स्थापेत्र स्वता ह्या स्थापेत्र स्वता स्थापेत्र स्वता स्थापेत्र स्यापेत्र स्थापेत्र स्यापेत्र स्थापेत्र स्थापेत्र स्थापेत्र स्थापेत्र स्थापेत्र स्थापेत

नांव । धीनन्द्रशय

सिक्षाः बी.ए., विद्यारद, साहित्पपूरण

बनम-तिबि झर स्थान : 19 मार्च सन् 1906 ई., डोडवाली (नागीर)

मौजूबा-काम-घन्धो : राज-सेवा (प्रधानाध्यापक) रा पेंसनर

पत्र-पत्रिकार्यों में दुष्योड़ी रचनार्या : राजस्थानी, राजस्थानी बीर, लाडेसर बाद पत्रों में घर संब्र-प्रंथों में कहाशियां छत्री

भ्राणुद्धपी पोषियां : राजस्थानी कहाणियां, समुख्यावां, नई कथावां बर एकांकी नाटक रो 5-6 थोवियां

सबीव रो ठिकालो : सादल कोलोनी बोकानेर

भौजदा ठिकाणो : मपर मजब

माव : धोनंदन चतुर्वेदो सिक्षा: एम. ए., बी. एड.

जनम-तिथि घर स्थान : 19 प्रवहूबर 1936 ई., कोटा (राज.)

मीजवा कास-बन्धो ! मध्यापकी

वत्र-वित्रकार्या में खत्योड़ी रखनार्या : हाड़ौती हु कार, चिरम्बरा भार पत्रां में मर शहीती रा कवियां--सेसकां रा सर्प-प्रत्यां में

पत्र-गत री रचनावां सपी

बुजी सूचनावां : हिन्दी रचनावां भी कर्-मारतेन्दु समिति, कोटा रा प्रविकारी, विदम्बरापतिकारा प्रबुषु संगदक

सबीय रो ठिकाणो : 17/319, बजाजखानो, पंटापर, हाकोत पाड़ो, कोटा-6 मौजदा ठिकारको : मपर मूजव

नोव । थोमंतकुमार व्यास सिकाः सा. रत्न. प्रमाकर

जनम-तिथि घर स्थान : 3-12-1927 ई., लाडन् (नागौर) मौबुदा काम-पन्थो : राज-क्षेत्रा (नगरपालिका प्रधिकारी)

मोनूबा काम-पन्धो : राज-सेवा (नगरपालिका घषिकारी) क्योड़ी पोविया : मळगोजो (संपादन), पूजारा क्रूल(संपादन),वागां रा क्रूल (संपादन),

थ्यारह राजस्थानी एकांकी, राजस्थानी हास्य एकांकी, राजद्वत, मेनत मूळके, घरती यारी है, राजस्थानी लोक कथावा, ज्यार टकां री ज्यार बाता, धन ग्रीर घरती, स्पेतल मीटिंग

दूबी सूबनार्याः एत-पत्रिकार्या में घर रेडियो सूं भी रवनायां छपी घर सुलाईबी सदीव रो ठिकालो : व्यास कुटीर, लाटनूं (नागीर) भौडदा ठिकालो : मंडावा (मंभरणं—राजः)

मांव । श्रीलाल नयमतजी जोशी सिक्ता : वी.ए., प्रमाकर

अनम-तिथि धर स्थान : मार्थ सुदी 7 संबत् 1978 वि., बीकानेर

भोजुदा काम-प्राथो : राज-सेवा (रेसवे)

ष्ट्रचोड़ी पोषिया : मार्न पटकी (1956 ई.) सबड़का (1960 ई.) घोरां रो घोरी(1968 ई.) घापणा बापूर्ण (1969 ई.) परव्योड़ी कंदारी (1973 ई.) एक बीनणी यो योग (1973 ई.)

राजः मश्चिमाळा (संपादन)

षत्र-पत्रिकाकों में छूत्योड़ी रखनावां : मरुवासी, लाडेसर, सरवर, राजस्थानी बीर माद पत्रां में रेखाबित्र, निबंध माद छप्या

दूनो सुबनाचा : साहुत राजस्थानी रिवर्ष इस्स्टीट्यूट. बीकानेर, सर्वोदय साहित्य संस्थान, बीकानेर, राजस्थानी मार्श धर्मिति, बीकानेर रा मिरानारी रैया-स्थार परीक्षा सिबन, राजस्थान भावा-प्रचार छता, खबपर घर मारव सिबन, राजस्थानी माथा साहित्य संगम

(प्रकारमा), श्रीकानेर-1965 ई. में बाठिया पुरस्कार मिल्यो

सबीव शे ठिकाणो : सोनिगरी चौक, बीकानेर मौजूबा ठिकालो : मू पर मुजब मोव : शिव पांडे

सिद्धाः राजस्थानी साहित विधारद जनम-तिथि बार स्थान : 5-11-1931 ई., बीकानेर

भीतूबा काम-पन्थो : पानिक-पेवा (वर्कताँव पेंटर)
प्राप्तिके राज्यो : पानिकार पानिक पेंटर से प्राप्तिक प्रमुखी कई पोषियां में छ्वी है—

अञ्चलका नाम र का म अस्तु के का सायमा म हाता हु--अञ्चलका नाम र कि से एक पोषी ग्यारी भी हाती है
दूजी सुचनावां : भारतीय निवास मिन्दर शोध प्रविष्ठान सुं संबंध राज्ये—कवि सम्मेलनो
में कवित्रशास करें

में कविता-पाठ कर सबीव रो ठिकाणो : मोहल्लो हबूमान हल्लो, भोकानेर (राज.) मौजूदा ठिकाणो : घपर मुजब

नांव : शिवरांव छंगाची सिक्षा : एम.ए., बी.एड.

सनस-तिथि घर स्थान : 21 नवंबर धन् 1938 ई., बीकानेर सोनुदा काम-पायो : पच्यापडी (सीनियर टीवर) इस्पोदो योवियो : विस्वार (रेलाचित्र)

यज-बिकाबों में प्रत्योदी रबनावों : बरनायी, राजरवानी-बीर, मयुबती, बातावर धार पर्यो में घर 'मळनोत्रो' जांव रें संकैतव में प्रती सरीव को डिकालों : नरपुनर वेट, बीहानेर

मोदूरा टिकालो : भूपर मृज्य

```
नोव : शिवसिंह चीयल (सीरवी)
सिक्ता : मैटिक, विशारद (प्रयाग), जे.टी.सी.
धनम~तिथि धर स्थान : 12–7-1921 ई., भावी (जोधपुर)
भौजदाकाम-धंघो: झध्यापकी
घणध्यी योषियां : 1. राजस्थानी लोकगीत भाग-2 (1962 ई.)
                2. गृह महिमा (2009 वि ) 3. माई मानंद दिलास
                (2003 fr.)
पत्र-पत्रकावां में छत्योडी रखनावां : सहवाली, सहमारती, राजस्थान-भारती,
                                वरदा, ना. प्र. पत्रिका, सरस्वती, सम्मेलन-
                                पत्रिका साद में स्पी
दुत्री सूचनावां : सीरवी जाति रो इतिहास घर दूत्री पोवियां भी छ्वी है
सदीव रो ठिकालो : चोवलां री गवाड़ी, मालरिया र करें, पो. भावी (ओपपूर-
                 राज.)
मौजशा ठिकाणो : च. स. ते. राजकीय माध्य, स्कल भावी (जोधपर-राज)
नोब : सरयनारायल 'द्यमन'
सिसा : बी. ए. (श्रंप्रेजी), प्रमाकर, सा. रस्त, बान्यालंकार, कान्यमतीयी
बनम-तिबि बर स्थान : मंगमिर बदी 7, संबन 1983 वि., श्रीहवाणी (मरतगढ-
                      बीकारेर
 भीत्रदा काम-पांची : धाकासवाछी-देवा
 ह्राच्योडी वोविया : सीसदान (काध्य-2018 वि.) पु'टिया (हास्य-2018 वि.)
                 मंदार (मधन-2011 वि.)
 वत्र-पत्रिकावां में शुष्योही रखनावां : मरवाली, मयुमती, लादेसर, जलमभीम, धोळणो
                                 द्वाद पत्रों में छती
 वृत्री सुचनावी: ब्राहासवाही पर राजस्वानी रा बनेक प्रोशाय करें-वृत्रि सम्मेननां
              में दिवा-राठ करें
 सरीय रो डिकालो : बीडवालो, पी. मोक्तसर ,
  भीवंश दिखाली :
```

मांव : सरयनारायण स्वामी सिक्षा : ग्रेम. ए., पीएच. हो., राजस्यानी साहित सिरोमणी वनम-तिथि बर स्थान : 2-5-1938 ई. बीकानेर

मीजूदा काम-यन्थो : राज-सेवा (स. पुस्तकाध्यदा, राज. राज्य झमिलेखागार, बीकानेर)

पत्र-पत्रिकार्यो में छप्योड़ी रचनार्था: विश्वभारती पत्रिका, राजस्थान भारती, मधुमती, सा. हिन्दुस्तान, वैवारिकी, मह भारती

घाट में देख स्था दुवी सूचनावा : 'जागतीओत' रो संपादन कर्यो-गाजस्यानी व्याकरल पर सोव कर-महाकवि समयमुन्दर र राजस्यानी साहित्य पर सोध कछ

सहीव रो ठिकाएरे : जस्तुसर दरवार्ज मांयने, बीकानेर मीजुदा ठिकासो : भूपर पुजब

मांव : सस्पप्रकाश माहनलाल जोशी

सिक्षा : एम. ए., (हिन्दी), नाट्यशास्त्र डिप्लोमा क्रतम-तिथि सर स्थान : 20-3-1926, जोबपुर मौजदा काम-धन्धो : प्राध्यापकी

छत्योडी पौषियां : राघा ( 1960 ई.) दीवा कांप क्यू, बांबी (मनुवाद)

लस्कर ना यमें ( 1969 ई. ) बोल मारमको (1973 ई.) पथ-पत्रकावां में छप्योड़ी रचनावां : मधुमती, राजस्थानी बीर, जलमभीमा मोळमी, मर्वाणी माद पत्रां कर दूजा संग्र-प्रदेशी में

कवितावो छपी

दूशी सूचनावां : 'हरावळ' पत्र री मापना घर संपादन -हिन्दी रचनावां री पोषी भी छपी सदीव रो ठिकालो : मकराला मोहस्तो, जोवपुर मोज्बा ठिकाहो । सूरव कुटीर, माथे रोड, मालाड, बंबई 64

मांव : सत्येन जोग्री सिक्षा : इन्टरमीडिएट

श्रुतम-तिथि श्रर स्थान : 2-10-1934 ई., जोषपुर

मौजूदा काम-एंबो : राज-सेवा (वरिष्ठ लिपिक)

पत्र-पत्रिकावां में छ्त्योड्डी रचनावां : मरुवाली झार पत्रां में कवितावां छपी दूको सुचनावां : माकासवाली मूं कवितावां सुलाई—हिन्दी रचनावां भी करें— 'कवळ-पत्रा' नाव रो उपन्यास स्वार है

सदीव रो ठिकाणी : बोतियां री खटकळ, मीसबी रो मोहल्लो, जोधपुर (राज.) मोहूबा ठिकाणी : मूपर मुजब

नांव : सवाईसिंह शेलावत

सिक्षा: सामारएा

जनम-तिथि घर स्थान : जैत बदी 9, संबत् 1984 वि., घमोरा (मूं माणू -राज.) मौहूबा काम-धंदी : प्राकाशनास्त्री-तेवा

छत्योड़ी पोषियां : 1. सैतान सुजस (संपादन-1964 ई.)

2. वीस प्रकास (संवादन-1965 ई.) 3. गांधी भाषा

4. चित्तीड़ के जीहर व शाके (1968 ई.)

पत्र-पत्रिकावों में छायोड़ी रचनावी: संघ-मन्ति, मनुमती, मरुवाली, लाटेसर, धोळमी, जवनमोम, जाएकारी साद पत्रों में घर देत रा हुवा सनेक दैनिक, सार्शाहिक मासिक, पासिक पत्रों में भी रही

दूबी सुबताबां ; सन्यार्थं सर संयन्धिक से संपादन कर्यो—प्राकासवाली पर स्वताबां सुलावं-राजस्थानी भाग साहित्य संप्यात्पकारमी), श्रीकानेर सासस्या—राजस्थानी साहित्य सन्येवन, जीवपूर रा प्रविकारी

सदीव रो ठिकालो : धमोरा (नवलगड़-मू मल्यू-राज.)

मौजूबा ठिकाणी : धाकाशवासी, जयपुर-1

नाव : संवानतिह राए।वह सिझा : एम. ए. (हिम्दी)

कतम-तिथि घर स्थान : 5-7-1939 ई, कारोही (मीपवाड़ा) मौजदा काम-पन्धो : प्राध्यापकी (भू. नो. कामेज, सदयपुर

वत्र-पत्रकावों में छत्योड़ी रचनायो : मरुवाली, मयुमती, संय-शक्ति बाद वर्ग में काव्य-रचनावां खपी

दूत्री सूचनावां : रात्रस्थान साहित्य प्रकादमी री कहाली पुरस्कार (प्रथम) 1964 €. # (###)

सबीव रो ठिकाणो : शिव निवास, कारोही (मीलवाडा) भौजूबा ठिकाणो : धध्यदा, हिन्दी विमाग, मुराल नोवत्त काँलेज, तदवपुर (राज.)

विभा : साधारम जनम-तिथि बर स्थान : 10-19-1948 ई. बीकानेर

मीजहा काम-यन्थो । मध्यापकी (प्रायमिक दिवालय)

पत्र-पत्रिकावों में छुप्योड़ी रचनावों : हरावळ मासिक में. घर 'माळा' नांव रै

सम्-यंथ में कहाश्चिमां छपी सबीव रो ठिकालो : ठि. कानीराम सांगरमल महर्षि दवानन्द मार्ग, बीकानेर (राज.)

मीजदा ठिकामो : मुपर मुजब

श्रीष्ट ! सांवर दइया

```
श्रीव : सांवळदान घासिया
विकाः वाघारण घर परम्परागत
अप्तम-तिथि-ग्रर स्थान । मंगसिर सुदी 7 संबत् 1951 वि., कड़ियां (नायडारा⊸
                     चदयपर)
मौत्रहा काम-पम्पो : सेती
```

द्यामेड़ी पोषियां : प्राचीत राजस्मानी गीत संग्रह भाग 1 सूं 5 (संपादन)

द्मराष्ट्रपी पोषियां 1 1, 'महाभारत रूपक' (छंदग्रन्य)

2. मारत भड विरदावली (काव्य)

पत्र-पत्रकावां में स्प्योड़ी रचनावां : सोय पत्रिका, मरुवाली, मपुमती, संप-शक्ति बाद में शास्य-रचनावां छवी

बुधी सुबनावा : राजस्यानी काव्य-रचनावा पर तीन पुरस्कार मिल्या-धाकासवाणी सुं रचनावो मृखाई

सबीव रो ठिकाको : मोर्या नहिया (वाया उदयपुर-राज.) मोज वा दिकालो : भूपर मुजब

नोब : सीताराम महर्वि शिक्षा: इटर, सा रल

क्रम-तिबि घर स्थान : सावल नदी 5 संबन 1989 वि.. सारी छानडी (रहनगढ़-**4**4)

धौरुवा काम-वाकी : नेवल

क्ष्योदी पोविया : 1. रिमभोड (गाय-2023 वि) 2. भीत पीइ शी पाठ (काग्य-2028 (र)

क्य-प्रिकार्यो में ध्रायोही रक्षनार्या । मोडमी, मर्वाछी, अनवभीन बाद पर्या में कवितामी ग्राप्ती

वसी सुचनावां : राजस्वानी भाषा साहित्य संगम (भवादमी) बीकानेर रा सदस्य रैंश-हिन्दी रचनावां से वर्ड पोदिश छप्योडी-घोडमी स शहायक संपादक-धावासवाली म रचनाथा मुलाई

सहीय से दिवाली : बच्या कुटीर, रशनमा (बुर-साब.)

धीवश दिवाली : यगर मुबब

नार । संदार्थित रागार र रिमा । एष. ए . (रिमी)

सच्य-र्गार्थ सर क्याप : 5-7-1939 है, कारीही (मोनवाहा) मोहरा काम मानो : प्राप्तात श्री (मू. मो, सामेज, बारपूर क्य मिकाशों में सामोड़ी एकनमां : महुवाही, महुमारि, संय-महित सार वर्गों में

काम-रचनार्थं वर्षाः पूत्री सूचनार्थः राजस्थान नाहित्व चडारमी रो कहाली पुरस्कार (प्रचम)

1964 है. में फित्म) सरीय रो डिबामो : बिर निश्चान, करारेही (भीतवाड़ा) भीकृत डिबामो : प्रध्या, हिन्से दिमान, मुखन नोवस्य कृतिय, सरवनर (साव.)

नोव । सोवद वहमा सिक्षा : सामारण

कतम-तिथि धर स्थान : 10-19-19-48 ई., बीकानेर मीजुरा काम-पायो : घटरायको (प्राथमिक विद्यालय)

पत्र-पत्रिकावां में छप्योड़ी रचनावां : हरावळ माखिक में भव 'माळा' नांव रै सर्थ-पत्रिकावां में छप्योड़ी रचनावां : हरावळ माखिक में भव 'माळा' नांव रै

सर्थ-अंथ में कहाणियां द्वती संबोध से ठिकाणो : ठि. कानीराम सागरमात पहुषि दयानन्द मार्ग, बीकानेर (राजः) मोजुदा ठिकाणो : पुरर गुजव भोव : सांवळवान मासियां सिक्षा : साधारसा भ्रम परम्परागत

क्षतम-तिथि-प्रद स्थान । मंगसिर सुदी 7 संबत् 1951 वि., कड़ियां (नायदारा-चदयवर)

चदयपुर) भौजवाकाम-घण्योः खेती

छ्योड़ी वोषियो : प्राचीन राजस्थानी गीत संब्रह भाग 1 सूं 5 (संपादन)

मराह्यपो पोषियां : I. 'महाभारत रूपक' (छंदग्रन्थ)

2. मारत मह विरदावली (काव्य)

पत्र-पत्रिकार्यों में क्ष्रंपोड़ी रचनार्याः छोष पत्रिका, मरुवासी, मधुमती, संघ-शक्ति ग्राट में काथ्य-रचनार्या छपी

वृत्री सूचनावां: राजस्थानी काव्य-रचनावां पर तीन पुरस्कार मिल्या—प्राकासवासी सं रचनावां सलाई

संबोध को ठिकाणो : मोर्यां कड़ियां (वाया उदयपुर-राजः) मोख्या ठिकासो : मुक्त मुख्य

भांद : सीताराम महर्षि

सिला : इंटर, सा. रल क्रम-तिथि प्रर स्थान : सावरा बदी 5 संबत् 1989 वि., सारी सावड़ी (रतनगढ-

भौजुदा काम-यग्यो : लेखलु -

एप्योड़ी पोषियां : 1. रिमभोळ (काव्य-2023 वि.)

2. श्रीत पीड़ री पाळ (काव्य-2028 वि.)

वत्र-पत्रिकावों में छप्योदी रचनावों ! मोल्लमो, मरुवाली, जलममोन घाद पत्रों में कवितावों छरी

बुजी सूचनावी : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (प्रकारमी) बीकानेर रा सदस्य रैंग-डिन्दो रचनावां री कई पोषियां स्वयोडी-फोळमी रा

धहायक संपादक-माकासवाणी मू रचनावां सुणाई

सबीव रो ठिकालो : इप्ल कुटीर, रतनगढ़ (बुरू-राज.)

भीतृता ठिकाको : मूपर मुजब

and i aftertief distant & femiles e. (\*(\*ft)

अन्य किर्देश कर प्रयाण र उं-7-1939 है , मारीही (शीवशाहा) कीवृत्ता काक बाबी । प्राप्तापनी (मू. मी, कावेज, प्रश्रपुर

क्य विकाश में प्राफीती रचकारा ह महताती, महमारी, संब-मांता मादवर्ग में बाध्य-रचनात्रो छ्रा हुवी सूचवार्था : राजावाव साहित्व सजादवी से कहाली पुरस्कार (प्रथम) 1954 f. & fara)

महीब से डिबरको : सिब निवास, कारोही (मीनवाहा) भौतूरा दिशामो : घरवरा, हिन्दी दिमान, मुचान नोवत्त कानेज, बदवपुर (राज.)

मिला : सापारेश सनम-तिथि घर स्थान : 10-19-1948 ई., बीकानेर

भीजरा काम-घरपो । घटशपको (प्राथमिक विद्यालय) यत्र पत्रिकावों में सप्योडी रचनावों : हरावळ मासिक में भर 'माळा' नोव रैं

सर्व-यंग में कहाशियां ख्यो सबीव रो ठिकालो : ठि. कानीराम सागरमल महर्षि दयानन्द सार्ग, बीकानेर (राज.)

मोबदा ठिकाणो : ग्रुपर मुजन

नोव । सोवद बहवा

```
नोव : सोवज्यान कावियां
विका : शावारण कर परप्ययान
बनन-तिष-कर स्थान : संपतिर सुरी 7 संबद् 1951 वि., कड़ियां (नापडारा-
वदवपुर)
भोजवा कान-क्षम्यो : सेटी
```

मानुदा काम-यन्या : धता ह्य्योड़ी योषियां : प्राचीन राजस्थानी गीत संबद्द भाग 1 सूं 5 (संपादन) प्रसाखनी पोषियां : 1. 'महाभारत रूपक' (ह्यंद्रधन्य)

2. मारत भड़ विरदावली (काव्य)

पत्र-पतिकार्वो में स्थादी रचनार्वा : शोध पत्रिका, मरुवासी, मधुमती, संप-शक्ति धाद में काव्य-रचनावां छवी

धूनी सुबनावी: राजस्वानी काथ-रचनावी पर तीन पुरस्कार मिल्या—प्राकासवासी
सूं रचनावी सुसाई
सवीव री ठिकाणो: मोरयो कडियां (वाया उदयपर-राज.)

मौजू दा ठिकाणी : मूपर मुजब

भावः सीताराम महर्षि सिक्षाः इंटर, साः रत्न

सनम-तिथि घर स्थान : सावस्त बदी 5 संबत् 1989 वि., सारी छाबड़ी (रतनसङ्-पूरू) मोतदा कान-मन्त्रों : सेसस्य

एप्योड़ी पोषियां : 1. रिमफोळ (काव्य-2023 वि.)
2. श्रीत पीड़ रो पाळ (काव्य-2028 वि.)

पत्र-पत्रिकावों में ध्राप्योको रचनावां ! मोळमो, मरुवालो, बलममोम ग्राट पत्रों में कवितावां छ्वी

कांत्रवार्थ छ्री कृते सुचनार्था: राजस्थानी माथा साहित्य संगम (सकादमी) बीकानेर रा सदस्य रैवा—हिन्दी रचनार्था हो कई लेकियां स्योही-फोड़की रा सहायक ें में

सबीब रो ^

सदाय रा मीत्रदा

m marin

मीव : सुबोधकुमार ग्रग्नवास सिक्षा : सावारख

जनम-तिथि धर स्थान : वि. संबत् 1976, बुरू (राज.)

मौजवा काम-धन्धो : व्यवसाय

पत्र-पत्रिकाणों में छपी रचनायां : मरुवाएगी, मरुवी आद पत्रों में घर संग्र-ग्रंप में भी छपी

हुजी सूचनावां : हिन्दी में 'पंछी' नांव रें मासिक वज रो संपादन कर्यो-सी संस्कृति धोव संस्थात, जूरू घर नगरधी, जूरू री बानना क संवातन—हिन्दी रचनावां री वीचियां रें संपादन-प्रकारणः काम कर्यो

सदीव रो ठिकाणो : मगरस्रो, सूरू (राज.) मौजूबा ठिकालो : धुपर पुत्रब

नांवः सुमेरसिंह रोजावत सित्ताः एम ए., दी. एड.

धनम-तिथि धर स्थान : 10-9-1935 ई., सरवड़ी (सीकर-राज.) मीडवा काम-धाथी : अध्यापकी

द्यायोड़ी क्षियां : मेथमाळ (शब्य-1965 ई.)

एत्यादा पाष्यपाः भयमाळ (काळ्नान्तान्त इ.) पत्र-पत्रिकावो में एप्योडी रचनावो : मरुवासी, घोळमो, राजस्यान पत्रिका धार यनेक पत्रों में कविताबो पर सेस स्टब्स

क्ष्मी सुबदावी : मानासवासी मर कवि-सम्मेलनो में कविता-याठ —हिसी रवनांवी मी छरी

सरोव थी दिवाली : धानन्दनगर, सीवर (राजः) भोतुता दिवाली : धुपर मुजव शंव : मुरेन्द्र संवत विशा: एवए . क्या-तिथ सर स्थात : 5-2-1939 ई., ब्यावर (राज-) भोजूस काश-पांची : सरपारती यत्र पतिवासों संद्योही रचताओं : मयुवती सार पत्रों में सर सब्दे-यायों में सुरी दूनी मूचवाली : सेहाती, कविता, रेडियो-चयड, कहाणी सार स्पताओं करें—हिंसी स्थावां से पोधी स्था-साहत्व चित्रव परिवर, मीम सा सिकारी रंगा

सरीत री डिकाली : साहपूरा मीहरूनो, माळियां री हवाई, स्वावर (राज,) मीजवा डिकाली : राज, उ. मा. विद्यालय, भीम (उदयदुर)

तीर गुरेत राहे विता : ते.ए. करवर-दिव सर रचत : 1-8-1936 ई., बोबपुर भीवृत काय-पायो : स.सत्तराती-तेश वय-पंचराती में प्रभोदी रचनातां : रामायान सा हुमेह दवा में करिताता स्मी दुभी दुवायां : प्रधानवाती मुं यर वर्षत मानेवनां में वर्षता-पाह मामी सो हिस्सो : हि, प्रधानानको स्थात, सोटी बहुबुटी, वासी (एक) भीवृत्त किलाने : सारामहालुटी, जोकपुर (साम-) नौव : सूरज सेसाबत

सिला: बी, ए.

बनम तिथि घर स्थान : सिताबर 1945 है., सेमावटी

रत-पत्रिकार्या में छत्योड़ी रचनार्था : महतार्था, मधुमती बाद पत्रों में छूरी द्वी सूचनार्था । विद्यार्थी श्रीवर्ण में कविता-कहार्खी-निवय प्रतियोगिता में पुरस्कार

सदीव रो ठिकाणो : 6/308 डिग्गी सर्कन, ब्यावर (राज.) मौनुदा ठिकाणो : धूपर मुजब

नौवः सूर्यशंकर पारीक

विक्षा : संस्कृत प्रथमा, प्रभाकर (पंजाब)

धनम-तिथि धर स्थान : 13 नवन्दर 1922 ई., रतनगढ़ (ब्रुरू) भौजुदा काम-धन्धो : संस्था-तेवा (आरतीय विद्या मदिर शीव प्रति, बीकानैर में

भोष सहायक) भोष सहायक) इटलोडी कोवियां: बीव नमफोतरी (संवादन-2005 वि.) सरीयों (2007 वि

ध्रत्योड़ी योषियां : बीव समझौतरों (संवादन-2005 वि.) सरीयों (2007 वि ) विद्ध परित्र (शोध प्रश्य-2013 वि.) सूरत कुंडाळी (काव्य-2023 वि.)

वज-पिक्राची में घट्योड़ी रचनावां : घोळमी. राजस्थान भारती, मस्मारती, भरवाणी, शोष पत्रिका, वरदा, जलमामेम,

मधुमती चाद घनेक पत्रों में राजस्वानी चर हिन्दी कवितायों, कहाणियां घर सेस छूप्ना को सम्बद्धान समाहित राज रिमर्च इस्टीट्य ट

र्भी सुबनावा: धाहासवाछी सूं 'रचनावां सुणाई- बाहुत रात रिसर्वे इसरीट्यूट सूं पुरस्कार तिस्यो - राजस्थाने घर हिन्दी री धनेक मीनिक यद-वर्ष री घर संवादित शीववां स्वार है

सबीव रो ठिकाणो : पारीक सदन, रतनगढ़ (पूरू-राज-) भौजूबा ठिकाणो : मारतीय विद्या-मंदिर बोम प्रतिच्ठान, रतन बिहारी पाळ

वीकानेर (राजः)

```
मोद: सोहनदान चारल
```

निसा: एम. ए (हिन्दी), पीएच.डी.

बनम-तिथि घर स्थान : 15-2-1946 ई., मारबाढ़ मधाखिया (बोबपुर)

मोनूदा काम-मन्यो : प्राच्यापको (जोपपुर विक्वविद्यालय) पत्र-पत्रिकाचो से सुरुपोडी रचनाचो : सनकार, परपरा, रंगमोग, सोक संस्कृति,

पत्र-पात्रकाचा य छुप्याक्षा रचनाचा : सनकार, पर्यया, रचनाचा, सारु सङ्घात, हरावळ भार पत्रां में कविदाबो, स्याकरण सूर्वभी लेख भार लोक-सक्ष्मित राजिसयां पर

लेख ध्या दुवी सुधनावा : राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन नांव मुंसीय-यं व लिस्सी—राजस्थानी व्याकरण री एक दोवी भी त्यार करी है

सदीव री ठिकाको : ठि. वन्तिदानत्री चारण, मेहराजोतां रो बात, मारवाड़ संपाणियां (कोषपुर-राज.) भौजदा ठिकालो : ठि. बैजदान बालुदान भवन, नांगोरी गेट रै मांग, जोपपुर (राज.)

## नांव : सीमाग्यसिंह सेवावत

क्षिता: सावारस

सनम-तिबि सर स्वान : 22-7-1924 ई., मनवदुरो (शीकर-रातः) भीत्रा काम-प्रमधी: संस्था-वेसा (रातस्थानी तोच संस्थान, चौथातणी, जोवपूर में शोब तहायक)

सुन्योदी वीविषा : जीराजाहा (सरादन 2011 हि.) राजस्थानी बातां (संपादन साग 3, 4, 7---1957-58 ई.) राजस्थानी वस्तुर (संपादन 1958 ई.) हैन्द्रेशसी (संपादन-1956 ई.) राजस्थानी वीरत्व संपंद साथ 1-2 (संपादन-1958 ई.) जनस्वितास (संपादन वक्र-पश्चिमों में स्पादी स्थापता : वररा, परंत्रा, सदमारती, सदसारी, सपुनती

क-पिकाबों में घरचोड़ी दसवाकों: वरदा, परंवछ, महनारती, पदवाछी, मधुमती शोव पविका, सम्वेष्णा, ना. प्र. पिका, संद-विक्ता, साम्यास साद पविकासों से कविताबों, कहालियों बर तेल घरचा

कृषी सुषताचो : मोव पविका : रो संपादन कर्यो—परंतरा रा सहायक संपादक है— कविता, बहाजी घर निर्मेष री लेशियो स्वार है—रावस्थानी री छुपी भीवता री सूची छुपनाई—मास्तिक, संबर्ध, रो संपादन कर्यो— कई संगरित छन्न स्वार

सदीष रो ठिकालो : भगवपुरो (सोसत-सीकर-राज.) भोजूबा ठिकामो : राजस्थानो सोच संस्थान, घोषासलो, बोधपुर (राज.) नांव : हरीस दिस्ता : एम. ए., ही. कित् जनम-तिष पर स्थान : 8-9-1933 ई., संभूतड़ (नावा व्यावर-राज.) भीजूत कात परपी : प्राध्यावकी एन्योड़ी योदियां : प्रार्टिकालं के बजात हिन्दी रास काव्य यम-पिकालां में एन्योड़ी प्रकाशां : मक्साएं), मपुमती पाद वत्रा में कवितायां स्पी वश्यी सुननावां : प्रार्कावाएं) मूं भी रचनावां सुणाई—हिन्दी में पीदियां स्पी स्थीय रो डिकाणे : मपुमतु (बावा बायर-राज.)

मीजूबा ठिकाणो : राजकीय, महा विद्यालय, कोटा (राज.)

नाव : हिरम्मय स्नित (यसावरल महनिया)
तिता : दी. ए. वी. एड.
तमान दी. ए. वी. एड.
बननिति प्रत स्वान : 10-7-1947 है., मूं मूलू (राजः)
सोनूरा काल-पायो : यस्पावकी
वक्ष-विकारों में स्वाची रवनातां : मुप्तती, मह साद वना में स्वी
तसीव रो किहालो : दवावरल महनिया कि. महनाद राव महनिया मूं मूलू (राजः)
सोन्दा कितालो : 9 एक. सोहर होनोनी, जिलालो (राजः)

त्रांव . होराक्षास माहेत्वरी सिंता : एम. ए., एमएत. थे., थे. किन्, थे. निट्, या. राम, बाहित्यासंकार स्वतम तिवि सर क्यांत : 20-1-1931 ई., सोगंगानगर .राज.) थोनूस क्षान्यणे . प्राध्याको (राजस्वान विवर्षयानया)

हाच्योज़ी बोबियां : 1. राजस्थानी आया धीर माहित्य (मन् 1960 ई.,)
2. बामेशे, विच्छोई संत्रदाय धीर साहित्य (1970 ई.)

दुओ मुखनायां : उत्तरदरित सरकार, राजस्वान साहित्य घडादमी तथा घ. मा. वरिवेडर वेषट दल मूं पुकार मिल्या—पाडामवाली पर वार्गावा प्रकारिक—प्रवेष साहित यंत्र स्वार है—राजस्वानी घर हिस्सी सोव सामी सुनिदेश्य है

सरोव को दिकाओ : क्वॉड को, 38, धीमगानगर (सज.)

. .

भीदृश दिवाहो : दी. 174 तु. श्रोवाद मार्ग, वापुनवर, जयपूर-4

